शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 02 जुलाई 2025 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 85 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.7	23.0
डालटनगंज	30.0	22.2
धनबाद	31.8	26.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

देश-विदेश

रूस ने इस क्षेत्र में भारी सैन्य जमावड़ा किया, बढ़ेगा संघर्ष

ब्रीफ न्यूज

आर्थिक परिदृश्य को दिया आकार: मोदी

नयी दिल्ली। जीएसटी की आठवीं सालगिरह पर पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अप्रत्यक्ष कर शासन एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में खड़ा है, जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को फिर से आकार दिया है. मोदी ने कहा, अनुपालन बोझ को कम करके इसने विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए व्यापार करने में आसानी में बहुत सुधार किया है. मोदी ने एक्स पोस्ट पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, जीएसटी को लागू हुए आठ साल हो गए हैं. यह एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में सामने आया है, जिसने भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दिया है.

थाईलैंड की पीएम को कोर्ट ने किया सस्पेंड

बैंकाक। थाईलैंड को पिछले साल पैतोंगटार्न शिनावात्रा के रूप में नई प्रधानमंत्री मिली. लेकिन अब उन्हें बड़ा झटका लग गया है. पीएम शिनावात्रा को देश की संवैधानिक कोर्ट ने मंगलवार को सस्पेंड कर दिया. पिछले कुछ समय से ही उन पर जांच चल रही थी और अब कोर्ट ने उन्हें पीएम पद से सस्पेंड कर दिया है. देश की संवैधानिक कोर्ट के इस फैसले को शिनावात्रा ने स्वीकार कर लिया है. जब तक अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक वह पीएम नहीं रहेंगी. उनकी जगह अब देश के डिप्टी पीएम फुमथम वेचायाचाई थाईलैंड की सरकार चलाएंगे.

हिमाचल में भारी बारिश से तबाही, चार मौतें

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर कहर बरपाया है. बीते 24 घंटों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने राज्य के कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है. मंडी, कुल्लू, हमीरपुर, शिमला, सिरमौर और सोलन जिलों में अगले 24 घंटे के लिए बाढ़ का येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने चेताया है कि 7 जुलाई तक भारी बारिश और बिजली गिरने की आशंका है. इसके मद्देनजर आरेंज व येलो अलर्ट भी जारी किए गए हैं. साथ ही, पूरे प्रदेश में राहत व बचाव कार्य तेजी से जारी है.

ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी मिलना नामुमकिन

नयी दिल्ली। गर्मी की छुट्टियां का सीजन खत्म हो चला है. दशहरा और दिवाली जैसे बड़े त्योहार भी अभी दूर है, फिर भी कई राज्यों की तरफ जाने वाली ट्रेनें रिग्रेट चल रही है. इन ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहा है. इससे यात्री परेशान है. सबसे ज्यादा दिक्कत उत्तर भारत की तरफ जाने वाली ट्रेनों में नजर आ रही है. यदि आपको भी आने वाले आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश या दक्षिण भारत से उत्तर भारत के प्रमुख शहरों के लिए सफर करना है, तो आपको वेटिंग टिकट भी नहीं मिलेगा। कंफर्म टिकट के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे का ऐलान

केंद्र की सत्ता में आए तो आरएसएस को करेंगे बैन

एजेंसियां। बेंगलुरु

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने ऐलान किया है कि अगर कांग्रेस फिर से केंद्र की सत्ता में आती है, तो आरएसएस को देशभर में बैन किया जाएगा.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार आरएसएस की आलोचना करते रहे हैं और संगठन पर देश को बांटने के

आरोप लगा चुके हैं. लेकिन प्रियांक खरगे ने आरएसएस पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध की बात कह कर एक नई बहस शुरू कर दी है.

प्रियांक ने एक्स पर किया पोस्ट

दरअसल, प्रियांक खरगे ने बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या को जवाब देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसमें सूर्या ने कांग्रेस के हाईकमान को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे पर सवाल उठाए थे. प्रियांक ने पूछा, बीजेपी का हाईकमान कौन है? आपके ज़्यादातर कार्यकर्ता आपकी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष का नाम तक नहीं बता सकते, उनके लिए मोदी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और शायद पंचायत सचिव तीनों ही हैं.

आरएसएस समाज में नफरत फैला रही : उन्होंने कहा कि देश में नफरत कौन फैला रहा है, कौन सांप्रदायिक हिंसा के लिए जिम्मेदार है, कौन है जो संविधान बदलने की बात कर रहा है? प्रियांक खरगे ने कहा कि आरएसएस अपनी राजनीतिक शाखा बीजेपी से जरूरी सवाल क्यों नहीं पूछती कि देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है, पहलगाम में आतंकी हमला कैसे हुआ? यह न पूछ कर संघ के लोग समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत आरएसएस को देश में बैन किया जाएगा.

कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक ने कहा कि ईडी, आईटी सभी जांच एजेंसियां क्या सिर्फ विपक्ष के लिए हैं, सरकार आरएसएस की जांच क्यों नहीं करती, आखिर उनके पास पैसा कहां से आ रहा है, उनकी इनकम का सोर्स क्या है. प्रियांक खरगे ने कहा कि हर बार संघ के लोग हेटस्पीच और संविधान बदलने की बात कहकर बच कर कैसे निकल जाते हैं, आर्थिक अपराध करके कैसे बच जाते हैं, इन सभी विषयों की जांच होनी चाहिए.

बड़ी खबर: ईएलआई स्कीम को नरेंद्र मोदी कैबिनेट की मंजूरी

दो साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा को मिलेगी नौकरी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एम्प्लाईमेंट लिंक्ड इनसेंटिव (ईएलआई) योजना को मंजूरी दे दी है. इस योजना के तहत सभी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने, रोजगार क्षमता बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी है. सरकार का प्लान इस योजना के तहत 2 साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को नौकरी देना है. वहीं पहली बार काम करने वालों पर सरकार 2 किस्तों में एक महीने के वेतन के बराबर सब्सिडी 15000 रुपए तक देगी. इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र पर फोकस करते हुए पहली बार काम करने वालों के लिए प्रोत्साहन देना है. साथ ही देश में बेरोजगारी को कम करना है.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस स्कीम को लेकर विस्तार से जानकारी शेयर की. उन्होंने बताया कि एक लाख करोड़ रुपए के खर्च के साथ दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के रोजगार सृजन का समर्थन करने के लिए इस योजना को बनाया गया है. यह स्कीम सभी से चर्चा करने के बाद तैयार की गई है. इस स्कीम का ऐलान बजट के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा किया गया था.

दो किस्त में दी जाएगी सब्सिडी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसका फोकस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर होगा. इसके दो पार्ट फर्स्ट टाइमर और सस्टेन एम्प्लाईमेंट के लिए बनाए गए हैं. फर्स्ट टाइम्र्स को जॉब ढूंढ़ने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इसलिए फर्स्ट टाइमर पर सब्सिडी की मंजूरी दी गई है, जिसमें अधिकतम 15000 रुपए तक दिया जाएगा. यह दो किस्त में दिया जाएगा. एक छह महीने और दूसरा 12 महीने... इस सब्सिडी का लाभ कंपनियों को दिया जाएगा.

दूसरा सस्टेन एम्प्लाईमेंट देते हैं तो इसके तहत 2 साल तक 3000 रुपए प्रति महीने हर कर्मचारी पर सपोर्ट दिया जाएगा. इससे रोजगार के ज्यादा अवसर खुलेंगे. इससे सतत विकास को बढ़ावा देगा.

राष्ट्रीय खेल नीति-2025 को मंजूरी

भारत को खेल महाशक्ति बनाना लक्ष्य

केंद्र सरकार नई राष्ट्रीय खेल नीति 2025 (एनएसपी-2025) लाई है जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाना है. एनएसपी-2025 वर्ष 2001 की राष्ट्रीय खेल नीति का स्थान लेगी. इसका लक्ष्य नागरिकों को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना और भारत को 2036 ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और आयोजन के लिए तैयार करना है. पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रीय खेल नीति-2025 को मंजूरी दी गई. सरकार का कहना है कि नीति व्यापक परामर्श के बाद तैयार की गई है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, नीति आयोग, खेल संघ, खिलाड़ी और विशेषज्ञ शामिल रहे. नीति पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है.

केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि राष्ट्रीय खेल नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए एक ठोस रणनीतिक ढांचा तैयार किया गया है. इसमें सशक्त खेल प्रशासन के तहत खेलों के लिए मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा विकसित करने की योजना है. निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए पीपीपी मॉडल और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से वित्तीय सहयोग और समर्थन प्राप्त किया जाएगा.

राष्ट्रीय खेल नीति 2025 पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है- वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता, आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन, जनभागीदारी और शिक्षा से एकीकरण. इसका उद्देश्य ग्रामीण से शहरी स्तर तक खेलों का विकास, खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, खेलों को उद्योग से

नीति से जुड़े पांच प्रमुख स्तंभ इस प्रकार हैं

1. वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता का लक्ष्य
- जमीनी स्तर से लेकर एलीट स्तर तक प्रतिभा की पहचान और पोषण के लिए प्रभावी ढांचा.
- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खेल ढांचे का विकास और प्रतिस्पर्धी लीग्स को बढ़ावा.
- कोचिंग, प्रशिक्षण और एथलीट सपोर्ट सिस्टम को विश्व स्तरीय बनाना.
- खेल विज्ञान, चिकित्सा और तकनीक के माध्यम से खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाना.
- कोचों, तकनीकी अधिकारियों और सहायक स्टाफ का प्रशिक्षण और विकास.

2. खेलों के ज़रिए आर्थिक विकास
- खेल पर्यटन को बढ़ावा और भारत में अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेज़बानी को प्रोत्साहन.
- खेल उत्पाद निर्माण और स्टार्टअप को सपोर्ट कर उद्योग का विकास.
- पीपीपी मॉडल, सीएसआर और नवाचार आधारित फंडिंग के जरिए निजी क्षेत्र की भागीदारी.

3. सामाजिक विकास में खेल की भूमिका
- महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, जनजातीय समुदायों और दिव्यांगजनों की सक्रिय भागीदारी.
- देशी और पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने पर ज़ोर.
- खेल को कैरियर विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए शिक्षा में समावेशन, वालंटियरिज्म और दोहरी करियर योजनाओं को बढ़ावा. प्रवासी भारतीयों को खेलों के ज़रिए जोड़ना.

4. खेल को जन आंदोलन बनाना
- पूरे देश में फिटनेस अभियान और सामुदायिक आयोजनों के माध्यम से जन भागीदारी को बढ़ावा.
- स्कूल, कॉलेज और कार्यस्थलों के लिए फिटनेस इंडेक्स शुरू करना.
- सभी के लिए खेल सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना.

5. शिक्षा से एकीकरण
- स्कूल पाठ्यक्रम में खेलों का समावेश.
- शारीरिक शिक्षकों और शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देकर खेल शिक्षा को मज़बूती देना.

जोड़ना, पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करना और फिटनेस अभियान से जनआंदोलन खड़ा करना है. नीति में स्कूल शिक्षा में खेल समावेश, शिक्षकों का प्रशिक्षण और दोहरी करियर योजनाएं शामिल हैं. सफल क्रियान्वयन के लिए सशक्त प्रशासन, निजी भागीदारी, तकनीकी नवाचार, निगरानी तंत्र, राज्यों के लिए मॉडल नीति और सभी विभागों में खेलों का समावेश सुनिश्चित किया गया है.

मंईयां सम्मान योजना की 10वीं किस्त का इंतज़ार खत्म

महिलाओं को जल्द मिलेंगे 2500 रुपए

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की महिलाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है! महिला एवं बाल विकास विभाग ने मंईयां सम्मान योजना की 10वीं किस्त के तहत 2500 रुपए की राशि जारी करने की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली है. अब बस कुछ ही घंटों का इंतजार और लाभार्थियों के खातों में सीधे डीबीटी के माध्यम से यह राशि ट्रांसफर होने लगेगी.

2 जुलाई से 10 जुलाई तक आएगा पैसा खातों में
- विभाग ने 30 जून को सभी जिलों को भुगतान के निर्देश भेज दिए हैं.
- डीबीटी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अगले 24 घंटों में अधिकांश खातों में पैसे पहुंच सकते हैं.
- जिन महिलाओं को एसएमएस नहीं मिला है, वे पासबुक अपडेट करके राशि की जानकारी ले सकती हैं.

पहले चरण में इन 12जिलों को प्राथमिकता

इन जिलों की महिलाओं के आवेदन और दस्तावेज समय से सत्यापित होने के कारण उन्हें पहले भुगतान मिलेगा. रांची, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर, बोकारो, लोहरदगा, गुमला, जामताड़ा, सिमडेगा, चतरा, पाकुड़ और गढ़वा.

किसे मिलेगी राशि
- जिन लाभार्थियों का आवेदन सही ढंग से भरा गया है
- जिनका आधार, राशन कार्ड और बैंक खाता सही ढंग से लिंक हैजिनकी वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है

अगर किसी दस्तावेज़ में गलती है, तो इस बार की किस्त आपके खाते में नहीं आएगी. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं आवेदन स्टेटस समय-समय पर जांचती रहें और किसी भी गलती को पंचायत या नज़दीकी सीएससी केंद्र पर ठीक कराएं.

रखे सतर्क- फर्जी कॉल्स और मैसेज से सावधान

सरकार ने सलाह दी है कि लाभार्थी सिर्फ आधिकारिक पोर्टल से ही जानकारी लें और किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज के झांसे में न आएं.

कलाकारों पर मेहरबान हुई नीतीश सरकार

हर महीने मिलेंगे 3000 रुपए

शुभम संदेश। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई. इसमें कुल 24 एजेंडों पर मुहर लगी है. बैठक की सबसे अहम बात यह है कि नीतीश सरकार ने प्रदेश के कलाकारों पर विशेष ध्यान दिया है. अब राज्य के वरिष्ठ और आजीविका से जूझ रहे कलाकारों को पेंशन के रूप में 3000 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे. इसके लिए हर साल एक करोड़ खर्च करने की स्वीकृति कैबिनेट से मिली है. हालांकि यह वैसे कलाकार को दिया जाएगा, जिनकी उम्र 50 वर्ष से ऊपर होगी. इसके अलावा उनकी आमदनी सालाना एक लाख 20 हजार से कम होगी. साथ ही कला के क्षेत्र में कम से कम 10 साल का अनुभव होना भी अनिवार्य होगा.

दूसरी ओर मुख्यमंत्री बिहार गुरु शिष्य परंपरा योजना' को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है. इसके तहत बिहार की वैसी कलाएं जो विलुप्त हो गई हैं और काफी दुर्लभ हैं उन्हें संरक्षित करने के लिए प्रचार-प्रसार कर युवा प्रतिभागियों को विशेषज्ञ गुरुओं द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा. इसके लिए एक करोड़ 11 लाख 60 हजार प्रति वर्ष खर्च किए जाएंगे. कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना की भी मंजूरी मिली है. इसके तहत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित एवं 12वीं पास युवाओं को 4000 रुपए प्रत्येक महीने इंटर्नशिप के रूप में मिलेंगे. आईटीआई एवं डिप्लोमा पास को इंटर्नशिप में 5000 एवं स्नातकोत्तर को प्रति महीने 6000 इंटर्नशिप में मिलेगा. इन युवाओं को आजीविका के सहयोग की राशि भी अलग से मिलेगी. इसमें अपने गृह जिले से अतिरिक्त दूसरे जिले में रहने वाले को 2000 प्रति महीना और राज्य के बाहर इंटर्नशिप करने वालों को 5000 रुपये प्रति महीना अतिरिक्त राशि प्रदान की जाएगी. इसके लिए 2025-26 में कुल 5000 युवाओं का लक्ष्य रखा गया है और 2026 से 2031 तक कुल एक लाख युवाओं को इस योजना के अंतर्गत लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है.

देशव्यापी बड़ी समस्या : एक साल में आपकी-हमारी जेब से निकाल ले गए साइबर ठग

22,811 करोड़ रुपए गए, 19 लाख शिकायतें आईं

शुभम संदेश डेस्क

साइबर क्राइम के कई मामले हमें हर रोज देखने को मिलते हैं. स्कैमर्स लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए नए-नए तरीकों का इस्तेमाल करते हैं. अगर आंकड़ों की बात करें, तो साल 2024 में 22811.95 करोड़ की ठगी लोगों से साइबर अपराधियों ने की है. ये वो आंकड़ा है, जिसे लोगों ने रिपोर्ट किया है. इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर आई4सी के मुताबिक, साल 2024 में एनसीआरपी पर 19.18 लाख शिकायतें आई हैं. ये शिकायतें साइबर क्राइम से जुड़ी हुई हैं, जिसमें लोगों ने 22,811.95 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं. इन आंकड़ों के साथ भारत दुनिया के सबसे ज्यादा साइबरक्राइम का शिकार होने वाले देशों में शामिल हो जाता है.

हर साल बढ़ रहे साइबर अटैक के मामले : देश में लगातार साइबर क्राइम बढ़ रहा है. जीआईआरईएम की रिपोर्ट के मुताबिक, मैलवेयर अटैक्स 11%, रैंसमवेयर में 22%, आईओटी अटैक्स में 59% और क्रिप्टो हमलों में कुल मिलाकर 409% की चौंका देने वाली बढ़ोतरी हुई है. साल 2023 में साइबर क्राइम की 15.56 लाख शिकायतें दर्ज हुई थीं, जो साल 2024 में बढ़कर 19.18 लाख हो गई हैं. इनमें से ज्यादा पैसों से जुड़े हुए फ्रॉड्स हैं. साल 2023 में भारतीयों ने 7496 करोड़ रुपये साइबर क्राइम में गंवाए थे, जबकि साल 2022 में लोगों ने 2306 करोड़ रुपये गंवाए थे.

जमापूंजी गंवा रहे लोग: चार सालों में लोगों ने 33,165 करोड़ साइबर फ्रॉड में गंवाए. जीआईआरईएम की रिपोर्ट की मानें, तो 2024 में फिशिंग हमले 82.6% एआई जनरेटेड हैं. क्यूआर कोड बेस्ड साइबर फ्रॉड के मामलों की संख्या बढ़ी. अपराधी फर्जी पोस्टर्स, वॉट्सऐप मैसेज और लिंक का इस्तेमाल लोगों का टार्गेट करने के लिए कर रहे हैं, जिससे यूजर्स एक बार क्यूआर कोड को स्कैन कर लें. कोड स्कैन होते ही पीड़ित फर्जी यूपीआई पेमेंट पोर्टल पर पहुंचते हैं, जहां से उनके बैंकिंग डेटा को चुरा लिया जाता है. इस तरीके का भारत में बड़ी संख्या में इस्तेमाल हो रहा है.

आपके साथ भी हो सकता है फ्रॉड, रखें इन बातों का ध्यान

साइबर वर्ल्ड में कोई भी फ्रॉड का शिकार हो सकता है. ऑनलाइन हो चुकी दुनिया में हर कदम पर साइबर ठगों ने जाल बिछा रखा है. ऐसे में आपकी जागरूकता ही आपको इस दुनिया में सुरक्षित रख सकती है. साइबर वर्ल्ड में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए.
- कभी भी अनजान लिंक पर क्लिक ना करें.
- किसी दूसरे से अपने ओटीपी, बैंकिंग डिटेल्स और दूसरे पासवर्ड्स शेयर ना करें.
- वॉट्सऐप पर भी आप ठगी का शिकार हो सकते हैं, इसलिए किसी अनजान शख्स से चैट करते हुए सावधान रखें.
- अपनी पर्सनल डिटेल्स को किसी से भी शेयर ना करें.
- डिजिटल अरेस्ट या पुलिस के नाम पर अगर कोई आपको डराता है, तो बिना डरे ऐसे मामलों को रिपोर्ट करें.
- ज्यादा प्रॉफिट के लिए अनजान ऐप्स को डाउनलोड ना करें.

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार लागू हुआ एससी/एसटी आरक्षण कोटा

कर्मचारियों को प्रमोशन और सीधी भर्ती में मिलेगा फायदा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने बड़ा फैसला लिया है. अब सुप्रीम कोर्ट में एससी और एसटी के लिए स्टाफ की भर्तियों में आरक्षण होगा. यह पहली बार है, जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा किया है. यह बदलाव चीफ जस्टिस बीआर गवई के कार्यकाल में हुआ है. वे अनुसूचित जाति से आने वाले दूसरे सीजेआई हैं. 23 जून से यह नियम लागू हो गया है. सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने 24 जून को एक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी.

शीर्ष अदालत ने अपने कर्मचारियों को बताया कि आरक्षण का नियम 23 जून से लागू हो गया है.

इस आदेश का क्या है मतलब

इसका आदेश का मतलब है कि अगर किसी कर्मचारी को आरक्षण लिस्ट में कोई गलती दिखती है, तो वे भर्ती विभाग के रजिस्ट्रार को बता सकते हैं. यह आरक्षण अलग-अलग पदों के लिए है. जैसे कि सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट कम जूनियर प्रोग्रामर, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट और चेंबर अटेंडेंट. इस नीति के अनुसार, अनुसूचित जाति कैटेगरी के लिए 15 फीसदी और अनुसूचित जनजाति कैटेगरी के लिए 7.5 फीसदी पद आरक्षित होंगे.

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार ने जारी किया नोटिस

सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने 24 जून को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया. नोटिस में लिखा था, सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के अनुसार, सभी को सूचित किया जाता है कि मॉडल रिजर्वेशन रोस्टर और रजिस्टर को अपलोड कर दिया गया है. यह 23.06.2025 से प्रभावी है. आगे यह भी सूचित किया जाता है कि अगर किसी कर्मचारी को रोस्टर या रजिस्टर में कोई गलती या कमी दिखती है, तो वे रिजस्ट्रार (रिक्रूटमेंट) को इसकी जानकारी दे सकते हैं.

भोगनाडीह बवाल का मास्टरमाइंड निकला पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का सहयोगी !

पुलिस ने हथियार के साथ कर लिया गिरफ्तार

शुभम संदेश। रांची

हूल दिवस के दिन साहिबगंज के बरहेट के भोगनाडीह में जमकर बवाल हुआ है. कई जवान घायल हुए तो आंसू गैस के गोले और पुलिस की लाठी से आदिवासी भी चोटिल हुए. इस मामले में अब एक नया मोड सामने आया है. गोड्डा से दो संदिगध की गिरफ़्तारी हुई है. जिनके पास से हथियार अन्य कई सामान बरामद किए गए है.गोड्डा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है. इस दौरान पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के दोनों बेहद करीबी है. और सोची समझी साजिश के तहत भोगनाडीह में बवाल मचाने की योजना थी.

गोड्डा एसपी ने प्रेस कांफ्रेस कर मामले की जानकारी दी है. पुलिस के मुताबिक दोनों युवक की गिरफ़्तारी गोड्डा नगर थाना क्षेत्र से हुई है. और तीन हथियार मिले है जो अवैध है. इसके अलावा कई अहम जानकारी पुलिस को हाथ लगी है. गिरफ्तार युवक का प्रभाव राजनीतिक में बेहद अच्छा है. एक रणनीति के तहत भोगनडीह में बवाल करने की तैयारी की गई थी. किसी तरह से भी हंगामा को बढ़ाने की तैयारी थी. जिससे माहौल पूरे झारखंड में खराब हो जाए. बता दे कि सोमवार को हूल दिवस के मौके पर भोगनाडीह में सीदो कान्हु पार्क में पूजा करने को लेकर शहीद के वंशज और पुलिस के बीच झड़प हुई. इस झड़प में आदिवासियों ने तीर धनुष से हमला किया तो हालत को कंट्रोल में करने के लिए पुलिस ने आँसू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज कर सभी को खदेड़ा था. इसके बाद इस मामले की जांच शुरू की गई थी. जिसके आधार पर अब कार्रवाई की गई है.

आदिवासी अधिकार मंच ने भाजपा पर साजिश रचने का लगाया आरोप

रांची। आदिवासी अधिकार मंच ने भाजपा पर हूल दिवस के अवसर पर उपद्रव करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है. मंच के सुभाष हेंब्रम और देवी सिंह पहाड़िया ने कहा कि भाजपा और आरएसएस संताल परगना में अपनी हार से बौखलाहट में हैं और अशांति फैलाने की घटिया साजिश कर रहे हैं.

भोगनाडीह में उपद्रव की कोशिश: आदिवासी अधिकारियों के मंच ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को मोहरा बनाकर भोगनाडीह भेजा है, जहां हूल दिवस के अवसर पर उपद्रव करने की कोशिश की गई. मंच ने कहा कि कथित फाउंडेशन के नाम पर समानांतर कार्यक्रम की घोषणा उपद्रव की साजिश का हिस्सा थी, जिसे भोगनाडीह के लोगों और शहीदों के वंशजों ने विफल कर दिया.

भाजपा की बौखलाहट

आदिवासी अधिकार मंच ने कहा कि भाजपा और आरएसएस संतालपरगना में अपनी भारी पराजय से बौखलाहट में हैं और अशांति फैलाने की घटिया साजिश कर रहे हैं. मंच ने कहा कि हूल दिवस के दिन उपद्रव कर हिंसा फैलाने की साजिश में शामिल भाजपा के नेताओं पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की जाती है. मंच ने कहा कि भाजपा की इस घटिया साजिश को बेनकाब किया जाएगा और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा.

ईडी ने दायर किया पूरक आरोप पत्र

फरार दाहू यादव की मुश्किलें बढ़ीं

शुभम संदेश। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता पंकज मिश्रा के करीबी राजेश यादव उर्फ दाहू यादव सहित आधा दर्जन से अधिक आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है. यह आरोप पत्र रांची स्थित पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम) की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया गया है. हालांकि विशेष अदालत ने अब तक आरोप पत्र पर संज्ञान नहीं लिया है, लेकिन जैसे ही कोर्ट संज्ञान लेगी, इसमें नामजद आरोपियों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं. जिन व्यक्तियों के नाम इस पूरक आरोप पत्र में शामिल हैं, उन पर साहिबगंज जिले में बड़े पैमाने पर हुए अवैध खनन में संलिप्तता का आरोप है.

उल्लेखनीय है कि इसी केस में झामुमो नेता पंकज मिश्रा को जुलाई 2022 में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था. उन पर साहिबगंज जिले में करीब 1,000 करोड़ रुपए के अवैध पत्थर खनन और उससे प्राप्त धन को वैध बनाने (मनी लॉन्ड्रिंग) के गंभीर आरोप हैं. इसके बाद मिश्रा के नजदीकी माने जाने वाले दाहू यादव के भाई सुनील यादव को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था.

राजेश यादव उर्फ दाहू यादव जुलाई 2022 से फरार चल रहा है. 18 जुलाई 2022 को वह रांची स्थित ईडी के कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुआ था, लेकिन इसके बाद से वह लापता हो गया. उसके खिलाफ ईडी, सीबीआई और पुलिस ने देशभर में अभियान चलाया है, कई बार उसके ठिकानों पर छापेमारी और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई भी हुई, लेकिन अब तक वह गिरफ्त से बाहर है. सुप्रीम कोर्ट ने भी अगस्त 2023 में उसे आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का आदेश दिया था, लेकिन वह अब तक न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ है. लगातार फरारी और कानून की अनदेखी के चलते दाहू यादव को वॉन्टेड घोषित कर दिया गया है. अब ईडी की ओर से दाखिल किए गए इस पूरक आरोप पत्र से उसके ऊपर कानूनी शिकंजा और कस सकता है.

समीक्षा बैठक : मुख्य सचिव ने दिए अफसरों को कई निर्देश

यूनिसेफ के कार्यों की लगातार समीक्षा का सिस्टम बनाएं, निगरानी करें

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के सतत विकास लक्ष्य की उपलब्धि को लेकर यूनिसेफ के कार्यों की समीक्षा मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को की गई. मुख्य सचिव अलका तिवारी ने यूनिसेफ को सभी संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय पर बल देते हुए निर्देश दिया कि वे अपने कार्यों की लगातार समीक्षा का सिस्टम बनायें.

उन्होंने कहा कि यूनिसेफ झारखंड के सतत विकास को लेकर जो कार्य कर रहा है, वैसे ही कार्य व्यापक पैमाने पर राज्य सरकार भी कर रही है. इस स्थिति में एक दूसरे के डाटा राज्य के सतत विकास में काफी उपयोगी हो सकते हैं. इसके लिए विभागों के साथ पाक्षिक बैठक करने का निर्देश दिया. मुख्य सचिव ने कहा कि इन बैठकों में यूनिसेफ फील्ड के अपने कार्यों, अनुभव और सुझावों को साझा करे और यह देखे कि बच्चों को लेकर सरकार की योजनाओं के साथ कैसे बेहतर तालमेल के साथ काम किया जा सकता है.

योजनाओं की निगरानी और उसके फलाफल पर फोकस पर भी उन्होंने बल दिया. उन्होंने यूनिसेफ से कहा कि वे सामाजिक प्रक्षेत्र में अन्य राज्यों में जो बेहतर कार्य हो रहे हैं, उनका अध्ययन, विश्लेषण करें और उसका क्रियान्वयन झारखंड में कैसे किया जा सकता है, इसका ब्लू प्रिंट बनायें. उन्होंने योजना विभाग के साथ एक पोर्टल पर डाटा साझा करने का निर्देश दिया, ताकि डाटा मिस मैच नहीं हो. मुख्य सचिव ने पोषण से जुड़ी समस्याओं पर फोकस करने के साथ हाशिए पर खड़े लोगों के सतत विकास पर फोकस करने को कहा.

मुख्य सचिव ने हाथ की सफाई को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए यूनिसेफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि पोषण के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा आदि के क्षेत्र में भी संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर लोगों को जागरूक और सक्षम बनायें. उसके पहले यूनिसेफ ने झारखंड में बच्चों को लेकर किये जा रहे कार्यों और उपलब्धियों को लेकर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी. समीक्षा बैठक में सचिव मस्त राम मीणा, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, उमाशंकर सिंह, नेहा अरोड़ा और यूनिसेफ की झारखंड प्रमुख कानिनिका मित्रा और उनके सहयोगी उपस्थित थें.

डिजिटल इंडिया 140 करोड़ देशवासियों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप आज डिजिटल इंडिया 140 करोड़ देशवासियों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुका है. मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक और क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिल रहा है. सस्ती और सहज इंटरनेट सुविधा ने आम जन तक अनेक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की है.

बाबूलाल ने गिनाईं डिजिटल भारत की उपलब्धियां

- भारतनेट योजना : 5.85 लाख गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया.
- कॉमन सर्विस सेंटर्स के तहत 5.7 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर्स गांवों में आधार अपडेट, बिल भुगतान, प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं की सेवाएं दे रहे.
- जनधन योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक बैंक खातों ने सबसे वंचित तबकों को वित्तीय सिस्टम से जोड़ा गया.
- डीबीटी के जरिये 34 लाख करोड़ से ज्यादा की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंची है.
- पीएम गडिसा : 6 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को डिजिटल साक्षरता दी गई है.
- डिजीलॉकर : 20 करोड़ से अधिक यूज़र्स को बोर्ड, यूनिवर्सिटी और सरकारी संस्थान सीधे उनके अकाउंट में दस्तावेज़ जारी करते हैं.
- ई-नैम के तहत 1300 अधिक मंडियां जुड़ी हैं, जहां किसान भाव देख सकता है और डेटा आधारित निर्णय ले सकता है.
- पीएम किसान योजना के तहत 3 लाख करोड़ सीधे खातों में भेजे गए हैं.
- जेम के जरिए 8 लाख करोड़ से ज़्यादा की सरकारी खरीद अब डिजिटल हो चुकी है.
- नेशनल डिजीटल हेल्थ मिशन के तहत करोड़ों नागरिकों को हेल्थ आइडी मिली है, जिसमें इलाज का पूरा इतिहास दर्ज है.
- यूपीआइ के जरिये हर दिन 1100 करोड़ से ज़्यादा के ट्रांज़ेक्शन हो रहे हैं.

एनआईए जांच में हुआ बड़ा खुलासा

भाकपा माओवादी संगठन को फिर से संगठित करने की साजिश में शामिल था बच्चा सिंह

शुभम संदेश। रांची

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड में प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन को फिर से संगठित करने की साजिश में शामिल होने के आरोप में एक प्रमुख कार्यकर्ता बच्चा सिंह उर्फ बच्चा बाबू सिंह उर्फ मुकेश के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है. यह आरोप पत्र सोमवार को रांची स्थित एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष आरसी 03/2023 मामले में दायर किया गया. यह मामला मूल रूप से जुलाई 2022 में दर्ज किया गया था, जब चाईबासा में प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी के तीन नक्सली कूरियर को आपत्तिजनक पत्रों के साथ गिरफ्तार किया गया था. एनआईए ने अगस्त 2023 में इस जांच का जिम्मा संभाला और बच्चा सिंह सहित कुल नौ आरोपियों के खिलाफ फिर से मामला दर्ज किया. इन आरोपियों में से एक, लाजिम अंसारी की जून 2023 में पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी. एनआईए जांच से पता चला है कि जनवरी 2025 में गिरफ्तार किया गया बच्चा सिंह, मजदूर संगठन समिति का महासचिव था. झारखंड सरकार ने आपराधिक कानून (संशोधन अधिनियम), 1908 की धारा 16 के तहत MSS को एक प्रतिबंधित और गैरकानूनी संगठन घोषित किया हुआ है. जांच में यह भी सामने आया है कि बच्चा सिंह भाकपा माओवादी और उसके शीर्ष नेताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था. वह झारखंड और अन्य स्थानों पर इस आतंकी संगठन को फैलाने और मजबूत करने के उद्देश्य से धन इकट्ठा करने और अन्य आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल था.

बड़ी पहल

नगर विकास एवं आवास विभाग ने केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से जारी गाइडलाइन पर किया अमल

केंद्र के निर्देश पर 31 जुलाई तक झारखंड के शहरों में चलेगा सफाई अभियान

शुभम संदेश। रांची

नगर एवं आवास विभाग ने केन्द्र के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर झारखंड के सभी नगर निकायों में 1 से लेकर 31 जुलाई तक विशेष स्वच्छता व जागरूकता अभियान सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ 2025 शुरू किया है. इसको लेकर नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक सूरज कुमार की ओर से सभी निकायों को निर्देश भी दिए गए हैं.

इस संबंध में विभाग की अपर सचिव ज्योत्सना सिंह नें भी वीडियो कॉंफ्रेंसिंग से सभी निकायों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया है. इस अभियान की कोशिश है कि शहरी नागरिक, जल जनित और वेक्टर जनित बीमारियों को फैलनें से रोकनें के लिए स्वच्छता को एक सचेत ,प्रबुद्ध एवं प्रभावी विकल्प बनाएं तथा शहरी प्रशासन, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि बीमारियों का प्रसार रोकनें के लिए आवश्यक निवारक सफाई और उसे बढ़ावा देने वाले उपायों पर ध्यान केन्द्रित करे. अभियान में बुनियादी ढांचे को मजबूती देने,बेहतर एवं स्थायी स्वच्छता संबंधी अभ्यास लागू करने और मानसून के दौरान होनेवाले दुष्प्रभाव को कम करनें के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु तत्काल सामूहिक एवं अंतर-क्षेत्रीय प्रयासों की आवश्यक्ता पर प्रकाश डाला गया है.

अभियान के प्रमुख तत्व इस प्रकार है

1. कचरा संभावित स्थानों पर विशेष सफाई अभियान
2. सामुदायिक शौचालयों और सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई
3. जल गुणवत्ता के लिए पर्याप्त सैंपल लेना
4. अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए त्वरित आकलन और तत्काल कार्रवाई
5. अंतर- विभागीय समन्वय और निगरानी
6. दैनिक अपशिष्ट संग्रह और परिवहन
7. आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुविधाएं.
8. सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति और जल कार्यों का रख रखाव.
9. सुरक्षा-रोकथाम और उपचार रणनीति को अपनाना.
10. घर घर जाकर लोगों को जागरुक करना.

रांची में स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन की विशेष पहल: इधर रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन नें इस अभियान को सफल बनानें और नागरिकों को सफाई की मदद से स्वस्थ रखनें की दिशा में कई जागरुकता कार्यक्रम चला रहा है. 1 जुलाई से 31 जुलाई के बीच राजधानी के 50 महत्वपूर्ण स्थानों पर वैरिएबल मैसेज साइन बोर्ड और पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को जल और वेक्टर जनित बीमारीयों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं. साथ ही अभियान के महत्वपूर्ण उदेश्यों को लोगों को बताया जा रहा है. इधर सोशल मीडिया के माध्यम से भी जन जागरुकता चलाया जा रहा है. वहीं कमांड सेंटर से शहर के हर क्षेत्र में कचरा और जल जमाव की लाईव मॉनिटरिंग करते हुए निगम को सूचित किया जा रहा है. इसके साथ हीं नगर निगम की 300 से ज्यादा कचरा उठानेवाले वाहनों की लाइव निगरानी की जा रही है, इससे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में मदद मिल रही है.

एक नजर

बिजली बिल पर 5% सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव अनैतिक-अमान्य, होगा विरोध : अजय राय

रांची। झारखंड भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय राय ने नगर विकास विभाग द्वारा शहरी क्षेत्रों में रहनेवाले नागरिकों के बिजली बिल पर 5% अतिरिक्त सरचार्ज लगाने के प्रस्ताव को पूरी तरह से अमान्य, अनैतिक और अस्वीकार्य करार दिया है. उन्होंने इस प्रस्ताव को जनता पर एक नया आर्थिक बोझ बताते हुए कड़ा विरोध किया है. राय ने कहा कि झारखंड की शहरी जनता पहले से ही होल्डिंग टैक्स में भारी बढ़ोतरी झेल रही है, ट्रैफिक चालान के नाम पर करोड़ों की वसूली हो रही है. अब बिजली बिल पर भी सरचार्ज के नाम पर प्रतिमाह 15 से 20 करोड़ रुपये की उगाही की तैयारी चल रही है. यह साफ तौर पर सरकार की आमजन विरोधी मंशा को उजागर करता है. उन्होंने इसे एक तुगलकी फरमान बताते हुए कहा कि नगर विकास विभाग का यह निर्णय बिना जन-सहमति के लागू किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन है. उदाहरण देते हुए राय ने कहा कि एक सामान्य परिवार जिसका बिजली बिल 2000 आता है, उसे अब 100 अतिरिक्त देना होगा. साल भर में यह 1200 की अतिरिक्त राशि हो जाएगी. लाखों परिवारों पर यह अनावश्यक बोझ डाला जा रहा है, जबकि महंगाई पहले ही चरम पर है. अजय राय ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नगर विकास विभाग की वेबसाइट पर जाकर इस प्रस्ताव के विरुद्ध आपत्ति दर्ज कराएं. अगर हम समय रहते आपत्ति दर्ज नहीं कराएंगे, तो विभाग इसे जनता की मौन स्वीकृति मानकर लागू कर देगा और फिर यह स्थायी भार बन जाएगा.

जीएसटी घोटाला के आरोपी अमित गुप्ता की बेल पर ईडी कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची। 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाला के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी कोलकाता कारोबारी अमित गुप्ता की जमानत याचिका पर मंगलवार को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. मंगलवार को ईडी और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की ओर से बहस की गई. ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की. अमित गुप्ता पर शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फर्जीवाड़े का आरोप है. इस मामले की जांच ईडी कर रही है. इस मामले में अब तक 4 आरोपियों को ईडी ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में शिव कुमार देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई का कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता और मोहित देवड़ा शामिल हैं. फिलहाल सभी आरोपी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में न्यायिक हिरासत में बंद हैं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डॉक्टर्स डे पर डॉक्टर्स और स्वास्थ्यकर्मियों को दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर सभी डॉक्टर्स और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को लिखा है कि आपका समर्पण, मेहनत और सेवाभाव हमारे समाज को स्वस्थ, खुशहाल और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. आपने हर विपदा, हर परिस्थिति में अपने ज्ञान और कौशल से लोगों की रक्षा की है, उन्हें स्वस्थ रखा है. आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार. वहीं दूसरी पोस्ट में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकसभा सांसद और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने लिखा कि भाई अखिलेश यादव को जन्मदिन की ढेरों बधाई, शुभकामनाएं और जोहार मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें, यही कामना करता हूं.

पूर्व पार्षद असलम को बेल देने से कोर्ट का इनकार

रांची। युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोपी पूर्व वार्ड पार्षद मो. असलम को रांची सिविल कोर्ट ने बेल देने से इनकार कर दिया है. कोर्ट ने असलम की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे खारिज कर दी है. असलम ने शनिवार (28 जून) को रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में सरेंडर किया था, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में रखा गया है. बता दें कि असलम के खिलाफ हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र निवासी कलीम ने 23 जनवरी 2025 को प्राथमिकी दर्ज कराया था. जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि 22 जनवरी को मोजाहिद नगर निवासी पूर्व पार्षद व उसके भाईयों ने मिलकर इरशाद उर्फ अप्पू पर जानलेवा हमला किया. जान से मारने की नीयत से उस पर फायरिंग की. प्राथमिकी में बताया गया था कि इरशाद के साथ मारपीट की यह घटना छेड़खानी का विरोध करने की वजह से हुई थी. मारपीट की घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था.

329 शराब दुकानों के हस्तांतरण का काम शुरू

रांची। झारखंड में एक जुलाई से खुदरा शराब दुकानों के हस्तांतरण का काम शुरू हुआ. पहले दिन पूरे राज्य में कुल 329 दुकानों के हस्तांतरण का काम शुरू किया गया. राज्य में शराब घोटाले का पर्दाफाश होने के बाद सरकार ने प्लेसमेंट एजेंसियों से 30 जून के बाद काम लेना बंद करने का आदेश दिया था. नयी उत्पाद नीति लागू करने के लिए राज्य की 1453 खुदरा शराब दुकानों को झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन के हवाले करना जरूरी है. क्योंकि नई नीति में खुदरा शराब की बिक्री के लिए दुकानों के नीलाम करने का प्रावधान किया गया है. फिलहाल राज्य सरकार कॉरपोरेशन के माध्यम से शराब की खुदरा बिक्री कर रही है. सरकार ने कॉरपोरेशन की खुदरा शराब दुकानों को चलाने के लिए टेंडर के सहारे मैन पावर कंपनियों को चुनाव किया था. मैन पावर सप्लाई करने वाली कंपनियों को खुदरा में शराब बेच कर पैसा कॉरपोरेशन के खाते में जमा करना था. लेकिन कुछ कंपनियों ने शराब की बिक्री का पूरा पैसा कॉरपोरेशन के खाते में जमा नहीं किया. कुछ कंपनियों पर बकाया उनके द्वारा दी गयी बैंक गारंटी की राशि से अधिक हो गया है. जबकि कुछ कंपनियों ने फर्जी बैंक गारंट के सहारे की मैन पावर सप्लाई का काम शुरू कर दिया.

खेल घोटाला : आरोपी पीसी मिश्रा नहीं जा सकेंगे यूरोप

रांची। रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने 34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले के आरोपी पूर्व खेल निदेशक पीसी मिश्रा की पासपोर्ट रिलीज करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है. कोर्ट के इस आदेश से पीसी मिश्रा को बड़ा झटका लगा है. कोर्ट द्वारा पासपोर्ट रिलीज नहीं करने का आदेश पारित होने के बाद अब पीसी मिश्रा विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे. पीसी मिश्रा ने यूरोप समेत अन्य देशों के भ्रमण के लिए पासपोर्ट रिलीज करने का आग्रह किया था. लेकिन कोर्ट ने उनके आग्रह को स्वीकार नहीं किया.

जैक बोर्ड ने 11वीं का रिजल्ट किया जारी लिंक पर क्लिक कर देख सकते हैं परिणाम

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने 11वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है. परीक्षा में शामिल छात्र अब अपना रिजल्ट जैक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं. रिजल्ट चेक करने के लिए छात्रों को रोल नंबर और रोल कोड की जरूरत होगी.

ऐसे करें रिजल्ट चेक: सबसे पहले जैक की ऑफिशियल वेबसाइट [jacresults.com] (https:// jacresults.com) या [jac.jharkhand. gov.in](https://jac. jharkhand. gov.in) पर जाएं. "Class XI Examination – 2025" वाले लिंक पर क्लिक करें. अपना रोल कोड और रोल नंबर भरें. सबमिट करते ही स्क्रीन पर रिजल्ट दिखाई देगा. चाहें तो उसका प्रिंट आउट भी निकाल सकते हैं.जैक बोर्ड ने 11वीं की परीक्षा इस बार 20 मई से 22 मई 2025 के बीच 2 पालियों में आयोजित की थी. पहली पाली सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से हुई थी. इस परीक्षा में करीब 3.50 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे. 11वीं की बोर्ड परीक्षा पांच विषयों में हुई थी, और यह पूरी तरह ओएमआर शीट पर आधारित थी. पास होने के लिए छात्रों को कम से कम 4 विषयों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है. साथ ही स्कूल स्तर पर आंतरिक मूल्यांकन भी किया गया था, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित थे.

रिजल्ट चेक करने के लिए वेबसाइट्स:
jac.jharkhand .gov.in](https://jac.jharkhand.gov.in)
jac.nic.in](https://jac.nic.in)
jacresults.com](https://jacresults.com)

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 02 जुलाई 2025 I आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07, संवत 2082 I रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 85 I मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

400 करोड़ की सौगात: कल से रातू एलिवेटेड फ्लाईओवर हो जाएगा चालू

शुभम संदेश। रांची

राजधानीवासियों को ट्रैफिक जाम से राहत देने वाला रातू रोड फ्लाईओवर अब जनता को समर्पित होने जा रहा है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 3 जुलाई को इस बहुप्रतीक्षित फ्लाईओवर का लोकार्पण करेंगे. इसके साथ ही रांची क्षेत्र की अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया जाएगा.

यह जानकारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय से जारी पत्र में दी गई है.

क्षेत्रीय पदाधिकारी मुकुंद टी अत्तारडे द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि यह कार्यक्रम 3 जुलाई 2025 को पिस्का मोड़ स्थित ओटीसी ग्राउंड में आयोजित होगा. इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे. पत्र के अनुसार, झारखंड राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी कई विकास योजनाएं चल रही हैं. इन्हीं में से कुछ को इस अवसर पर राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा जबकि कुछ का शिलान्यास किया जाएगा. एनएचएआई ने संबंधित विभागों और पदाधिकारियों से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसे गरिमा प्रदान करने की अपील की है. गौरतलब है कि रातू रोड फ्लाईओवर लंबे समय से निर्माणाधीन था. इसके चालू हो जाने से रांची शहर के पश्चिमी हिस्से में यातायात का दबाव काफी हद तक कम होगा और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी. करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से बने इस फ्लाईओवर से राजधानी के ट्रैफिक सिस्टम में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है. इस सिलसिले में मंगलवार को रांची सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रेसवार्ता कर उद्घाटन की तैयारियों और रांची की मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की.

नितिन गडकरी दोपहर 2 बजे पहुंचेंगे रांची

इस बीच, संजय सेठ ने बताया कि नितिन गडकरी 3 जुलाई को सुबह 8 बजे दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 2 बजे रांची पहुंचेंगे. उनका स्वागत एयरपोर्ट पर आदिवासी परंपरा के अनुसार किया जाएगा. इसके बाद वे बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देंगे और फिर अड़गोड़ा, हरमू चौक होते हुए रातु फ्लाईओवर के उद्घाटन स्थल पर पहुंचेंगे. संभावना है कि कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 11 बजे किया जाएगा, हालांकि बारिश को देखते हुए समय में बदलाव संभव है.

रांची नगर निगम पर बरसे रक्षा राज्यमंत्री

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची नगर निगम की कार्यशैली पूरी तरह फेल हो चुकी है. बारिश में नालियां तलाब बन गईं और बड़े नाले नदी की शक्ल ले चुके हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम अब बिजली बिल पर 5 प्रतिशत टैक्स लगाने की तैयारी में है, जो जनता की जेब पर सीधा बोझ है. पहले जिनका बिजली बिल 200 रुपये आता था, वह 4000 हो गया. उन्होंने रांची समेत सिल्ली और ईचागढ़ क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की बदहाली पर नाराजगी जताई. बिजली आपूर्ति कर नहीं पा रहे हैं और ऊपर से टैक्स लगा रहे हैं.

रांची की सूरत बदल रही है

संजय सेठ ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं से रांची की सूरत बदल रही है. पहले जहां जमशेदपुर, पलामू, लोहरदगा जाने में 5-6 घंटे लगते थे, अब वही दूरी एलिवेटेड सड़कों की मदद से काफी कम हो गई है.

ब्रीफ न्यूज

चिकित्सा प्रभारी 4 हजार घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

हजारीबाग। जिले के बरही प्रखंड के चिकित्सा प्रभारी डॉ. सतीश कुमार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक डॉ. सतीश कुमार एक व्यक्ति से किसी काम के एवज में रिश्वत मांग रहे थे. परेशान होकर संबंधित व्यक्ति ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत की जांच के बाद एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए डॉ. कुमार को रिश्वत लेते हुए पकड़ा. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम उन्हें अपने साथ ले गई और पूछताछ शुरू कर दी है. इस कार्रवाई से चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया है.

विस्थापन के खिलाफ आदिवासियों ने किया हथियारबंद जनप्रदर्शन

जमशेदपुर। दलमा से आदिवासियों और परंपरागत वननिवासियों को उजाड़ने के विरोध में मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष दलमा क्षेत्र ग्राम सभा सुरक्षा मंच (कोल्हान) के नेतृत्व में हथियारबंद विशाल जनप्रदर्शन किया गया. प्रदर्शनकारी पारंपरिक तीर-धनुष, लाठी, भाला लेकर पहुंचे। यह विरोध दलमा को इको-सेंसिटिव जोन घोषित कर हजारों परिवारों के पुश्तैनी घरों को ध्वस्त करने की सरकारी योजना के खिलाफ था. पटमदा, चांडिल, बोड़ाम, डिमना, पारडीह, गालूडीह, घाटशिला और मुसाबनी समेत कोल्हान के सुदूर क्षेत्रों से हज़ारों ग्रामीण अंबागान मैदान में जुटे.

हाईवा और कार में टक्कर बुजुर्ग महिला की हुई मौत

रामगढ़। रामगढ़ बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर कोठार ओवर ब्रिज के पास हाईवा और कार में जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार पर सवार 60 वर्षीया महिला शालू देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. कार पर सवार अनुज करमाली और रामदेव लोहरा को भी गंभीर चोटे आई हैं। कार पर सवार सभी लोग रामगढ़ थाना क्षेत्र के कैथा गांव के ही रहने वाले थे। व अपने घर से निकलकर रजरप्पा की तरफ जा रहे थे. इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे हाईवा जेएच 02 एडब्ल्यू 2789 ने उनकी अल्टो कार जेएच 24 जे 7024 को जोरदार टक्कर मार दी. इस मामले में हाईवे के चालक के खिलाफ मंगलवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

पुल की रेलिंग तोड़ बराकर नदी में गिरा मालवाहक

चार घंटे तक बाढ़ में फंसा रहा चालक

शुभम संदेश। गिरिडीह

डुमरी-गिरिडीह पथ पर एक बड़ी घटना घटी है. यहां बराकर नदी के पुल का रेलिंग तोड़ते हुए एक मालवाहक 40 फीट नीचे जा गिरा. वाहन के गिरने के बाद चालक किसी तरह से मालवाहक के टायर के ऊपर आ गया और लगभग चार घंटे तक नदी की तेज धार में फंसा रहा. हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस की सजगता और स्थानीय किशोर और युवकों की दिलेरी के कारण चालक की जान बच गई. घटना मुफ्फसिल थाना इलाके के बराकर की है.

बारिश से खोया नियंत्रण, गाड़ी नदी में गिरी : घटना को लेकर कोडरमा के जयनगर थाना इलाके के काठाडीह बस्ती निवासी वाहन चालक अकील नवाज खाना ने बताया कि सोमवार रात को वह ट्रेलर पर पाइप लादकर जा रहा था. रात लगभग 1:15 से 1:30 बजे उनके वाहन का टायर फिसल गया और ट्रेलर रेलिंग तोड़कर नीचे नदी में जा गिरा. इस बीच वह किसी तरह ड्राइवर सीट से बाहर निकलकर टायर पर जा चढ़ा. फिर बचाने की गुहार लगाने लगा लेकिन अंधेरा होने के कारण कोई सामने नहीं आ रहा था.

सूचना पाकर एक्टिव हुई पुलिस

इधर बताया गया कि लगभग रात ढाई बजे के आसपास किसी ने 100 डायल पर घटना की सूचना दी. सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो, अवर निरीक्षक गौतम कुमार के साथ थाना की पूरी टीम मौके पर पहुंची और चालक को बाहर निकालने में जुट गए. चूंकि नदी में बाढ़ आयी है, ऐसे में एनडीआरएफ को सूचित करने का निर्णय लिया गया. इस बीच उजाला हुआ तो नदी में मछली मारने वाले मछुआरे सामने आए, जिन्होंने रात में 100 डायल में सूचना दी थी. इनलोगों ने बताया कि उनकी नजर ही इस घटना पर पहले पड़ी थी. बाद में जितेंद्र कुमार राय, आशीष कुमार राय, अरबाज समेत कुल पांच लोग नदी की धार में उतरे और चालक को बाहर निकाला.

टॉर्च ने बचायी जान : चालक ने बताया कि इस बीच नदी की दूसरी तरफ से किसी ने टॉर्च की लाइट दिखायी. चूंकि वाहन से बाहर निकलने के दरमियान उसने भी टॉर्च निकाल लिया था तो उसने भी टॉर्च मारा. इसके थोड़ी देर बाद पुल पर उसके साथी भी पहुंच गए और रस्सा फेंककर उसे सहारा दिया. फिर पुलिस पहुंची और स्थानीय युवकों के साथ मिलकर उसे बाहर निकाला.

लड़की को छेड़ना मनचले को पड़ गया भारी, पहुंचा थाने

शुभम संदेश। रामगढ़

रामगढ़ शहर के नईसराय में एक मनचले को नाबालिक लड़की के साथ छेड़खानी करना भारी पड़ गया. उसकी इन हरकतों से न सिर्फ स्थानीय लोगों ने उसकी पिटाई की बल्कि वह हवालात की हवा भी खाने खाने पहुंच गया. रामगढ़ थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि नईसराय में एक स्कूल की छात्रा के साथ उसके पड़ोस का ही युवक

पियूष छेड़खानी करता था. स्कूल से आते-जाते वक्त अक्सर वह उसपर टिप्पणी करता था और छेड़छाड़ करता था. इस हरकत से परेशान होकर वह लड़की अपने घर में दुबक चुकी थी.

पीयूष ने अपनी हरकतों को यहीं तक सीमित नहीं रखा. उसने किसी तरीके से लड़की के घर का नंबर जुगाड़ किया और उसे पर लगातार फोन करने लगा. लड़की और उसके परिजनों ने पीयूष को कई बार मना किया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था.

सोमवार की रात पीयूष उस लड़की के घर के बाहर पहुंचा और उसे लगातार फोन करने लगा. स्थानीय लोगों ने उसकी इस हरकत को देखा, तो आक्रोशित हो गए. लोगों ने उसे पकड़ा और इसकी खबर पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने उस युवक को हिरासत में लिया और थाने ले आई. पीड़िता के परिजनों ने इस मामले में थाने में आवेदन दिया है, पुलिस उस आधार पर कार्रवाई कर रही है.

टैंकर से प्रोपलीन गैस रिसाव बहरागोड़ा-बारिपदा मार्ग बंद

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा-बारिपदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जामशोला के समीप मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई. जब जिओ पेट्रोल पंप के पास खड़े एक प्रोपलीन गैस से भरे टैंकर में अचानक रिसाव होने की सूचना मिली. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया और तुरंत आवश्यक सुरक्षा कदम उठाए गए. उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर प्रशासन ने एहतियातन घटनास्थल के चारों ओर बैरिकेडिंग कर इलाके की घेराबंदी कर दी है. साथ ही किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए बहरागोड़ा-बारिपदा एनएच मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है. प्रशासन ने बताया कि गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम मौके पर तैनात की गई है, जो लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है.

चतुर्थवर्गीय बहाली पर विवाद, अभ्यर्थियों ने सीएम को सौंपा ज्ञापन, मंत्री से की बात

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

जिला समाहरणालय समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में चतुर्थवर्ग के 585 रिक्त सीटों पर बहाली के लिए जारी किए गए विज्ञापन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. चयन प्रक्रिया में मैट्रिक, इंटर और स्नातक में प्राप्त हाईएस्ट नंबर के आधार पर चयन की बात सामने आने के बाद कई अभ्यर्थियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है. अभ्यर्थियों ने मंत्री राधाकृष्ण किशोर के सामने अपनी बात रखी है और बहाली प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की. साथ ही अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री सचिवालय जाकर मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन सौंपा है.

बीते साल सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कई नियुक्तियां की गई थीं रद्द

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और अनियमितता के आरोपों के चलते सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कई नियुक्तियां रद्द कर दी गई थीं. इसके बाद से समाहरणालय समेत कई विभागों में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है.

मंत्री ने सीएम से मुलाकात कर बहाली प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की : मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री से मुलाकात कर बहाली प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की. इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बहाली प्रक्रिया पर रोक लग सकती है. हालांकि लगातार डॉट इन के संवाददाता ने जब इस संबध में पलामू डीडीसी से बात की तो उन्होंने बताया कि अभी तक नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाने को लेकर कोई आदेश नहीं मिला है. इसके विपरीत, सैकड़ों अभ्यर्थियों ने आवेदन जमा कर दिए हैं और मेदिनीनगर के मुख्य डाकघर में प्रतिदिन लंबी कतारें देखी जा रही हैं.

साइबर ठगी का शिकार हुए विधायक शशिभूषण मेहता

फॉर्च्यूनर का झांसा देकर ठगे 1.27 लाख रुपए

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पांकी विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता साइबर ठगी का शिकार हुए हैं. गाड़ी की नीलामी में भाग लेने का झांसा देकर साइबर ठग ने विधायक से 1.27 लाख रुपये की ठगी कर ली है. विधायक डॉ मेहता ने साइबर थाना में तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में विधायक डॉ मेहता ने कहा है कि वे लोकसभा की प्राक्कलन समिति की बैठक में शामिल होने के लिए मुंबई गए थे. 26 जून की सुबह करीब 9 बजे उनके नंबर पर रितेश नाम के एक शख्स का कॉल आया. उसने खुद को जीएसटी अधिकारी बताते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के मालदा में जब्त गाड़ियों की नीलामी हो रही है. उसने विधायक को व्हाट्सएप पर गाड़ियों की तस्वीरें भेजने के साथ ही फॉर्च्यूनर गाड़ी की कीमत 12.70 लाख रुपये बताई. रितेश ने कहा कि नीलामी में भाग लेने के लिए 10 प्रतिशत एडवांस देना होगा. इसके बाद रितेश ने अनूप नाम के किसी व्यक्ति का नंबर दिया, जिससे संपर्क करने पर उसने आकाश सिन्हा का बैंक खाता नंबर शेयर किया. विधायक ने अपने निजी सहायक सरोज कुमार चटर्जी से उसके अकाउंट में 1.27 लाख ट्रांसफर करवा दिया. पैसे देने के बाद ठगों ने उन्हें एक फर्जी रसीद भी भेज दी और फिर मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया. बाद में जब विधायक का रितेश से संपर्क नहीं हो पाया, तो उन्होंने साइबर थाना में रितेश कुमार, अनूप कुमार और आकाश सिन्हा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है.

जेवर व्यवसायी से डेढ़ किलो सोना और 50 हजार रु नकद लूट मामले में दो गिरफ्तार

शुभम संदेश। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिले के झारखंड और बंगाल सीमा से सटे चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र में सोमवार पुराना बाजार स्थित प्राप्ति ज्वेलर्स के मालिक अरुण नंदी से तीन हथियारबंद बदमाशों ने उनके घर के बाहर पिस्तौल और चाकू की नोंक पर डेढ़ किलो सोना के गहने और 50 हजार रुपए नगद से भरा बैग लूट लिया. यह पूरी वारदात मिस्त्री पाड़ा स्थित उनके आवासीय परिसर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. पुलिस ने इस लूटकांड का खुलासा जामबनी थाना पुलिस के सहयोग से महज 24 घंटे से पहले मंगलवार को कर दिया. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए औरंगाबाद (बिहार) के रफीकगंज निवासी मो. रफीक और जमशेदपुर के बागबेड़ा

निवासी निरंजन गौड़ को गिरफ्तार कर लिया. लूटे गए डेढ़ किलो सोने के जेवरात भी बरामद कर लिए गए हैं. तीसरे आरोपी की तलाश अभी जारी है. गिरफ्तार दोनों अपराधियों को चाकुलिया थाना लाया गया है, जहां पुलिस उनसे गहन पूछताछ कर रही है. जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब नौ बजे अरुण नंदी दुकान बंद कर स्कूटी से सोने के जेवर और रुपये से भरा बैग लेकर घर लौटे थे. जैसे ही वह मुख्य गेट पर पहुंचे, पहले से घात लगाए तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया. एक बदमाश मुख्य गेट के पीछे छिपा था, दूसरा दरवाजे के पास खड़ा था और तीसरा बाइक स्टार्ट हालत में मुख्य सड़क पर इंतजार कर रहा था. स्कूटी रुकते ही एक बदमाश ने उनके गले पर चाकू सटा दिया, जबकि दूसरे ने पिस्टल निकाल कर उनकी कनपटी पर सटा दी और धमकी देने लगा. छीना-झपटी के दौरान अरुण नंदी स्कूटी समेत गिर पड़े. इसी बीच बदमाश उनके बैग को लूट कर मौके से फरार हो गए. घटना के दौरान सड़क किनारे खड़े एक युवक ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की, लेकिन पिस्टल दिखाकर बदमाशों ने उसे जान से मारने की धमकी दी, जिसके बाद वह पीछे हट गया. तीनों बदमाश लूटपाट कर पश्चिम बंगाल की ओर भाग निकले थे.

मंत्री सुदिव्य कुमार पहुंचे क्यूरेस्टा अस्पताल

हॉकी खिलाड़ी बिमल लकड़ा की हालत स्थिर, आईसीयू में

शुभम संदेश। रांची

पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी बिमल लकड़ा की हालत स्थिर है. उन्हें सोमवा को सिर में गंभीर चोट लगने के बाद सिमडेगा से रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा है. विमल लकड़ा अपने घर में बेहोश होकर गिर गए थे, जिसके बाद पहले सिमडेगा में प्राथमिक उपचार किया गया था, हालांकि उनकी हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत बेहतर इलाज के लिए रांची के दीपा टोली स्थित क्यूरेस्टा हॉस्पिटल रेफर किया, जहां न्यूरो सर्जन डॉ संजय कुमार और डॉ पैट्रिक प्रबोध मिंज की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है.

बिना सर्जरी ठीक हो सकती है चोट : डॉ. संजय

डॉ संजय कुमार ने बताया कि जब बिमल लकड़ा को क्यूरेस्टा हॉस्पिटल में लाया गया था, तब उनकी स्थिति गंभीर थी और काफी खून निकल गया था .लेकिन हमने उन्हें स्टेबल किया और फिर उनकी चोट की ठीक तरीके से जांच करने बाद उनका इलाज शुरू किया. अभी उनकी स्थिति ठीक हो रही है, लेकिन शरीर में कमजोरी है जो धीरे-धीरे ठीक होगी. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इलाजरत पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विमल लकड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफ़ान अंसारी को निर्देश दिया कि इलाजरत पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा को हर जरूरी चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करवाते हुए हुए उन्हें सूचित करें. मुख्यमंत्री ने एक्स में माध्यम से उनके परिवार को भरोसा दिलाया कि इलाज में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी .मुख्यमंत्री सोरेन ने मंत्री सुदिव्य कुमार को निर्देश दिया था कि वे अस्पताल जाकर इलाजरत पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री विमल लकड़ा से मुलाक़ात करें. मंत्री सुदिव्य कुमार ने एक्स के माध्यम से बतलाया कि उन्होंने पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल लकड़ा एवं उनकी पत्नी से मुलाक़ात की. उन्होंने डॉ. संजय से बिमल लकड़ा के स्वास्थ्य एवं इलाज की स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिया कि उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए.

झारखंड के 19 जिलों में सामान्य से अधिक और पांच जिलों में कम हुई बारिश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के 19 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है. जबकि राज्य के पांच जिलों में अब तक सामान्य से कम बारिश रिकॉर्ड की गई है. मौसम विभाग के एक से 30 जून तक हुई बारिश के आंकड़ों के अनुसार बोकारो में सामान्य से 69 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है. वहीं जिन अन्य 18 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई उनमे चतरा में 134, धनबाद 63, दुमका 29, पश्चिम सिंहभूम 158, गिरिडीह 13, गुमला 63, हजारीबाग 57, जामताड़ा 25, खूंटी 88, कोडरमा नौ, लोहरदगा 103, पलामू 108, रामगढ़ 147, रांची 204, सरायकेला-खरसावां 146, सिमडेगा 88 और पश्चिमी सिंहभूम में 91 प्रतिशत सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई.

वहीं राज्य के उन जिलों में जहां अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है उनमें देवघर 29, गढ़वा आठ, गोड्डा 30, पाकुड़ 21 और साहिबगंज 13 प्रतिशत शामिल है. वहीं, मंगलवार को रांची और आसपास के इलकों में सुबह से बारिश होती रही. लगातार बारिश के चलते बच्चों को स्कूल जाने और अन्य लोगों के अन्य गतिविधियों में काफ़ी परेशानी हुई. मौसम विभाग ने छह जुलाई तक राज्य के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश होने की सम्भावना व्यक्त की है. वहीं पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पूर्वी सिंहभूम के बोड़ाम में 143.2 मिमी रिकॉर्ड की गई. मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.5, जमशेदपुर में 27.4, डालटेनगंज में 31.6, बोकारो में 30.2 और चाईबासा में 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया.

सावधानी मंत्री इरफान अंसारी ने सभी विधायकों और मंत्रियों को लिखा पत्र

आपदा से प्रभावित लोगों को लेकर सरकार अलर्ट

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में बीते कई दिनों से लगातार हो रही अतिवृष्टि (भारी से अत्यधिक भारी बारिश) से राज्य के कई जिलों में आम जन- जीवन प्रभावित हुआ है. ऐसे में राज्य के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य के सभी विधायकों और मंत्रियों को एक पत्र लिखा है. इस पत्र में आपदा प्रबंधन मंत्री ने सभी मंत्रियों और विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र में तत्काल राहत कार्यों की निगरानी और सक्रिय भागीदारी की अपील की है. मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण जनमानस और संपत्ति की जो क्षति हुई है, उसका त्वरित

आकलन कर राज्य सरकार तक रिपोर्ट भेजना अति आवश्यक है ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके. उन्होंने सभी विधायकों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने जिला उपायुक्तों और प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ आपात बैठक आयोजित कर भारी बारिश से हुई क्षति का समुचित सर्वेक्षण कराए. साथ ही इसकी विस्तृत रिपोर्ट झारखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग को तत्काल भेजें. मंत्री इरफान अंसारी ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए कृतसंकल्पित है. इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं की जाएगी. आपदा की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और संवेदनशीलता ही जनता के विश्वास को मजबूत करेगी. उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे राहत और पुनर्वास कार्यों में पूरी तन्मयता से भाग लेंगे ताकि राज्य के प्रभावित नागरिकों को त्वरित सहायता दी जा सके.

मंत्री बोले- अंग्रेजों से भी ज्यादा खतरनाक है आज की भाजपा

मंत्री इरफान अंसारी ने हूल दिवस को लेकर भाजपा और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोला है. इरफान अंसारी ने कहा कि अंग्रेजों से भी ज्यादा खतरनाक है आज की भाजपा. जो हमारे संविधान, लोकतंत्र और आदिवासी अस्मिता को कुचलना चाहती है. सिदो-कान्हू ने 1855 में अंग्रेजों के खिलाफ हूल किया था. अब वक्त आ गया है कि जनता भाजपा के खिलाफ नया हूल आंदोलन शुरू करें. उन्होंने आगे कहा कि जो लोग सत्ता में बैठकर गरीब, आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यकों का हक छीनते हैं, वे आजादी के दुश्मन हैं.

डॉक्टर्स डे पर इनर व्हील क्लब ने रक्तदान शिविर लगाया

प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ एचपी नारायण को सम्मानित किया

रांची । डॉक्टर्स डे पर इनर व्हील क्लब ने मंगलवार को रक्तदान शिविर लगाया. यह रक्तदान शिविर सदर हॉस्पिटल के डॉक्टरों के सहयोग से कचहरी चौक में लगाया गया. मौके पर शहर के प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ एचपी नारायण को भी सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम का आयोजन क्लब की अध्यक्ष सोमा भादुड़ी के नेतृत्व में किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में नीता नारायण, अंबुजा, सारण, रीता वर्मा, डोली दुबे , कामिनी प्रसाद, मीना सहाय, पदमा बांका, शालिनी सिंह, अनिता जायसवाल, नीता शेखर, देवयानी सान्याल, दीपा चौहान सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने योगदान दिया.

सावन माह की शुरुआत 11 जुलाई से

शुभम संदेश। रांची

भगवान भोलेनाथ के प्रिय माह सावन की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है. 10 जुलाई आषाढ़ पूर्णिमा और 11 जुलाई से श्रावण कृष्ण प्रतिपदा माह में गुरु आदित्य योग के शुभ संयोग में शिव आराधना की शुरुआत होगी. इस बार सावन में चार सोमवार का संयोग बन रहा है. 9 अगस्त को स्नानदान की पूर्णिमा और रक्षाबंधन के साथ इस पावन माह का समापन आयुष्मान और सौभाग्य योग के साथ होगा. इस संबंध में मंगलवार को पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है. इस बार सावन में 4 सोमवारी पड़ रही है. प्रथम सावन सोमवार व्रत 14 जुलाई, दूसरा 21 जुलाई, तीसरा 28 जुलाई और चौथा सावन सोमवार व्रत 4 अगस्त को है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष सावन माह में दुर्लभ संयोग बन रहा है. सावन माह के दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, शिव योग जैसे शुभ योगों का संयोग बन रहे हैं. इस साल कुल 4 सावन सोमवार पड़ रहे हैं. सावन के महीने में हर दिन विशेष रूप से सावन सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा-उपासना करने से जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. इस माह में कुछ खास व्रत भी किया जाता है. इसमें हरियाली अमावस्या, हरियाली तीज, नाग पंचमी, कामिका एकादशी, सावन पुत्रदा एकादशी, रक्षाबंधन, श्रावण पूर्णिमा है. उन्होंने बताया कि श्रावण के महीने में भगवान शंकर की विशेष रूप से पूजा की जाती है. इस दौरान पूजन की शुरुआत महादेव के अभिषेक के साथ की जाती है. अभिषेक में महादेव को जल, दूध, दही, घी, शक्कर, शहद, गंगाजल, गन्ना रस से स्नान कराया जाता है. अभिषेक के बाद बेलपत्र, समीपत्र, दूब, कुशा, कमल, नीलकमल, ऑक मदार, जंवाफूल कनेर, राई फूल से शिवजी को प्रसन्न किया जाता है. इसके साथ ही भोग के रूप में धतूरा, भांग और श्रीफल महादेव को चढ़ाया जाता है.

एक नजर

सरला बिरला विश्वविद्यालय में एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में मंगलवार को ' फ्रॉम इनोवेशन तो ऑनरशिप : अंडरस्टैंडिंग इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स ' विषय पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया. इसमें बोलते हुए भारत सरकार के पेटेंट डिजाइन और ट्रेडमार्क के नियंत्रक जनरल के साथ पंजीकृत पेटेंट एजेंट देव प्रिया ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) के अकादमिक जगत में उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने इसके प्रकार, कॉपीराइट, प्लांट वेरायटी प्रोटेक्शन, ले आउट डिजाइनिंग एवं इंटीग्रेटेड ज्योग्राफिकल इंडिकेशन के विषय में भी बताया. साथ ही पेटेंट फाइल करने के तौर तरीकों और समयावधि के बारे में उपस्थित श्रोताओं को जानकारी दी.कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया. एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन समेत विवि के अन्यान्य शिक्षक कार्यक्रम में शामिल हुए. सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है.

रोटरी क्लब ऑफ रांची का रक्तदान सह हेल्थ चेकअप कैंप, 81 यूनिट रक्त संग्रह

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची और एनएसएस विंग डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को रक्तदान शिविर सह हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन क्लब के वरिष्ठतम पूर्व अध्यक्ष भंडारी लाल व पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनिल सिंह ने संयुक्त रूप से किया. रोटरी क्लब ऑफ रांची के नए सत्र के पहले दिन डीएसपीएमयू कैंटीन परिसर, मोराहबादी में रक्तदान सह स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 81 यूनिट रक्त एकत्र किया गया. इसके अलावा शिक्षकों के लिए हेल्थ चेकअप कैंप का भी आयोजन किया गया. शिक्षकों का ब्लड प्रेशर, शुगर जांच कर उन्हें डॉक्टरों ने उचित परामर्श दिया. शिविर को सफल बनाने में रोटरी क्लब ऑफ रांची के नए अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव डॉ भावना तनेजा, राजीव मोदी, दीपक श्रीवास्तव, हरमिंदर सिंह, विनय छापरिया, अभय कृष्णा, अजय दीप वाधवा, रमेश धरणीधारका, रश्मि अग्रवाल, गौरव बागरॉय, गिरीश, आस्था, श्वेता सहित अन्य सदस्यों ने योगदान दिया. यह शिविर एनएसएस यूनिट, डीएसपीएम यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई.

रांची में दस्त रोकथाम का अभियान शुरू बच्चों को मिलेगा ओआरएस और जिंक

रांची। सिविल सर्जन कार्यालय रांची में मंगलवार को दस्त रोकथाम अभियान की शुरुआत हुई. यह अभियान 1 जुलाई से 14 अगस्त 2025 तक चलेगा. कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, डीटीओ डॉ. एस. बास्की, डीपीएम प्रवीण कुमार, डीपीसी प्रीति चौधरी और कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे.सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि पांच साल से छोटे बच्चों में डायरिया एक बड़ी बीमारी है और इससे हर साल कई बच्चों की जान चली जाती है. लेकिन सही समय पर इलाज और देखभाल से इन मौतों को रोका जा सकता है. जब भी बच्चे को डायरिया हो, तो उसे ओआरएस का घोल, जिंक की गोली और भरपूर पोषण देना चाहिए. अभियान के तहत सहिया दीदी घर-घर जाकर पांच साल तक के बच्चों को जरूरत के हिसाब से ओआरएस और जिंक की गोली देंगी. सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस और जिंक कॉर्नर बनाए गए हैं, जहां लोग मुफ्त में ये दवाएं ले सकते हैं.साथ ही, सहिया दीदी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका भी सिखाएंगी, ताकि डायरिया जैसी बीमारियों से बचा जा सके.

मुख्य सचिव से मिला मारवाड़ी युवा मंच का प्रतिनिधिमंडल

रांची। मारवाड़ी युवा मंच के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी से झारखंड प्रवास के दौरान मंगलवार को शिष्टाचार भेंट की. बताया गया कि मुलाकात का उद्देश्य मंच की ओर से दिल्ली में निर्माणाधीन युवा भवन की प्रगति की जानकारी देना. तथा संगठन की जनहितकारी गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर संवाद स्थापित करना था. मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन ने बताया की पारसनाथ प्रवास के दौरान झारखंड प्रांतीय की अगुवाई में मुलाकात कर राज्यहित में बातों को रखा गया है. अध्यक्ष ने बताया कि मुख्य सचिव को मंच की राष्ट्रव्यापी सामाजिक, रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी और युवाओं की भागीदारी पर प्रकाश डाला. उन्होंने युवा भवन के निर्माण से जुड़ी योजनाओं और प्रांतीय स्तर की भावी पहलों को साझा किया. उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव अलका तिवारी ने मंच की सामाजिक सेवा में सक्रियता की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया है. राज्य हित में मंच की भूमिका को उपयोगी बताते हुए भविष्य में हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया. मुख्य सचिव से मुलाकात करने के दौरान मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव मोहित नाहटा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया और प्रांतीय टीम से श्वेता जालान मौजूद थे.

पेंशन दरबार में सेवानिवृत हुए शिक्षकों को दिया गया सभी लाभ

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में पेंशन दरबार-सह-सेवा निवृति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस मौके पर उपायुक्त ने सेवानिवृत हुए कुल सात शिक्षकों को मोमेंटो और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. उल्लेखनीय है कार्यक्रम में सेवानिवृत हो रहे शिक्षकों को उनके सेवानिवृत्ति के ही दिन सेवानिवृत्ति के सभी लाभ दे दिया गया. सेवानिवृत्तक हुए शिक्षकों में शबनम सबा, सशि स्नातक प्रशिक्षित (सामाजिक विज्ञान) पीएमश्री रामवि, बरियातु, इंदु कुजूर, सशि राप्रावि हुडिंगदाग, नामकुम, सुकरा उरांव, सशि रामवि गुडूबाजपुर, रातू, आभा मिंज, राशि रामवि राजाडेरा, अनगड़ा, शकील अहमद, सशि रामवि मन्दरो, ओरमांझी, विजय कुमार एक्का, सहायक शिक्षक, फातिमा बाल मध्य विद्यालय, हुलहुण्डू और अनिल कुमार लाल, प्रधानाध्यापक, क्षितीश मूक बधिर मध्य विद्यालय निवारणपुर, डोरंडा शामिल हैं.

मानसिक स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रांची। अनुमंडल कार्यालय, सदर, रांची में टेली मानस झारखंड टीम की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया. यह कार्यक्रम टेली मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवा (टली मेंटल हेल्थ काउंसिलिंग सर्विस) के अंतर्गत आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल तनाव, कार्य-जीवन संतुलन, मानसिक समस्याओं की पहचान और टेली-मानस की कार्यप्रणाली से कर्मचारियों को अवगत कराना था. कार्यशाला में अनुमंडल कार्यालय के प्रशासनिक और सहायक स्टाफ शामिल हुए.

558 करोड़ की सौगात पीएम मोदी ने दी, इसे स्वच्छ और सुंदर रखना नागरिकों की जिम्मेदारी

रातू रोड की जाम की समस्या का समाधान, गडकरी के आशीर्वाद से पूरा हुआ रांचीवासियों का सपना

▸▸ कल केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का ऐतिहासिक स्वागत करेंगे राजधानीवासी

▸▸ नगर निगम नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराए, सिर्फ वसूली का केंद्र नहीं बने : संजय सेठ

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के रातू रोड पर नवनिर्मित एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन तीन जुलाई को होगा. केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण रांचीवासियों का वर्षों पुराना सपना था, जो अब पूरा हो गया है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 558 करोड़ की लागत से बनी इस परियोजना से रांची को जाम की समस्या से राहत मिलेगी.उन्होंने कहा कि अब यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि इस कॉरिडोर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखें. सांसद सेठ ने जनता से अपील की कि 03 जुलाई को सुबह 11 बजे ओटीसी ग्राउंड में होने वाले लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में शामिल होकर नितिन गडकरी का ऐतिहासिक अभिनंदन करें.

बिजली बिल पर पांच प्रतिशत सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव दुर्भाग्यपूर्ण : उन्होंने नगर निगम और राज्य सरकार पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बिजली बिल पर पांच प्रतिशत सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा कि जब नगर निगम पहले ही 39 करोड़ रुपये होल्डिंग टैक्स वसूल चुका है, तो फिर जनता पर अतिरिक्त भार क्यों? विधायक सीपी सिंह ने कहा कि पाइपलाइन और सिवरेज कार्यों के नाम पर रांची की सड़कों को बर्बाद कर दिया गया है, लेकिन कोई जवाबदेही तय नहीं होती. विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि रातू रोड के लोग वर्षों से जाम से परेशान थे. अब गडकरी के आशीर्वाद से उन्हें राहत मिलेगी. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने रांची को भगवान भरोसे छोड़ दिया है और नगर निगम अब 'नरक निगम' बन गया है. इस अवसर पर महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष धीरज महतो और मांडर से भाजपा नेता सन्नी टोप्पो भी उपस्थित थे.

मोहर्रम पर सोशल मीडिया पर नजर ड्रोन से की जाएगी निगरानी : उपायुक्त

शुभम संदेश। रांची

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में मोहर्रम को लेकर मंगलवार को केंद्रीय शांति समिति की बैठक हुई. बैठक में विभिन्न मोहर्रम कमिटि, विभिन्न अखाड़ा और शांति समिति के प्रतिनिधियों ने बारी-बारी से मोहर्रम के मद्देनजर बेहतर व्यवस्था को लेकर अपनी-अपनी बातें रखी. बैठक में साफ-सफाई, सुरक्षा, जुलूस निकाले जाने के समय, रुट, लाइटिंग, एंबुलेंस, अखाड़ों के लाइसेंस जारी करने पर सुझाव देते हुए प्रतिनिधियों ने सांप्रदायिक सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की बात कही.

बेहतर व्यवस्था देने का होगा प्रयास

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि साफ-सफाई, सुरक्षा, जुलूस निकाले जाने के समय, रुट, लाइटिंग, एंबुलेंस, अखाड़ों के लाइसेंस निर्गत करने पर सेन्ट्रल मोहर्रम कमिटि और विभिन्न अखाड़ा समितियों की ओर से जो सुझाव दिये गये हैं, उस पर ध्यान देते हुए प्रशासन की ओर से बेहतर से बेहतर व्यवस्था प्रदान करने का प्रयास किया जायेगा.

छोटी बात को बड़ा न बनने दें : एसएसपी

बैठक में डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि छोटी बात को बड़ा नहीं बनने दें. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में सबसे पहले जानकारी अपने खलीफा दें. अगर मामला नहीं सुलझता है तो थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी और फिर बड़े अधिकारियों को जानकारी दें. उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातें ही बड़ी बन जाती हैं, प्रयास करें कि मामले को तुरंत सुलझा लिया जाये. उन्होंने कहा कि जुलूस समय पर निकले और समय पर वापस आ जाये इसका ध्यान रखें. एसएसपी ने कहा कि पर्व के दौरान ड्रोन से निगरानी रखी जायेगी. उन्होंने धार्मिक स्थलों पर विशेष सतर्कता बरते जाने की बात कही ताकि असामाजिक तत्व अपने मंसूबे में कामयाब न हो.

दिल्ली में हुई संसदीय स्थायी समिति की अहम बैठक में एचईसी के पुनरुद्धार पर सहमति

एचईसी बंद नहीं होगा, फिर से शुरू होगा उत्पादन

- भेल, इसरो, कोल इंडिया समेत कई संस्थाओं से मिलेगा काम

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

देश के प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) को लेकर मंगलवार को दिल्ली में एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक हुई. संसद भवन स्थित एनेक्सी में आयोजित इस बैठक में संसदीय स्थायी समिति ने साफ संकेत दिया कि एचईसी को बंद नहीं किया जाएगा. समिति ने एचईसी में फिर से उत्पादन शुरू करने, कर्मचारियों को नियमित वेतन देने और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों से काम दिलवाने के प्रस्तावों पर सकारात्मक निर्णय लिया. बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने की. इसमें एचईसी के निदेशक मंडल, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन प्रतिनिधि और इसरो, भेल, कोल इंडिया, सेल, रक्षा मंत्रालय और माइंस सेक्टर के अधिकारियों ने भाग लिया.

बैठक में एचईसी की ओर से शामिल हुए वरिष्ठ अधिकारी केएस मूर्ति, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, मनोज लकड़ा, निदेशक (कार्मिक), बीएस गर्ग, निदेशक (उत्पादन), मुकेश कुमार, निदेशक (वित्त), आलोक सिंघल, निदेशक (बिपणन) और भारत सरकार की ओर से कामरान रिज़वी, सचिव, उद्योग मंत्रालय, विजय मिश्रा, संयुक्त सचिव, उद्योग मंत्रालय, यूनियन की ओर से दिलीप कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, शनि कुमार सिंह, आरके शाही, रमाशंकर प्रसाद, पुरमेंदु मिश्रा, एसजे मुखर्जी, प्रकाश कुमार शामिल हुई.

बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई और कुछ पर सहमति भी बनी. एचईसी की मौजूदा परिसंपत्तियों का मूल्य 25,000 करोड़ आंका गया है, जिसे देखते हुए समिति ने साफ किया कि इस संस्थान को बंद नहीं किया जा सकता. यह देश की रणनीतिक जरूरतों के लिए बेहद अहम है.

प्रमुख निर्णय और प्रस्ताव:

- एचईसी में उत्पादन कार्य फिर से शुरू किया जाएगा, वह भी शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में.
- कर्मचारियों का वेतन अब हर महीने नियमित रूप से दिया जाएगा.
- इसके बाद ही अन्य लंबित मांगों पर विचार होगा.
- एचईसी की जमीन को झारखंड सरकार और भारत सरकार को लीज पर देकर बिजली का बिल और बैंक गारंटी के जरिये राजस्व जुटाने का प्रस्ताव.
- 50 सुरक्षा कर्मियों की तत्काल भर्ती होगी, जिससे एचईसी नगर क्षेत्र से भाड़ा वसूली शुरू की जा सके.
- भेल एचईसी को काम और रॉ मटेरियल दोनों देगा, जिसकी शुरुआत हरिद्वार और हैदराबाद यूनिट से की जाएगी.
- इसरो, कोल इंडिया, सेल, रक्षा मंत्रालय और माइंस विभाग से भी कार्यादेश (वर्क ऑर्डर) मिलने की संभावना है.

यूनियन प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लेकर इस बात का भरोसा दिलाया कि वे उत्पादन बहाली और शांतिपूर्ण कार्यसंस्कृति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं. यह भी निर्णय लिया गया कि संसदीय समिति निकट भविष्य में एचईसी का दौरा करेगी ताकि जमीनी स्थिति का आकलन किया जा सके.बैठक के बाद यूनियन प्रतिनिधियों के बाहर निकलने के बाद भी एचईसी निदेशक मंडल, भारत सरकार के सचिवों और अन्य कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच अलग से बैठक हुई, जिसमें पुनरुद्धार की रणनीति पर और गहन चर्चा की गई.

निरीक्षण जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है

उपायुक्त ने समाहरणालय का किया निरीक्षण, साफ-सफाई का दिया निर्देश

शुभम संदेश। रांची

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए में स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय, विशिष्ट अनुभाजन कार्यालय, जिला आपूर्ति कार्यालय, भू-अर्जन कार्यालय और जिला कल्याण कार्यालय, स्थापना कार्यालय, जिला नीलाम पत्र कार्यालय, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था कार्यालय का निरीक्षण किया. इस दौरान अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, जिला नजारत उप समाहर्ता डॉ सुदेश कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी उर्वशी पाण्डेय उपस्थित थे.

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों की कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्य-निष्पादन की स्थिति और परिसर की साफ-सफाई को देखा और कई जरूरी निर्देश दिया. मौके पर उपायुक्त ने परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया. मौके पर उन्होंने सभी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने और जिला प्रशासन की ओर से दिए गए पहचान पत्र को अनिवार्य रूप से धारण करने का निर्देश दिया. यह कदम कार्यालयी अनुशासन को बढ़ावा देने और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है.

जनता की समस्याओं के समाधान का निर्देश

उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारियों को कार्यालयों में कार्यकुशलता बढ़ाने, लंबित कार्यों को जल्द, निपटाने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है और इसके लिए सभी कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करना होगा. उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में स्वच्छता और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया. उन्होंने कर्मचारियों से कार्यस्थल पर सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया, ताकि रांची जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी और जन-उन्मुख हो सके.

रांची रेल मंडल में ट्रेनों को लेकर बड़ा अपडेट

कोचों की संख्या बढ़ी, कई ट्रेनें अस्थाई रूप से रद्द

शुभम संदेश। रांची

रांची रेल मंडल के अंतर्गत यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत और सावधानी दोनों की खबर है. रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, 1 जुलाई 2025 से कुछ प्रमुख ट्रेनों में कोच की संख्या बढ़ा दी है, जबकि विकास कार्यों के कारण कई ट्रेनें निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेंगी या उनके प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है.

इन ट्रेनों का संचालन होगा रद्द

विकास कार्य के मद्देनज़र जुलाई और अगस्त महीने की कई तिथियों में निम्नलिखित ट्रेनें रद्द रहेंगी:

- 18602/18601 हटिया-टाटानगर हटिया एक्सप्रेस
- 58663/58664 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर
- 58665/58666 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर

रद्द रहने की तिथियाँ: 02 से 31 जुलाई एवं 02 से 31 अगस्त के बीच विशेष तिथियों पर

अस्थायीय रूप में हटिया मेमू सेवा में बदलाव

- 13503/13504 वर्द्धमान-हटिया-वर्द्धमान मेमू ट्रेन अब बोकारो स्टील सिटी तक ही चलेगी
- बोकारो से हटिया के बीच परिचालन स्थगित रहेगा

कोच की संख्या में बढ़ोतरी

इन ट्रेनों में अब अधिक स्लीपर कोच उपलब्ध होंगे:

- **18640 रांची-आरा एक्सप्रेस:** 3 जुलाई से स्लीपर कोच की संख्या 5 से बढ़ाकर 6
- **18639 आरा-रांची एक्सप्रेस:** 4 जुलाई से यही बदलाव
- **18619 रांची-गोड्डा एक्सप्रेस:** 1 जुलाई से 9 की बजाय 10 स्लीपर कोच
- **18620 गोड्डा-रांची एक्सप्रेस:** 2 जुलाई से यही बदलाव
- **18611 रांची-बनारस एक्सप्रेस:** 1 जुलाई से 6 की जगह 7 स्लीपर कोच
- **18612 बनारस-रांची एक्सप्रेस:** 2 जुलाई से यही व्यवस्था लागू

ब्रीफ न्यूज

5 जुलाई से संचालित होगी खुदरा शराब दुकानें

मेदिनीनगर। खुदरा शराब दुकानों के संचालन के लिए चयनित मानव बल प्रदाता की सेवावधि 30 जून को समाप्त हो चुकी है. इस बीच विभागीय निर्देशानुसार खुदरा शराब दुकानों में मौजूद शराब के स्टॉक एवं उपस्कर का मानव बल प्रदाता से जेएसबीसीएल के बीच हैंडओवर किया जाना है. यह कार्य 1 जुलाई से शुरू हुआ है और प्रक्रिया की समाप्ति के उपरांत 5 जुलाई से जिले में संचालित सभी खुदरा शराब दुकानें संचालित होंगी. यह जानकारी उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव ने दी. उन्होंने बताया कि जिन दुकानों का हैंडओवर की प्रक्रिया की जाएगी सिर्फ वही दुकानें बंद रहेंगी. अन्य दुकानें खुली रहेंगी.

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पांडू (पलामू)। पांडू प्रखंड के महुगांवां की विवाहित महिला सोनी कुमारी 27 वर्ष ने बीती रात अपने दुपट्टा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. ग्रामीणों से सूचना पाकर पांडू थाना प्रभारी विगेस कुमार राय दल बल के साथ पहुंचे. थाना प्रभारी ने ग्रामीणों और पुलिस कर्मियों के सहयोग से शव को उतारा. पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया गया .थाना प्रभारी का कहना है कि हत्या एवं आत्महत्या पर विशेष करवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किया जाएगा.

करंट की चपेट में आने से मजदूर की हुई मौत

उंटारी रोड (पलामू)। भारतीय रेलवे के तीसरी लाइन की विस्तारीकरण में लगे एक ठेका मजदूर की मौत मंगलवार की सुबह विद्युत करंट की चपेट में आने से उंटारी थाने के फेंकनडीह गांव में हो गयी है. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर अनुसंधान शुरू कर दी है. मृतक मजदूर कार्तिक कुमार महतो(30) किराए के मकान में फेंकन डीह गांव में अपने अन्य साथियों के साथ रहता था.वह मूलतः सिल्ली थाने के बसंतपुर गांव का रहनेवाला बताया जाता है. मृतक मजदूर के साथी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की सुबह उसके आवास के बगल में बहुत शोरगुल हो रहा था. जब वह घटनास्थल पर पहुंचा तो देखा कि कार्तिक महतो वहां अचेत पड़ा हुआ है. ग्रामीणो ने उसे बताया कि करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी है.

एनएसयूआई ने किया प्रभारी प्राचार्य का स्वागत

मेदिनीनगर। छात्र संगठन एनएसयूआई ने जेएस कॉलेज के नवनियुक्त प्रभारी प्राचार्य डॉ अजय कुमार पासवान का मंगलवार को भव्य स्वागत किया गया. स्वागत समारोह में छात्रों ने एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी के नेतृत्व में फूलों का गुलदस्ता, झारखंड की पारंपरिक अंगवस्त्र भेंट किया. साथ ही कॉलेज के शैक्षणिक विकास में उनके योगदान की आशा जताई. प्राचार्य ने कहा कि वह संस्थान की उन्नति और छात्रहित को सर्वोपरि मानते हैं.
उन्होंने सहयोग और अनुशासन के साथ एक सकारात्मक वातावरण बनाने की अपील की. मौके पर एनपीयू विश्वविद्यालय एनएसयूआई छात्र अध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर, ओमप्रकाश त्रिपाठी, हिमांशु सिंह कॉलेज के शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी और छात्र प्रतिनिधि उपस्थित थे.

आठ हजार करोड़ से तैयार होगा रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे

केंद्रीय मंत्री तीन जुलाई को करेंगे उद्घाटन : सांसद

शुभम संदेश ।मेदिनीनगर

करीब 8000 करोड़ की लागत से रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे का फोरलेन का निर्माण कार्य पूरा किया जाना है. रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे पहले नेशनल हाईवे 75 के नाम से जाना जाता था, अब इसका नाम बदलकर नेशनल हाईवे 39 हो गया है. रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य छह अलग-अलग चरणों में किया जाना है.
राष्ट्रीय राजमार्ग का पहले चरण का निर्माण कार्य रांची से कुरु तक पूरा हो गया है. दूसरे चरण का निर्माण कार्य पलामू के शंखा से गढ़वा के खजूरी तक होना है, यह निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है. नेशनल हाईवे 39 को गढ़वा बाइपास के नाम से भी जाना जाता है. केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी तीन जुलाई 2025 को इसका उदघाटन करेंगे.नेशनल हाईवे को लेकर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया. पलामू सांसद ने बताया कि गढ़वा बाइपास का निर्माण पूरा होने से लोगों को बहुत बड़ी जाम की समस्या से निजात मिलेगी. सांसद ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है.
उन्होंने लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अपील की है. सांसद ने बताया कि नेशनल हाईवे 39 का निर्माण कार्य छह चरणों में पूरा किया जाना है. सांसद ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गढ़वा में कार्यक्रम के दौरान कई घोषणाएं करेंगे.
कब तैयार होगा रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे कॉरिडोर : रांची-वाराणसी नेशनल हाईवे का कॉरिडोर छह चरणों में पूरा किया जाना है. पहले चरण में रांची से कुरु तक का कार्य पूरा हो गया है. दूसरे चरण में शंकर से खजूरी का निर्माण कार्य 1129.28 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है. तीसरे चरण में खजूरी से यूपी के विंढमगंज तक का कार्य 15 सितंबर 2025 तक किया जाना है, जिसकी लागत 1436.49 करोड़ रुपए है.वहीं चौथे चरण में भोगु से शंखा तक का निर्माण कार्य 9 नवंबर 2025 तक किया जाना है, जिसकी लागत 1517.87 करोड़ रुपए है. पांचवें चरण का निर्माण कार्य उदयपुर से भोगु तक 9 अक्टूबर 2026 तक 1436.80 करोड़ की लागत से किया जाना है. जबकि छठे चरण का निर्माण कार्य कुरु से उदयपुरा तक 1274 करोड़ रुपए की लागत से किया जाना है. जिसका निर्माण कार्य सितंबर 2025 से शुरू किया जाएगा.

डीआईजी ने नशा कारोबारियों पर करें कार्रवाई के दिए निर्देश

मेदिनीनगर। पलामू क्षेत्र में मादक पदार्थों की खेती, तस्करी और अवैध शराब के कारोबार को लेकर पलामू डीआईजी नौशाद आलम ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब तरीके से इस कारोबार में लगे लोगों पर सख्त कार्रवाई करें. सभी थाना और ओपी प्रभारियों को दिए निर्देश में उन्होंने कहा है कि यदि उनके इलाके में कोई भी नशे का कारोबार बिना कार्रवाई के चलता मिला, तो जिम्मेदार अधिकारी की खैर नहीं.डीआईजी के अनुसार अफीम, गांजा, डोडा और देसी शराब की अवैध खेती व व्यापार न सिर्फ कानून व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं बल्कि युवा पीढ़ी को भी गर्त में धकेल रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर बेहद गंभीर है और अब सिर्फ खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा. आदेश में कहा गया है कि सीमावर्ती, जंगल, नदी किनारे और संदिग्ध गांवों में गश्ती बढ़ाई जाए, खुफिया तंत्र मजबूत हो और मुखबिरों को सक्रिय कर हर सूचना पर तुरंत कार्रवाई हो. यह भी निर्देश दिया गया है कि एनडीपीएस एक्ट व उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत दोषियों को बिना देर किए जेल भेजा जाए. उन्होंने कहा कि छापेमारी सिर्फ दिखावे की नहीं होनी चाहिए, बल्कि ठोस और असरदार होनी चाहिए. आम जनता को भी इस मुहिम में शामिल करने की अपील की गई है और पुलिस को बताया गया है कि जनता से मिली सूचना की गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए.

पांडू प्रखंड कार्यालय पहुंचे वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर,बीडीओ को दिया निर्देश

15 दिनों में गैरमजरूआ जमीन की रिपोर्ट तैयार करें

मुरूमातु विस्थापितों के लिए जताई संवेदना

रामपूजन सिंह ।पांडू

झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर मंगलवार को पांडू प्रखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था, भूमि संबंधी दस्तावेज और कार्यालय की स्थिति की गहन समीक्षा की.
इस दौरान उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार, उनके सहयोगी कर्मचारी एवं अंचल कार्यालय के किरानी से म्यूटेशन रजिस्टर, कैश बुक, भूमि बैंक रजिस्टर, गैर मंजरूआ अतिक्रमण केसरी हिंद, जमाबंदी रजिस्टर, सीमांकन, राइट टू सर्विस, जाति, आवास एवं आय प्रमाण पत्र संबंधी रिपोर्ट तलब की.
वित्त मंत्री ने प्रखंड कार्यालय की जर्जर इमारत को देखकर चिंता जताई और इसके स्थायी समाधान की दिशा में कार्य करने की बात कही. बीडीओ रणवीर कुमार ने बताया कि प्रखंड की वैकल्पिक भूमि पांडू थाना के समीप उपलब्ध है.मंत्री ने मुरूमातु में निवासरत विस्थापित मुसहर समुदाय की स्थिति पर गहरी संवेदना व्यक्त की और उनके आवास की समस्या को शीघ्र हल करने का निर्देश दिया. उन्होंने बीडीओ को 15 दिनों के भीतर गैर मंजरूआ जमीन की रिपोर्ट तैयार कर खाता, प्लॉट व रकबा की विस्तृत जानकारी के साथ राज्य सरकार को भेजने का आदेश दिया.
वित्त मंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार गरीबों के कल्याण एवं जनहित के कार्यों में पूरी तरह संकल्पित है. उन्होंने पांडू प्रखंड से मुख्य सड़क तक सड़क निर्माण का एस्टीमेट तैयार कर भेजने का निर्देश भी दिया ताकि ग्रामीणों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके.मंत्री ने बीडीओ रणवीर कुमार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि आपने मोहम्मदगंज प्रखंड में बेहतरीन कार्य किया है, अब पांडू में भी उसी तरह की सक्रियता अपेक्षित है.
इस पर बीडीओ ने निवेदन किया कि पांडू प्रखंड में स्टाफ की भारी कमी है, जिससे कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है. मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि म्यूटेशन रजिस्टर, जमाबंदी रजिस्टर समेत अन्य जरूरी दस्तावेजों को तय समय सीमा के भीतर दुरुस्त कर रिपोर्ट दें. कुछ मामलों में उन्होंने 30 दिन, कुछ में 15, 10 और 5 दिन का समय निर्धारित किया.वित्त मंत्री के आगमन की सूचना पर हजारों की संख्या में ग्रामीण प्रखंड कार्यालय पहुंचे और मंत्री का भव्य स्वागत किया. सैकड़ों लोगों ने उन्हें अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया. मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने जनता के प्रेम और विश्वास से अभिभूत होकर कहा कि वे इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.इस दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा पांडू थाना प्रभारी विगेस कुमार राय ने संभाला और पुलिस बल के साथ पूरी सतर्कता से व्यवस्था को संभाला.

सामूहिक आत्मदाह करेंगे बर्खास्त अनुसेवक! समायोजन की मांग को लेकर धरना

शुभम संदेश ।मेदिनीनगर

जिले में बर्खास्त किए गए 251 अनुसेवक सामूहिक आत्मदाह की बात कर रहे हैं. बर्खास्त अनुसेवक अपनी सेवा के समायोजन करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसकी उम्मीद उन्हें कहीं से नजर नहीं आ रही है.दरअसल चार महीने पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पलामू में 251 अनुसेवकों को बर्खास्त कर दिया गया था.
इसी बीच जून महीने में पलामू में 585 पदों पर अनुसेवकों की बहाली के लिए विज्ञापन जारी किया गया था. विज्ञापन जारी होने के बाद अनुसेवकों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया था. इसी बीच उन्हें कई जगह से आश्वासन मिला था, लेकिन अनुसेवकों को कहीं से भी अपनी समस्या का समाधान दिखता नजर नहीं आ रहा है. अनुसेवक उग्र आंदोलन पर उतर आए हैं और आत्मदाह की चेतावनी दी है. उनका कहना है कि एक साथ सभी 251 अनुसेवक आत्मदाह करेंगे. पलामू में 2010 में अनुसेवकों के पद पर बहाली के लिए विज्ञापन निकाला गया था.
2017 में विज्ञापन के आधार पर परीक्षा ली गई थी और 2018 में अनुसेवकों को नौकरी दी गई थी. अनुसेवकों की नौकरी का मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था. सुप्रीम कोर्ट ने 2010 के विज्ञापन को ही अवैध करार दे दिया था. जिसके बाद सभी अनुसेवकों को बर्खास्त कर दिया गया.
परीक्षा देने के बाद ही नौकरी मिली थी: अनुसेवकों का कहना है कि उनकी सेवा समायोजित की जाए. विज्ञापन में गलती थी, परीक्षा देकर नौकरी मिली थी. अब उन्हें कोई उम्मीद की किरण नहीं दिख रही है. अगर समायोजन नहीं हुआ तो वे जल्द ही आत्मदाह करेंगे.बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू में 251 अनुसेवकों को बर्खास्त कर दिया गया है. दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में फोर्थ ग्रेड के पद पर निकली बहाली को अवैध करार देते हुए बहाली को रद्द करने का आदेश दिया था. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू डीसी ने सभी अनुसेवकों को बर्खास्त कर दिया.

शराब दुकानों के हैंडओवर टेकओवर की प्रक्रिया शुरू

शुभम संदेश ।लातेहार

एक जुलाई से जिले के लाइसेंसी शराब दुकानों की हैंडओवर व टेक ओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. पहले दिन एक जुलाई को जिले के कुल छह दुकानों में हैंडओवर व टेकओवर की प्रक्रिया शुरू की गयी. इन दुकानों में अगले आदेश तक शराब की बिक्री बंद रहेगी. उत्पाद अधीक्षक रंजन तिवारी ने बताया कि इन छह दुकानों मे सीएल व एफएल मनिका, कंपोजिट हेरहंज, बारियातू, बरवाडीह व बेतला स्थित शराब दुकानों का नाम शामिल है. इस प्रक्रिया मे उत्पाद विभाग के अलावा बतौर दंडाधिकारी प्रशासन व पुलिस के अधिकारी शामिल हैं. बता दें कि जिले में कुल 23 लाइसेंसी शराब की दुकाने हैं. इन सभी दुकानों का संचालन मानव प्रदाता एजेंसी केएस मल्टीफैसिलिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के कर्मियों के द्वारा किया जा रहा था. उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि उक्त मानव प्रदाता एजेंसी की सेवा अवधि 30 जून 2025 को समाप्त हो गयी है. एक जुलाई से दुकानो मे बचे स्टॉक एवं उपस्करों का हैंडओवर व टेक ओवर की प्रक्रिया उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, लातेहार एवं मानव प्रदाता एजेसी केएस मल्टीफैसिलिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बीच शुरू की गयी है.

एक नजर

देवेश का मुहर्रम शान-ए-हुसैन कमेटी ने किया स्वागत

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के चियांकी मिशन मोड़ के पास मुहर्रम शान-ए-हुसैन कमिटी द्वारा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की दिशा समिति के राज्यस्तरीय सदस्य बनाए गए देवेश तिवारी का भव्य स्वागत किया गया. परवेज अख्तर के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों ने माला व पगड़ी पहनाकर तिवारी का सम्मान किया.इस अवसर पर परवेज अख्तर ने कहा कि देवेश तिवारी के राज्यस्तरीय सदस्य बनने से जिले समेत पूरे राज्य के विकास कार्यों को गति मिलेगी. उन्होंने यह भी कहा कि हर पर्व आपसी भाईचारे का संदेश लेकर आता है, और तिवारी जैसे जनप्रतिनिधियों से लोगों को काफी उम्मीदें हैं.स्वागत से अभिभूत देवेश तिवारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता होगी और वे हर संभव प्रयास करेंगे.स्वागत करने वालों में हसबुदीन अंसारी, सद्दाम हुसैन, लाल मोहम्मद अंसारी, आलम अंसारी, इश्तेयाक अहमद, यासीन अंसारी, हिमांशु कुमार, लखन कुमार समेत बड़ी संख्या में कमिटी के सदस्य उपस्थित थे.

हुसैनाबाद में दो दुकानों में चोरी, मामला दर्ज

हुसैनाबाद (पलामू)। नगर क्षेत्र के अंबेडकर चौक के पास दो दुकानों में चोरी की घटना सामने आई है. फल विक्रेता अख्तर राईन और मिंटू राईन की दुकानों से चोरों ने लगभग 50,000 रुपये के सामान की चोरी कर ली.अख्तर राईन ने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह रात 10 बजे दुकान बंद कर घर गए थे. सुबह जब वे करीब 7 बजे दुकान पहुंचे तो ताला टूटा हुआ मिला और सामान बिखरा पड़ा था. उनके अनुसार करीब 20,000 रुपये का सामान चुरा लिया गया.वहीं अंबेडकर चौक निवासी मिंटू राईन की दुकान से भी करीब 30,000 रुपये का सामान चोरी हो गया. घटना मेन बाजार थाना के पास हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं.फल विक्रेता रहमान राईन ने कहा कि अंबेडकर चौक पर लगे सीसीटीवी कैमरे होने के बावजूद चोरी होना दुर्भाग्यपूर्ण है. नगर पंचायत द्वारा लंबे समय से खराब पड़े कैमरों की मरम्मत नहीं कराना लापरवाही का प्रतीक है.स्थानीय दुकानदारों ने मांग की है कि अंबेडकर चौक के सभी सीसीटीवी कैमरों को तुरंत दुरुस्त किया जाए, ताकि आए दिन हो रही चोरी पर रोक लग सके.

चंदन बने क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश महासचिव

हुसैनाबाद (पलामू)। रांची में आयोजित अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में झारखंड प्रदेश कमेटी का पुनर्गठन किया गया. इस दौरान हुसैनाबाद निवासी चंदन सिंह को महासभा का प्रदेश महासचिव और विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया. राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने दोनों पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र सौंपा और उनके कार्यों की सराहना की.महासभा की स्क्रीनिंग कमेटी ने झारखंड इकाई के कार्यों की प्रशंसा करते हुए खास तौर पर महिला विंग, अध्यक्ष बीनू सिंह और महासचिव चंदन सिंह की भूमिका को सराहा. नियुक्ति पर अजीत सिंह, योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू, महेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, नीतू सिंह, नितेश सिंह, विमलेश सिंह, अशोक सिंह, संजय सिंह, सुधीर सिंह, अनिल सिंह, अप्पू सिंह समेत कई लोगों ने बधाई दी.

उपायुक्त ने जन शिकायत निवारण में सुनी शिकायतें

लातेहार। मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया. इसमें जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित

सभी लोगों से एक–एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं शिकायतों की जांच करा कर शिकायतों का समाधान करने का भरोसा दिया. लातेहार के निवासी हरेंद्र कुमार ने अपने आवेदन के माध्यम से बताया कि उनका एक साल दस माह का पुत्र बोलने एवं सुनने में असमर्थ है. जिसे इलाज कराने हेतु चिकित्सकों के द्वारा कॉकिलियर इनपलांट सर्जरी कराने हेतु कहा गया है. जिस पर उन्होंने उपायुक्त से सहायता राशि प्रदान करने की मांग रखी. आवेदन को संज्ञान में लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को अग्रसारित कर नियमानुसार करवाई करने का निर्देश दिया. जन शिकायत निवारण में कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए. जो मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, जमीन विवाद, मुआवजा से संबंधी जुड़े थे.आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है.

महुआडांड़ पुलिस ने 53 किलो प्रतिबंधित मांस जब्त किया

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड के अंबवाटोली पंचायत में सोमवार शाम पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक घर में प्रतिबंधित मांस की ब्रिकी की जा रही है. थाना प्रभारी मनोज कुमार दल बल के साथ उस स्थान पर पहुंचें. लेकिन पुलिस को देख प्रतिबंधित मांस बेचने वाला घर पर ताला लगाकर पीछे के दरवाजे से फरार हो गया. फिर मैजिस्ट्रेट अंचल अधिकारी संतोष कुमार बैठा के उपस्थिति में पुलिस द्वारा दरवाजा का ताला तोड़कर घर के अंदर से 53 किलो प्रतिबंधित मांस, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, चाकू , टप के साथ स्कूटी बरामद की गई है. इस संबंध में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा अंमवाटोली निवासी जावेद अंसारी उर्फ कैफ अंसारी, पिता जुबेर अंसारी के घर प्रतिबंधित मांस बिक्री की सूचना पर दल गठित कर छापामारी की गई. पुलिस के पहुंचने से पहले जावेद अंसारी फरार हो गया.

सम्मान

साहित्यकारों ने मनाया प्रो. सुभाष चंद्र मिश्रा का 81वां जन्मदिन

जनता के पैसों की लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी :डॉ मेहता

शुभम संदेश ।मेदिनीनगर

पलामू के कवियों ने प्रख्यात शिक्षाविद् व साहित्यकार प्रोफेसर सुभाष चन्द्र मिश्र का 81 वां जन्मदिन मनाया. जन्मदिन का संयोजन प्रोफेसर मिश्र के पोते मानस मिश्रा ने उन्हें बिना बताये दिलचस्प अंदाज में किया. हिंदी साहित्य भारती की पलामू जिला इकाई ने इस आयोजन को सफल बनाया. कुछ ही समय पहले प्रोफेसर मिश्रा को पता चला कि कविगण उनका जन्मदिन मनाने उनके घर पधार रहे हैं. कार्यक्रम का संचालन शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया. कवियों व परिजनों की उपस्थिति में प्रोफेसर मिश्रा ने केक काटा. आगंतुकों ने उन्हें शाल,पुष्प गुच्छ व अनेक उपहार देकर सम्मानित किया तथा बधाई देते हुए दीर्घायु होने की कामना की. प्रोफेसर मिश्रा ने जन्मदिन पर मिले आदर व प्यार के लिए सबको धन्यवाद कहा. उन्होंने ताला,चाबी व हथौड़े की कहानी के माध्यम से बड़ा संदेश दिया. कहानी में हथौड़े ने ताला से पूछा कि तुम्हें खोलने के मुझे बहुत पीटना पड़ता है जबकि चाबी से तुरंत खुल जाते हो. ताला ने जवाब दिया कि चाबी अंदर जाकर दिल को छूती है इसलिए तुरंत खुल जाती हूं. प्रोफेसर मिश्रा ने कहा कि इसी प्रकार साहित्यकार अपने साहित्य से दिल छूकर परिवर्तन लाता है. इसके पूर्व झारखंड रत्न वरिष्ठ कवि हरिवंश प्रभात ने अपनी मोहक प्रस्तुति के जरिए प्रोफेसर मिश्रा का अभिनन्दन किया. वहीं काष्ठ कलाकार प्रेम भसीन ने प्रोफेसर मिश्रा से अपनी मित्रता को अनमोल और उन्हें धरोहर बताया. केके मिश्रा ने कहा कि उनका सानिध्य हमारे लिए गर्व का विषय है. मौके पर कवि सह लोकतंत्र सेनानी रविशंकर पाण्डेय, अनुज कुमार पाठक, रमेश सिंह, राम प्रवेश पंडित, अनुपमा तिवारी, रीना प्रेम दूबे, जया लक्ष्मी, शुभ्रा मिश्रा, आचार्य धनंजय पाठक, मनीष मिश्र 'नंदन', प्रियरंजन पाठक 'समर्पण', अंजनी दूबे, बृजेश शुक्ला, आशीष भारद्वाज, प्रेम प्रकाश दूबे, देवदीप मिश्रा, रमेश पाठक, सुमन मिश्रा, मेजर अंकित मिश्रा, विजय कुमार, रश्मि सिन्हा, विजय सिंह, हेमंत मिश्रा, मनोज कुमार, अलका मिश्रा, संजु शुक्ला, प्रीदानशु भसीन, पवन शर्मा, विश्वजीत पाठक, मनोज कुमार, गायक राम किशोर पाण्डेय व श्याम किशोर पाण्डेय, अनिमेष, विनायक शर्मा व शशिबाला ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से प्रोफेसर मिश्रा के जन्मोत्सव को यादगार बनाया.

ग्रामीणों ने निजी खर्च से खुद बनाई सड़क

- मूसलाधार बारिश में सड़क बन गयी था नाली
- ग्रामीणों ने विधायक से की पक्की सड़क बनाने की मांग
- मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

शुभम संदेश ।बरवाडीह

इन दिनों हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण बरवाडीह प्रखंड केड़ पंचायत अंतर्गत ग्राम रबदी की सड़क नाली में तब्दील हो गया है, रबदी औरंगा पुल से रबदी मेन बस्ती जाने वाली सड़क आजादी दशक के बाद भी अब तक नहीं बन सका और सड़क अब मूसलाधार बारिश में नाली में तब्दील हो गया है. वहीं ग्राम रबदी के युवा समाजसेवी आशीष प्रसाद यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने अपने निजी खर्च से जेसीबी और ट्रैक्टर लगाकर मिट्टी मोरम गिराकर सड़क को मरम्मती कर आवागमन के लिए कुछ हद तक तैयार कर लिया है. वहीं ग्रामीणों ने बताया कि पक्की सड़क निर्माण करने के लिए विधायक और जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाई गई है, पर उनके द्वारा अब तक सिर्फ झूठा आश्वासन दी गई है. आजादी दशक के बाद भी सड़क नहीं बनने पर ग्रामीणों में आक्रोश है. गांव के आशीष प्रसाद यादव, जमुना यादव, विनय यादव, अरविंद यादव, मनोज यादव, राजेंद्र यादव, सुधीर यादव, सोनू यादव, बबलू यादव, वीरेंद्र सिंह, सुदामा यादव समेत कई ग्रामीणों ने विधायक रामचंद्र सिंह, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से जल्द से जल्द इस सड़क को पक्की सड़क बनवाने का मांग किया है. वहीं ग्रामीणों ने कहा की जल्द से जल्द सड़क का निर्माण नही किया गया तो गांव के सभी ग्रामीण एकजुट होकर उग्र आंदोलन करने पर बाध्य हो जायेगी.

ब्रीफ न्यूज

जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के चार बीमार

मरकच्चो (कोडरमा)। मरकच्चो थाना क्षेत्र के योगियातिल्हा गांव में मंगलवार को जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के चार लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए. बीमारों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं, जिनकी पहचान रामनाथ गोस्वामी (38), प्रियंका देवी (22), सरजू नाथ गोस्वामी (65) और सोनू कुमारी (25) के रूप में हुई है.बताया गया कि बारिश के बाद जंगल से लाया गया मशरूम खाने के बाद सभी की तबीयत बिगड़ गई. परिजनों ने तुरंत उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए सभी को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया.स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि अज्ञात या जंगली मशरूम खाने से परहेज करें, क्योंकि यह विषाक्त हो सकता है.

बगरा में लटक रहा हाई वोल्टेज तार, दहशत में ग्रामीण

सिमरिया (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के बगरा पंचायत में फागू साव के घर के पीछे 11,000 वोल्ट का हाई वोल्टेज तार पिछले कई महीनों से जमीन से मात्र तीन से चार फीट की ऊंचाई पर झूल रहा है, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों और मवेशियों की जान पर खतरा मंडरा रहा है. स्थानीय लोगों के अनुसार, तार इतना नीचे लटका है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है.दो दिन पूर्व रामनगर की महिला समनी देवी, पति अनु भुईंया, झूलते तार की चपेट में आते-आते बचीं. हालांकि उन्हें हल्का करंट लगा.

रामगढ़ : उपायुक्त ने किया मांडू प्रखंड का दौरा

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने रामगढ़ जिला अंतर्गत मांडू प्रखंड का दौरा किया. इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय मांडू का निरीक्षण किया. मौके पर उन्होंने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के माध्यम से आम जनों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली. उन्होंने निरीक्षण के दौरान प्रखंड सह अंचल कार्यालय अंतर्गत विभिन्न विभागों के कार्यालयों का भी निरीक्षण किया .उपायुक्त ने बारुघुटु उत्तरी पंचायत में बारुघुटु पूर्वी एवं बारुघुटु मध्य पंचायत के लिए निर्माणाधीन पंचायत भवन का निरीक्षण किया.

पीडीजे ने हजारीबाग व्यवहार न्यायालय परिसर में एटीएम व उप डाकघर का किया शुभारंभ, कहा

जल्द ही खुलेगा रेलवे आरक्षण काउंटर

बैंक दिवस पर न्यायालय परिसर को मिला तोहफा

शुभम संदेश । हजारीबाग

पूरे देश में मनाए जा रहे बैंक दिवस के अवसर पर हजारीबाग व्यवहार न्यायालय परिसर में एसबीआई एटीएम काउंटर और उप डाकघर का उद्घाटन किया गया. इस सुविधा का शुभारंभ जिला एवं प्रधान सत्र न्यायाधीश रंजीत कुमार ने फीता काटकर किया.

इस अवसर पर न्यायाधीश रंजीत कुमार ने कहा कि कोर्ट परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं, जिनमें से कई बार जरूरतमंदों को अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ती है. ऐसे में एटीएम की सुविधा काफी सहायक सिद्ध होगी।उन्होंने यह भी कहा कि कई बार कोर्ट से जुड़े दस्तावेज, रजिस्ट्री और आवश्यक कागजात भेजने की आवश्यकता होती है, जिसके लिए अब परिसर में ही बना उप डाकघर सहूलियत देगा.इस डाकघर का लाभ आम जनता भी उठा सकेगी. न्यायाधीश ने जानकारी दी कि आने वाले समय में कोर्ट परिसर में रेलवे आरक्षण काउंटर खोलने की योजना भी है, जिससे दूर-दराज से आने वाले लोगों को सुविधा मिल सकेगी.

यूसेट में बी टेक के सात छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

हजारीबाग । विनोबा भावे विश्वविद्यालय में 30 जून 2025 को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूसेट) के सात (07) विद्यार्थियों का चयन हुआ है.ईसीई विभाग से कोशिका कुमारी, श्रुति कुमारी जायसवाल सीएससी विभाग से अंजलि कुमारी चौधरी, मोनी कुमारी, पूजा कुमारी मुर्मू, संस्कार किशन तथा आई टी विभाग से विकास कुमार गुप्ता का अंतिम रूप से प्लेसमेंट के लिए चयन कर लिया गया है।यूसेट के निदेशक डा आशीष कुमार साहा ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामना दिया। यूसेट के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ अर्चना रीना धान ने इस आशय की जानकारी दी और बताया कि निकट भविष्य में एंबिएंट साइंटिफिक कंपन केपी रिलायबल टेक्निक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का भी प्लेसमेंट ड्राइव प्रस्तावित है.

मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा सत्यापन को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण

सटीक नक्शा बनाने के लिए बीएलओ को दिए दिशा-निर्देश

शुभम संदेश । कोडरमा

आगामी निर्वाचन प्रक्रिया की तैयारी को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री ऋतुराज ने कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. निरीक्षण का उद्देश्य मतदान केंद्रों से संबंधित नजरी नक्शों के सत्यापन की प्रक्रिया की समीक्षा करना था.निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने प्राथमिक विद्यालय चाराडीह स्थित मतदान केंद्र संख्या 195 तथा पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय बरवाडीह स्थित मतदान केंद्र संख्या 144, 145 एवं 146 का भ्रमण किया. इस क्रम में उन्होंने मतदान केंद्रों पर कार्यरत बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से नक्शा निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और उनकी तैयारियों का मूल्यांकन किया.उपायुक्त ने बीएलओ से नजरी नक्शे के निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया को समझा और इसे पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्धता से पूरा करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों के नक्शे निर्वाचन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण अंग होते हैं, जिससे मतदाताओं को सुगमता से मतदान स्थल तक पहुंचने में सहायता मिलती है. अतः इनका सटीक और व्यवस्थित ढंग से तैयार किया जाना अत्यंत आवश्यक है.निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित मतदान केंद्रों पर स्थित विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया. उन्होंने प्राथमिक विद्यालय चाराडीह एवं पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय बरवाडीह की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की संख्या और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की भी समीक्षा की.उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से संवाद कर शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के सुझाव दिए और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर बल दिया.इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, अंचलाधिकारी कोडरमा सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी कार्यों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से संपन्न करने के निर्देश दिए गए.

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं जनसमस्याएं

कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से आमजनों से सीधे संवाद स्थापित किया और उनकी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना. जनता दरबार के दौरान फरियादियों ने कई व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याएं सामने रखीं, जिनमें अतिक्रमण रोकने, दाखिल ख़ारिज, वृद्धा पेंशन चालू रोकने, मजदूर भुगतान करने, सड़क निर्माण कार्य को पूरा नहीं करने, गैरमजरूआ आम भुमि पर अतिक्रमण करने, जमीन कब्जा करने, अनुकंपा आधारित जन वितरण प्रणाली दिलाने, जमीन नापी से संबंधित जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं.इन शिकायतों पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित विभागों और प्रखंड कार्यालयों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की शीघ्र जांच कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करे.

80 लाख ठगी की आरोपी नंदिनी की मां गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र के रांची रोड के व्यवसायी रविंद्र साहू से 80 लाख ठगने वाली नंदिनी साहू की मां गीता देवी को रामगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है. ठगी की रकम गीता देवी के खाते में भी गई थी. उनके खाते में 4.50 लाख रुपए गए थे. उस रकम का फिक्स डिपॉजिट किया गया है. गीता देवी को पुलिस ने अभियुक्त बनाया और उन्हें जेल भेज दिया. साथ ही उस रकम को बैंक में ही फ्रीज कर दिया गया है. मंगलवार को रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि ठगी के इस मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. अनुसंधानकर्ता मंजेश कुमार के नेतृत्व में छापेमारी हो रही है. अभी तक इस मामले में तीन अन्य अपराधी अनिकेत वर्मा, सूरज कुमार साहू और नंदिनी साहू फरार हैं. उन तीनों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है.पुलिस की तफ्तीश में अभी तक यह बात स्पष्ट हो गई है शातिर ठग गिरोह का संचालन करने वाली नंदिनी के कई रूप हैं उसका पूरा परिवार सब्जी बेचता है. यह धंधा तो सिर्फ एक दिखावे का था. मां गीता देवी, बेटा आकाश साहू, बेटी नंदिनी सब मिलकर प्रबुद्ध नागरिकों को लूटने का काम करते थे. रामगढ़ पुलिस ने जब नंदिनी के घर में छापेमारी की तो वह फरार थी. लेकिन उसकी मां गीता देवी पुलिस के हत्थे चढ़ गई. पूछताछ के दौरान गीता देवी ने पहले तो अपनी बेटी नंदिनी को पुलिस के सामने निर्दोष बताया.

शांति समिति की बैठक में लिए गए अहम फैसले

शुभम संदेश । जयनगर

प्रखंड मुख्यालय सभागार में में मंगलवार मनाए जाने वाले मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक की गई. इसकी अध्यक्षता प्रभारी अंचल अधिकारी गौतम कुमार और संचालन समाजसेवी अरमान खान ने किया. बैठक में दोनों समुदायों के सैकड़ो लोग शामिल हुए. इसमें दोनों समुदायों के लोगों ने मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया.

सभी अखाड़ा समिति के सदस्यों को अपने-अपने समिति का सूची सदस्यों के नंबर के साथ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. इस दौरान सभी अखाड़ा समिति से उनके गांव में निकाले जाने वाले मुहर्रम जुलूस के रूट चार्ट का जानकारी लिया गया. सभी कमेटी को मोहर्रम का जुलूस पुराने निर्धारित रुट से ही निकालने का निर्देश दिया गया.

जुलूस के दौरान असामाजिक एवं शरारती तत्वों पर पुलिस के द्वारा कड़ी नजर रखे जाने की बात भी बताया गया. जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा. बैठक में एएसआई इस्लाम अंसारी, पूर्वी जिप सदस्य केदारनाथ यादव,20 सूत्री अध्यक्ष इस्लाम अंसारी, मुखिया कौशर खान, राजेंद्र दास, सलीम अंसारी, मुखिया विनोद दास, सरफुद्दीन अंसारी, सुरेश यादव, अशोक यादव, पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम सहित अन्य मौजूद थे .

जनता दरबार में दर्जन से अधिक फरियादियों ने लगायी गुहार

शुभम संदेश । हजारीबाग

समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया. उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

इस अवसर पर लगभग एक दर्जन से अधिक फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर उपायुक्त के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए. प्रस्तुत समस्याओं में पेंशन, आवास, विद्युत समस्या, दाखिल खारिज, अवैध भूमि कब्जा, भूमि विवाद, ऑन लाईन रसीद, भमि अतिक्रमण, रास्त पर जलजमाव जैसी शिकायतें शामिल रहीं.

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक मामले की शीघ्र जांच कर त्वरित एवं न्यायसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें.

एनएसयूआई ने वीसी का पुतला फूंका, जताया विरोध

शुभम संदेश । हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा द्वारा हूल दिवस मनाने की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में एनएसयूआई ने सोमवार, 1 जुलाई को विश्वविद्यालय मुख्य द्वार के पास पुतला दहन कर विरोध जताया।छात्र नेता अभिषेक राज ने बताया कि 25 जून को एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति से मुलाकात कर आर्यभट्ट हॉल में 30 जून को हूल दिवस मनाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी गई।उन्होंने कहा कि हूल दिवस झारखंड के आदिवासी इतिहास, अस्मिता और संघर्ष का प्रतीक है। 1855 में सिद्धो-कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संथाल आदिवासियों ने अंग्रेजों और जमींदारों के खिलाफ विद्रोह किया था, जिसे याद करना हमारा कर्तव्य है।एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आदिवासी अस्मिता को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर छात्रों की लोकतांत्रिक गतिविधियों में बाधा डाली गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संगठन ने मांग की कि भविष्य में सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दिवसों को परिसर में मनाने की अनुमति दी जाए.

टंडवा में अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

चतरा। चतरा पुलिस ने टंडवा थाना क्षेत्र में मारपीट की घटना के दौरान हथियार लेकर घूमने की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई के दौरान एक देसी राइफल और अन्य सामान भी बरामद किया गया. चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि टंडवा में एक लड़ाई के दौरान कुछ युवक हथियार लेकर घूम रहे हैं. सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए.पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टंडवा एसडीपीओ प्रभात कुमार रंजन के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई और मौके पर छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक 315 बोर का देसी राइफल, साथ ही 315 बोर देसी राइफल का टूटा हुआ लकड़ी का बट और बॉडी बरामद किया. इसके अलावा, एक ग्लैमर बाइक और एक रेडमी फोन भी जब्त किया गया.

सम्मान

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर हजारीबाग में होम्योपैथिक चिकित्सकों को मिला सम्मान

सेवा भावना को बताया गया मानवता का मूल

शुभम संदेश . हजारीबाग

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस के पावन अवसर पर दी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हजारीबाग जिला इकाई द्वारा एक भव्य एवं भावनात्मक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम जिला अध्यक्ष डॉ. गणेश शंकर के आवासीय परिसर विष्णुपुरी गली में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में होम्योपैथिक चिकित्सकों की गरिमामयी उपस्थिति रही. कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित चिकित्सकों द्वारा केक काटकर की गईइस शुभ अवसर पर अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया. इसके पश्चात मंच पर आमंत्रित चिकित्सकों एवं अतिथियों ने चिकित्सा दिवस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए. संघ के अध्यक्ष डॉ. गणेश शंकर ने कहा, चिकित्सक समाज में स्वास्थ्य के प्रहरी हैं.उनकी सेवा भावना मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत है।स्वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नवेंदु शंकर ने कहा, होम्योपैथिक चिकित्सा आज जनमानस में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और यह पद्धति रोगों के मूल कारण को जड़ से समाप्त करने में सक्षम है.सचिव डॉ. आनंद शाही ने बल देते हुए कहा, समाज में होम्योपैथी के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली से लाभान्वित हो सकें.संघ के प्रवक्ता डॉ. ज्ञानेंदु जयपुरियार ने कहा, आज का दिन यह याद दिलाता है कि डॉक्टर का सम्मान सिर्फ एक दिन नहीं, हर दिन होना चाहिए.डॉक्टर होना सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक व्रत है.समारोह का वातावरण पूरी तरह प्रेरणादायी और भावनात्मक रहा, जिसमें चिकित्सकों की समर्पण भावना को खूब सराहा गया.इस कार्यक्रम में डॉ. गणेश शंकर, डॉ. अजित कुमार, डॉ. अनिल, डॉ. अभिलाषा, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अभय कुमार सिन्हा, डॉ. निवेदिता, डॉ. जयप्रकाश, डॉ. रंजीत कुमार दांगी, डॉ. इंदु रानी, डॉ. नवेंदु शंकर, डॉ. सृजन जयपुरियार, डॉ. धीरज, डॉ. आनंद शाही, डॉ. ज्ञानेंदु शंकर जयपुरियार, डॉ. शंकर मोदी, डॉ. रंजना कुमारी, डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, डॉ. सत्येंद्र कुमार, डॉ. एस. के. वर्मा, डॉ. नसीम, डॉ. अमरेंद्र भाष्कर, डॉ. हकीम खान, डॉ. स्वेता, डॉ. स्नेहाशु साहा, डॉ. जोशी कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार राय, डॉ. ललिता समेत अन्य कई चिकित्सक शामिल रहे.

एक नजर

कोडरमा थाना में हुई शांति समिति की बैठक

कोडरमा। मोहर्रम पर्व के मद्देनजर मंगलवार को कोडरमा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों और अखाड़ा कमेटियों के सदस्यों ने भाग लिया. बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ अनिल कुमार ने की, जबकि प्रखंड विकास पदाधिकारी (प्रभारी) मनोज कुमार रवि भी उपस्थित रहे.अधिकारियों ने सभी से आग्रह किया कि मोहर्रम पर्व को आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांति के साथ मनाया जाए. सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क रहेगा—शहर में जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, गश्ती बढ़ाई जाएगी और सोशल मीडिया की निगरानी की जाएगी ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी न फैले.अखाड़ा कमेटियों के सदस्यों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की बात कही. इस अवसर पर थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान, उमा देवी (मुखिया), मो. मुबारक, किशोर साव, कमाल खान, मो. एहतेशाम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे.

छात्र छात्राओं को पासपोर्ट टू अर्निंग सर्टीफिकेट बांटा गया

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा +2 हाई स्कूल में सर्टीफिकेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाध्यापक राधेश्याम शुक्ला उपस्थित थे. ज्ञात हो कि चंदवारा सीएससी केंद्र के संचालक रोहित कुमार के द्वारा सीएससी केंद्र में 400 छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा था, उन सभी छात्र छात्राओं को विद्यालय परिसर में सर्टीफिकेट का वितरण किया गया.इस दौरान प्रधानाध्यापक राधेश्याम शुक्ला ने बताया कि पासपोर्ट टू अर्निंग एक डिजिटल प्लेटफार्म है जो युवाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कोशल प्रदान करता है.मौके पर विद्यालय के शिक्षक अजित कुमार, धनंजय कुमार, रंजीत कुमार एवं छात्र छात्राओं मौजूद थे.

बदुलिया घाट से रोज सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध उठाव

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत बदुलिया घाट से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध उठाव जारी है. एनजीटी के स्पष्ट आदेश और प्रशासनिक रोक के बावजूद बालू माफिया खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं. स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, रोजाना रात-दिन बालू लदे ट्रैक्टर घाट से निकलते हैं, लेकिन प्रशासन और खनन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है.ग्रामीणों का कहना है कि अवैध उठाव से एक ओर सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर नदी का अस्तित्व भी खतरे में पड़ रहा है. बालू माफिया बेलगाम होकर घाट पर अपना कब्जा जमाए हुए हैं और मोटी रकम वसूल रहे हैं. प्रशासन की चुप्पी को लेकर क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं हैं. लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में यह काला कारोबार फलफूल रहा है. ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल अवैध खनन पर रोक लगाने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

चंगेर गांव की जर्जर सड़क बनी ग्रामीणों के लिए मुसीबत

चतरा। चतरा जिला मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर चंगेर गांव की कच्ची सड़क वर्षा के कारण अत्यंत जर्जर हो चुकी है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है. यह सड़क चंगेर टीकर पंचायत के अंतर्गत राजस्व गांव को कसियाडीह सहित कई अन्य गांवों से जोड़ती है.ग्रामीणों ने बताया कि चंगेर गांव में स्थित हाई स्कूल में सैकड़ों बच्चे पढ़ते हैं, जो कीचड़ भरी सड़क से गुजरने को मजबूर हैं. बच्चे आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं, वहीं बाइक व अन्य वाहन भी फंस कर घंटों जाम में फंसे रहते हैं. बीरेन्द्र यादव, अमर गंझु, सानु यादव और महेंद्र यादव ने बताया कि कई बार हादसे हो चुके हैं, फिर भी पथ निर्माण विभाग चुप्पी साधे हुए है.स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों से इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई है, जबकि गांव में 600 से अधिक लोग निवास करते हैं. ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग की है. सड़क की मांग करने वालों में जागेश्वर यादव, शंभू यादव, प्रकाश यादव, कमलेश यादव, अजय यादव, चंद्रिका प्रसाद दांगी सहित कई लोग शामिल हैं.

छह माह से खराब ट्रांसफार्मर, अंधेरे में जी रहे लोग

चतरा। शहर के हरलाल तालाब स्थित दूरदर्शन केंद्र के पास लगा ट्रांसफार्मर पिछले छह महीनों से खराब पड़ा है, जिससे करीब 50–60 घरों के लोग अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं. स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार बिजली विभाग से ट्रांसफार्मर बदलने या मरम्मत कराने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है.मुहल्लेवासी मुकेश कुमार साहु, जितेंद्र कुमार साहु, रवि शंकर गुप्ता और वार्ड पार्षद सेवंती देवी ने बताया कि विभाग सिर्फ आश्वासन देता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से कुछ नहीं कर रहा. बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है, वहीं बरसात के इस मौसम में अंधेरे के कारण दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है.शाम ढलते ही पूरा मुहल्ला अंधकार में डूब जाता है, जिससे लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.

एनटीपीसी गेट के पास युवक को पोल में बांधकर पीटा

टंडवा (चतरा): टंडवा थाना क्षेत्र के एनटीपीसी गेट नंबर दो के समीप 28 जून को दो युवकों के साथ लोहे के पोल में बांधकर की गई बर्बर मारपीट का मामला सामने आया है. पीड़ित आशीष पासवान (निवासी हुरहुरु, हजारीबाग) और मोनू कुमार (निवासी सिरसी) ने फोटोकॉपी दुकान संचालक सचिन गुप्ता और उसके पिता सुनील गुप्ता पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत दी है.दोनों पीड़ित एनबीईटी ट्रांसपोर्ट में ड्राइवर हैं और एनटीपीसी में सामान लाने के दौरान फोटोकॉपी कराने सचिन गुप्ता की दुकान गए थे. अगली सुबह उन्हें दुकान बुलाकर एक बैंक खाते से 40 हजार रुपये हैक कराने का झूठा आरोप लगाकर लोहे के पोल में बांधकर बुरी तरह पीटा गया. इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें भीड़ तमाशबीन बनी रही.सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है.

डीएवी बरकाकाना में वन महोत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न

रामगढ़: डीएवी बरकाकाना विद्यालय में वन महोत्सव का प्रथम दिवस पर्यावरणीय चेतना और उल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी और विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार राय, सचिव, क्रिकेट संघ रामगढ़ के आगमन से हुआ. विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने अतिथियों का स्वागत बैज पहनाकर किया. परंपरा अनुसार विशेष हवन में सभी ने भाग लिया.कार्यक्रम में छात्रों ने पौधों के महत्व पर भाषण, कविता,₹पेड़ बचाओ₹ गीत, लघु नाटिका और रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. अंत में सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई. प्रधानाचार्य ने कहा कि वन महोत्सव प्रकृति से हमारे संबंध को मजबूत करता है और हमें इसे जीवनशैली बनाना चाहिए. मुख्य अतिथि ने वृक्षों को अमूल्य धरोहर बताते हुए छात्रों से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील की. कार्यक्रम का संचालन आराध्या सिन्हा और आश्विक शिवम ने किया.

ब्रीफ न्यूज

मंदिर से अष्टधातु से बनी मूर्तियों की चोरी

गुमला । गुमला थाना क्षेत्र के गिंडरा खास बखरी स्थित मंदिर से सोमवार की रात राम लक्ष्मण सीता सहित अष्टधातु के अन्य मूर्तियों की चोरी हो गई है। मूर्ति की चोरी होने से गांव के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल की जांच की और लिखित शिकायत करने की बात कही है। गिंडरा निवासी राधेश्याम पाल सिंह ने घटना की जानकारी दी। कहा कि गिंडरा बखरी में यह मंदिर लगभग सौ साल पुराना है। सभी मूर्ति अष्टधातु के थे। पीतांबर देवघरिया के मंदिर के पुजारी थे। पुजारी ने ही मूर्ति चोरी की जानकारी दी.

लड़कों को आया गुस्सा पिकअप चालक को पीटा

गुमला । पालकोट रोड स्थित सेमरा के पास 8 से 10 लड़कों ने सिर्फ हॉर्न बजाने पर पिकअप चालक कुंडू निवासी दीपक कुमार के साथ जमकर मारपीट किया. घटना सोमवार की शाम 7:00 बजे की है घटना के बाद घायल अवस्था में स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सदर अस्पताल लाया गया. जहां उसका इलाज चल रहा है. जानकारी के मुताबिक सेमरा के पास 8 से 10 लड़के रोड में ही बाइक लगाकर शराब पी रहे थे सिमडेगा की ओर से आ रहा एक पिकअप चालक हॉर्न बजाया लड़के किनारे नहीं हुए दो-तीन बार हॉर्न बजाने पर लड़के क्रोधित हो गए 8 से 10 लड़के पिकअप चालक के पास पहुंचे और उसे गाड़ी से नीचे उतारकर जमकर मारपीट की. हो हंगामा होने के बाद सभी लड़के बाइक लेकर वहां से फरार हो गए. पिकअप के पीछे बैठे चालक के दो हेल्पर और ग्रामीणों के सहयोग से उसे सदर अस्पताल लाया गया. दीपक ने बताया मुर्गा ओडिशा पहुंचाकर वापस लौट रहा था.

जमीन मापी को लेकर पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प

बुढ़मू। रांची जिले के बुढमू अंचल अंतर्गत ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के खखरा गांव में मंगलवार को जमीन मापी के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी झड़प हो गई. विवाद रैयती जमीन की मापी को लेकर था, जिसे अंचल कार्यालय द्वारा रांची निवासी एक व्यक्ति के आवेदन पर मापा जा रहा था. मापी शुरू होते ही सैकड़ों ग्रामीण, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, मौके पर पहुंचकर विरोध करने लगे. देखते ही देखते विरोध उग्र हो गया और पुलिस व ग्रामीणों के बीच मारपीट शुरू हो गई. इस झड़प में ठाकुरगांव थाना के जमादार सुरेश दास समेत कई ग्रामीण घायल हो गए. अंचल अमीन के साथ भी धक्का-मुक्की की गई. घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण रहा. स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आसपास के कई थानों की पुलिस को बुलाया गया. विवादित जमीन खाता संख्या 3 के प्लॉट संख्या 56 और 144 में स्थित है, जिस पर ग्रामीणों का वर्ष 1965 से कब्जा बताया गया है.

बालूमाथ में गड्ढे में डूबने से बच्चे की मौत

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना क्षेत्र के मारंगलोइया पंचायत अंतर्गत हेबना गांव में मंगलवार को हादसे में चार वर्षीय मासूम की जान चली गई. मृतक की पहचान हेबना निवासी अनिल कुमार के पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है. घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि अंकित सुबह गांव के आंगनबाड़ी केंद्र जाने के लिए घर से निकला था. रास्ते में वह एक पानी से भरे गड्ढे में गिर गया. काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की.

सांप के डंसने पर झाड़-फूंक से बचें, नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में कराएं इलाज : सीएस

गुमला में एक माह में सर्पदंश के 11 मामले, दो की मौत

शुभम संदेश । गुमला

मानसून के दस्तक के साथ ही गुमला में जहरीले सांप का प्रकोप बढ़ गया है. जून माह में गुमला जिला में सर्प दंश के कुल 11 मामले सदर अस्पताल पहुंचे. जिसमें से दो की मौत हो गई. मौत का कारण पीड़ित को विलंब से अस्पताल पहुंचाया जाना है और विलंब से अस्पताल पहुंचाने का कारण गांव में झाड़-फूंक को पहली प्राथमिकता देना बताया जा रहा है. अस्पताल प्रबंधन के अनुसार गुमला जिला के सदर अस्पताल, रेफरल अस्पताल और सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एंटी वेनम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है. प्रचार प्रसार भी हमेशा किया जाता रहा है कि सर्पदंश मामले में झाड़-फूंक कर विलंब नहीं करना चाहिए. तत्काल नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में जाना चाहिए. इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी है. सदर अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 जून को पालकोट थाना क्षेत्र के सतखारी सावनाटोली निवासी सुमित्रा चीक बड़ाईक की और 28 जून को कंजोगा के छह वर्षीय बालक मोहित लोहरा की मौत हो गई. जबकि रायडीह के गोढ़ीटोली निवासी महेश उरांव, चैनपुर के मालम निवासी अनुप्रिया कुजूर, घाघरा तारागुटू निवासी सीता मुनी देवी, गुमला के बड़ालोरा डुमरटोली निवासी सोनी देवी, कतरी निवासी अजमेरी खातून, गुमला के नौडीहा महुआटोली निवासी रोशन उरांव, कोटाम निवासी सुनील नायक, सिलाफारी निवासी आरबीआई जवान, छोटा खटंगा निवासी घुड़ा उरांव इलाज के बाद स्वस्थ्य हो गए. सिविल सर्जन डा नवल ने लोगों से सांप काटने पर झाड़ फूंक में विलंब किए बगैर नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने की अपील की है. कहा कि गुमला के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी वेनम उपलब्ध है.

अस्पताल वार उपलब्ध एंटी वेनम

सदर अस्पताल गुमला	–	1110
रेफर अस्पताल बसिया	–	64
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो	–	132
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर	–	195
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर	–	47
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी जारी	–	179
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा	–	20
गुमला डीएच	–	770
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कामडारा	–	50
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पालकोट	–	164
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायडीह	–	234
रेफरल अस्पताल सिसई	–	72

सांसद कालीचरण सिंह ने किया जिमखाना का उदघाटन, कहा

युवा स्वस्थ व सेहतमंद बनेंगे

शुभम संदेश । लातेहार

चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने जिला खेल स्टेडियम के समीप भारत माता भवन में जिमखाना के जिर्णोद्धार कार्य का उद्घाटन किया. मौके पर विधायक प्रकाश राम, उप विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह व उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे आदि मौजूद थे. मौके पर सांसद ने कहा कि इस जिम के माध्यम से युवा व अन्य खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेगी और वे अपनी खेल प्रतिभा को और निखार सकेंगे. इसके अलावा युवा स्वस्थ्य और सेहतमंद बनेंगे. उन्होने अन्य प्रखंडों मे भी इस तरह की सुविधा ग्रामीणों को देने की बात कही. बता दें कि यह जिम अत्याधुनिक यंत्रों, उपकरणों और सुविधाओं से लैस है. कुशल ट्रेनर्स द्वारा जिम में ट्रेनिंग दी जाएगी. योगा, मेडिटेशन, कार्डियो की अलग से सुविधाएं इस जिम में की गई है. जिम में महिलाओं के लिए विशेष सुविधा की गई है. जिम का संचालन प्रातः 5 बजे से 9:30 बजे एवं संध्या 5 बजे से 8:30 बजे तक निर्धारित है. जिम में स्टूडेंट्स के लिए 500 रुपए और अन्य सभी के लिए एक हजार रुपए प्रतिमाह फीस रखी गई है. जिम का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ रखने के साथ-साथ उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाना है. मौके पर विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार, अपर समाहर्ता रामा रविदास, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, लातेहार राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू के अलावा भाजपा मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार पांडेय, बंशी यादव, पवन कुमार, गौरव दास आदि मौजूद थे.

गिरजाघर में डकैती कांड का खुलासा

पांच अपराधी गिरफ्तार

शुभम संदेश । सिमडेगा

बोलवा थाना क्षेत्र के ग्राम समसेरा स्थित एक गिरजाघर में हुई बड़ी डकैती कांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है. इस सनसनीखेज घटना में पल्ली पुरोहितों को बंधक बनाकर मारपीट की गई थी और ₹6 लाख से अधिक की डकैती को अंजाम दिया गया था.घटना 08 और 09 जून की मध्यरात्रि की है, जब अज्ञात अपराधियों ने चर्च में धावा बोला और वहां मौजूद पल्ली पुरोहितों को हथियार के बल पर बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की. अपराधियों ने उनके पास से नकदी, मोबाइल और अन्य कीमती सामान लूट लिए. इस संबंध में बोलवा थाना कांड संख्या 09/2025, भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 310(2)/311 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी.सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इस कांड के उद्भेदन हेतु एक विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया. अनुसंधान के क्रम में टीम ने तकनीकी विश्लेषण एवं गुप्त सूचना के आधार पर अंतर्राज्यीय गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए अपराधी हैं—दिलीप बरवा, विकास केरकेट्टा, सुनिल लखवा, अमित केरकेट्टा और दीपक सिंह. इनके पास से नकदी, मोबाइल फोन और घटना से जुड़े अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं.गौरतलब है कि इससे पहले, 15 जून को झारखंड और ओड़िशा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इस डकैती कांड में संलिप्त तीन अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है. इस प्रकार अब तक कुल आठ अपराधी गिरफ्त में आ चुके हैं. पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक अन्य फरार आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है.पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) रणवीर सिंह के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया, जिसमें कई थाना प्रभारियों एवं अनुभवी पुलिसकर्मियों की सक्रिय भूमिका रही.

कोलेबिरा में झामुमो कार्यकर्ताओं ने की चादरपोशी

सिमडेगा/कोलेबिरा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना को लेकर कोलेबिरा थाना परिसर स्थित अनजान शाह पीर बाबा की मजार पर चादरपोशी कर दुआ मांगी. इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर शिबू सोरेन के स्वस्थ होने की प्रार्थना की.झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ता लगातार मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और अन्य धार्मिक स्थलों में प्रार्थना और पूजा-अर्चना कर रहे हैं ताकि गुरुजी जल्द स्वस्थ होकर लौटें. इस अवसर पर जिला सचिव सफिक खान, जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग, कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, केंद्रीय समिति सदस्य प्रफुल्ल डुंगडुंग, नूसरत खातून, नोवास केरकेट्टा, संजु डांग, सुनिल खेस, फिरोज अली, अनिल तिर्की, ओस्कर डांग, देवेंद्र साहू, वकिल खान, नगर अध्यक्ष अनस आलम, पूर्व जिलाध्यक्ष किशोर डांग, महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष फुलकुमारी समद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

जेएसएलपीएस का वीआरएफ प्रशिक्षण संपन्न

मनातू (पलामू)। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा मनातू प्रखंड के पदमा पंचायत भवन में तीन दिवसीय विलेज रूरल फंड (वीआरएफ) प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य कमजोर वर्ग की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था।प्रशिक्षण में वीआरएफ कमिटी की दीदियों को कोष प्रबंधन, उपयोग व नियमों की जानकारी दी गई। पात्र महिलाओं को इस योजना के तहत ₹5,000 तक की सहायता मात्र ₹50 के ब्याज पर एक वर्ष के लिए दी जाती है, जिससे वे छोटे व्यवसाय या घरेलू जरूरतें पूरी कर सकें।जेंडर कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन प्रेमलता कुमारी और गीता कुमारी ने प्रशिक्षण में मार्गदर्शन किया। उनके साथ मंजूषा देवी, सोनी देवी और प्रियंका देवी ने सहयोग किया।इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, समुदाय में नेतृत्व निभाने और सामाजिक बदलाव लाने की प्रेरणा दी गई.

जीएलए कॉलेज के प्राचार्य से मिले अभाविप के सदस्य

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जीएलए कालेज इकाई सदस्यों ने आज कालेज के प्राचार्य से मुलाकात की. परिषद के कॉलेज अध्यक्ष किसलय दुबे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में महाविद्यालय में शौचालय की नियमित साफ-सफाई कराने, कालेज के पुस्तकालय में छात्रों हेतु नए पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें उपलब्ध कराने, महाविद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत अनिवार्य करने, महाविद्यालय स्थित सभी गन्दी दीवारों की सफाई कराने, नामांकन और परीक्षा के नाम पर छात्रों से अनावश्यक उगाही बंद कराने, महाविद्यालय में पूछताछ केंद्र स्थापित कराने आदि की मांग शामिल है.

रातू में स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ सफल आयोजन

रातू। तिगरा नवाटोली गांव में रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी के मेडिटेशन हॉल में रोटरी क्लब ऑफ रांची मिडटाउन और कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में तिगरा पंचायत के नवाटोली, पाली, चितर कोटा छोटका टोली, बड़का टोली समेत आसपास के लगभग 175 लोगों का पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया. शिविर में निःशुल्क दवा वितरण के साथ ही सभी का नेत्र जांच भी की गई, जिनमें पावर चश्मा और मोतियाबिंद का इलाज उपलब्ध कराया गया.

बीना देवी को भावभीनी विदाई, 35 वर्षों की सेवा के लिए मिला सम्मान

शुभम संदेश। इटकी

यक्ष्मा आरोग्यशाला की सेवानिवृत्त कक्षसेविका बीना देवी को एक गरिमामय समारोह में भावभीनी विदाई दी गई. मंगलवार को आरोग्यशाला के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में बीना देवी की 35 वर्षों की समर्पित सेवा को सराहा गया. वक्ताओं ने उनके कार्यकाल को प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का हमेशा निष्ठा से पालन किया. कार्यक्रम में आरोग्यशाला प्रशासन और सहकर्मियों द्वारा बीना देवी को उपहार भेंट किए गए और उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की गई. अधीक्षक डॉ. पीके भगत, डॉ. नम्रता सिन्हा, डॉ. रेणु तिर्की, कौशर आलम, प्रियरंजन, राकेश गोप, शमीम अंसारी, निर्माला तिर्की, कंचन माला, मनोज कुमार, सुरेश ठाकुर सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित रहे. समारोह भावुक वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें सहकर्मियों ने बीना देवी के साथ बिताए पलों को याद किया और उनके अनुभवों से प्रेरणा लेने की बात कही.

संयुक्त मोर्चा की बैठक में हड़ताल को सफल बनाने पर हुई चर्चा

शुभम संदेश। पिपरवार

सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के कार्यालय में मंगलवार शाम संयुक्त मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में 9 जुलाई को केंद्रीय श्रमिक संगठनों के आह्वान पर प्रस्तावित देशव्यापी एक दिवसीय हड़ताल को सफल बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई. हड़ताल को सफल बनाने के लिए पिपरवार क्षेत्र के सभी परियोजना कार्यालयों और पीट ऑफिसों में गेट मीटिंग, पीट मीटिंग तथा व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्णय लिया गया. इसके अलावा संयुक्त मोर्चा के सदस्यों द्वारा परियोजनाओं में जाकर कोयला मजदूरों के बीच जागरूकता अभियान चलाने की योजना बनाई गई.

बैठक में सभी संगठनों एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों से एकजुट होकर हड़ताल में भाग लेने की अपील की गई. बैठक में प्रमुख रूप से रविंद्रनाथ सिंह, अरविंद शर्मा, इस्लाम अंसारी, भीम सिंह यादव, विद्यापति सिंह, इकबाल हुसैन, कासिम उर्फ मुन्ना, मोहम्मद अब्दुल्ला, अनिल कुवंर, ऋषिकेश मिश्रा, कयूम अंसारी, अनिल सिंह, धनेश्वर गंझु समेत कई लोग उपस्थित थे.

सांसद प्रतिनिधि ने डीसी को सौंपा अनुशंसा पत्र

पिपरवार। हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल द्वारा पिपरवार क्षेत्र के पंचायतों में समग्र विकास हेतु तैयार 114 योजनाओं का अनुशंसा पत्र जिला सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह ने उपायुक्त कीर्तिश्री को सौंपा. इस अनुशंसा पत्र में बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और सौंदर्यीकरण से जुड़ी योजनाएँ शामिल हैं. बचरा दक्षिणी पंचायत के तहत बाजारटांड़ में पेभर ब्लॉक, उच्च विद्यालय में स्टेम लाइब्रेरी और लैब, एयर प्यूरीफायर की स्थापना, पिलाई डैम का गहरीकरण व पुल चौड़ीकरण, सामुदायिक भवन व स्वास्थ्य केंद्र सहित 27 योजनाएँ प्रस्तावित हैं.

खिजरी महली टोली में जलजमाव से हालात गंभीर, राहत की मांग

शुभम संदेश। नामकुम

खिजरी प्रखंड की महली टोली में लगातार भारी बारिश के चलते जलजमाव की स्थिति गंभीर हो गई है. पानी कई घरों में घुस चुका है और मकानों को नुकसान पहुंचा है. इस समस्या को लेकर सोमवार को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर और रांची जिला ग्रामीण महिला मोर्चा की अध्यक्ष नेहा सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बारिश के कारण सोनी महली का घर पूरी तरह ढह गया है, जबकि वज्रपात से जयंती महली के घर में दरारें आ गई हैं. वहीं फूलो महली, दीपा महली और आरती महली के घरों की छतें टपक रही हैं और फर्श से पानी निकल रहा है, जिससे रहना मुश्किल हो गया है. कई परिवारों के सदस्य बीमार भी हो गए हैं. आरती कुजूर ने बताया कि महली टोली के अधिकतर लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं, लेकिन अब तक इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है. सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर आवास योजना का लाभ दिया जाए या तत्काल वैकल्पिक आवास की व्यवस्था की जाए,

लापुंग: छात्र-छात्राओं को दी गई बैंकिंग योजनाओं की जानकारी

शुभम संदेश। लापुंग

प्रखंड स्थित राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक ककरिया शाखा के तत्वावधान में एक दिवसीय वित्तीय साक्षरता समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के टॉपर्स को सम्मानित किया गया और छात्र-छात्राओं को बैंकिंग योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश कुमार वर्मा उपस्थित थे. उन्होंने बैंकिंग के मूलभूत पहलुओं को स्पष्ट करते हुए छात्रों को बैंकिंग प्रणाली से जुड़ने के लाभ बताए. उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं बैंकिंग से जुड़कर न सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं, बल्कि अपने भविष्य को भी एक नई दिशा दे सकते हैं. बैंक शाखा प्रबंधक प्रिय नारायण झा ने 'गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड' योजना की जानकारी साझा करते हुए बताया कि झारखंड सरकार के सहयोग से 15 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण न्यूनतम ब्याज दर पर दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें. विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा आरती कुजूर ने बैंक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया. समारोह में विद्यालय के टॉपर्स ज्योति कुमारी, बिरसा उरांव, अनिल हेरेंज, इमरान अंसारी, रंजीत सिंह और सृष्टि कुमारी को सम्मानित किया गया. इस मौके पर कई शिक्षक-शिक्षिकाएं और बैंक कर्मचारी उपस्थित रहे.

सीसीएल अंतर क्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का शुभारंभ

शुभम संदेश। पिपरवार

आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया की मेजबानी में मंगलम ऑफिसर्स क्लब, बचरा में मंगलवार से दो दिवसीय सीसीएल अंतर क्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया के महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि सीसीएल के खेल अधिकारी आदिल हुसैन थे. अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल और पौधा देकर किया गया. इसके बाद दीप प्रज्वलन कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया. प्रतियोगिता में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की टीमें भाग ले रही हैं. अपने संबोधन में जीएम अमरेश कुमार सिंह ने कहा कि पहली बार आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया को इस स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है, जो क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने कहा कि सीसीएल न केवल कोयला उत्पादन में अग्रणी है, बल्कि खेलकूद को भी बढ़ावा दे रही है. बताया कि सीसीएल हर वर्ष इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है, जिससे क्षेत्रीय खिलाड़ियों को मंच मिलता है.

एक नजर

पुलिस ने बरामद किए चोरी के बैल, दो गिरफ्तार

गुमला। चैनपुर थाना क्षेत्र के बरवेनगर गांव में गुरुवार रात चोरी गई एक बैल को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है. इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. बरवेनगर निवासी हसद मियां ने बताया कि गुरुवार की रात उनके बैल को अज्ञात चोरों ने चुरा लिया था. सुबह जब परिवार के सदस्यों ने बैल को अपने घर में नहीं देखा तब घटना की शिकायत चैनपुर थाना में की. चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. जिसमें एसआई दिनेश कुमार, विजय उरांव और अन्य जवान शामिल थे. पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खोजबीन शुरू की और सघन जांच के बाद बरवेनगर निवासी कलीम खान और रमजान मियां को गिरफ्तार कर लिया. इन दोनों को अपराध स्वीकार किया.दोनों अभियुक्त को न्यायालय में पेश जेल भेज दिया गया है.

गुमलाः उपायुक्त ने सुनी आम लोगों की समस्या

गुमला । उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में मंगलवार को होने वाले साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने लगभग 50 आवेदकों की समस्याओं सुनी और त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभाग को अग्रसारित किया गया. जानकारी के अनुसार गांव से आए फरियादियों ने मुख्य रूप से बरसात के दिन सड़क की स्थिति, बिजली, पानी, भूमि विवाद, भूमि सीमांकन, सरकारी सहायता,आयुष्मान कार्ड निर्गत करने ,रोजगार,दुकान आवंटन,गाय शेड की राशि, भूमि अधिग्रहण की राशि, जमीन ऑनलाइन करने, चिकित्सा सहायता,आर्थिक सहायता एवं शिक्षा से संबंधित समस्या लेकर आए थे. बिशुनपुर प्रखंड के अमटीपानी के ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केंद्र सहायिका की चयन पर अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाया है. इस मामले में उपायुक्त ने जांच के आदेश दिए हैं.कोटाम निवासी बुधनी उरांव ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण उसका घर गिर गया है. जन समस्या निवारण में उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो सहित अन्य अधिकारी शामिल थे. डीसी ने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए हैं.

लोहरदगा कोषागार में स्थायी पदाधिकारी की मांग

लोहरदगा। झारखंड राज्य पेंशनर समाज, लोहरदगा की मासिक बैठक पेंशनर भवन में देवमनी कुमारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में भारत सरकार द्वारा पेंशन वितरण से संबंधित जानकारी विस्तार से दी गई. जिला सचिव महेश कुमार सिंह ने 23 जून 2025 को पेंशनरों की मांगों से संबंधित मेगा संलेख उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजने के लिए सभी को धन्यवाद दिया.पेंशनरों ने बताया कि कोषागार में स्थायी पदाधिकारी नहीं होने के कारण पेंशन में देरी हो रही है. जून माह में पेंशन चौथे सप्ताह में मिली, जिससे पेंशनधारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. पिछले तीन महीनों से लगातार यह समस्या बनी हुई है.बैठक में महेश कुमार सिंह, मोहन मिंज, हरिमोहन सिंह, जयगोविन्द साहू, वरदानी बेक, अविनाश कच्छप, ग्रेस कच्छप, बीसनी उराइन, लोलेन देवी, संगीता लकड़ा, आशामनी लकड़ा समेत बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित थे.

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

भंडरा/लोहरदगा। आगामी मुहर्रम एवं घूरती रथ यात्रा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को भंडरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने की.थाना प्रभारी ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनाना है. मुहर्रम को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार के भड़काऊ गाने या भाषण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखने की बात कही गई.उन्होंने स्पष्ट किया कि ताजिया जुलूस पूर्व निर्धारित रूट से ही निकाला जाएगा और किसी को भी नियम से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं होगी. किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत थाना को सूचित करने की अपील की गई.बैठक में रथ मेला समिति के राधा मोहन शर्मा, प्रखंड सदर आफताब आलम, मुखिया सुमंती तिग्गा, जगजीवन उरांव, कैली उरांव, जुल्फाण अंसारी, मंसूर अंसारी, मुबारक अंसारी, गुलाम मुस्तफा, निरंजन उरांव समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

आदर्श ग्राम योजना को लेकर विशेष ग्राम सभा आयोजित

भंडरा/लोहरदगा। भौंरो पंचायत परिसर में आदर्श ग्राम योजना के तहत मंगलवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया. ग्राम पंचायत की मुखिया सुमंति तिग्गा की अध्यक्षता में हुई इस सभा में पंचायत क्षेत्र के विकास एवं ग्रामीणों की आजीविका में वृद्धि को लेकर व्यक्तिगत और सामूहिक योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई.सामूहिक योजनाओं के अंतर्गत मसाला पैकिंग, मुरही भूनने की मशीन, कृषि कार्य हेतु सोलर पंप सेट, मुर्गी पालन, गाय एवं बकरी पालन, दोना-पत्तल निर्माण के लिए प्रशिक्षण व मशीन उपलब्ध कराने जैसे प्रस्ताव रखे गए. इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर देने तथा गांव को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास किया जाएगा.बैठक में स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, आपूर्ति, आंगनबाड़ी एवं आजीविका मिशन से जुड़े प्रखंड और जिला स्तर के अधिकारी भी उपस्थित रहे. सभी ने मिलकर भौंरो पंचायत को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया.

गुमला में भाजपा का प्रदर्शन, फूंका पुतला

गुमला । शहीद सिद्धू कान्हू के जन्म भूमि भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर शहीद के वंशज पर सोमवार को पुलिस द्वारा की गई लाठी चार्ज के खिलाफ मंगलवार को गुमला के टावर चौक में भाजपा एसटी मोर्चा ने मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन का पुतला फूंका और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. एसटी मोर्चा के नेता ने कहा कि सत्ता के लालच में चूर आदिवासी मुख्यमंत्री आदिवासी पर ही अत्याचार कर रहा है. भाजपा एसटी मोर्चा आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. भाजपाइयों ने मामले की जांच कर दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और आदिवासियों की रक्षा करने में विफल मुख्यमंत्री को अपने पद से त्याग पत्र देने की मांग की. प्रदर्शन कारी भाजपाइयों में देवेंद्र लाल उरांव, छोटेलाल उरांव, निर्मल गोयल, दामोदर कसेरा, शैल मिश्रा, सुजीत नंदा, श्याम गुप्ता, विकास कुमार सिंह, कौशलेंद्र जमुआर आदि शामिल थे.

मंथन

झारखंड की सहकारिता को संजीवनी की दरकार

दिल्ली में आयोजित सहकार से समृद्धि मंथन कार्यक्रम में झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जिस बेबाकी से राज्य की सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों को रखा, वह सराहनीय है. यह स्पष्ट संकेत है कि राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं को पुनर्जीवित करने के लिए केंद्र से ठोस मदद चाहती है. झारखंड में 4,400 से अधिक एमपीसीएस (बहुद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समिति) कार्यरत हैं, लेकिन इनमें अधिकांश आर्थिक रूप से जूझ रही हैं. सरकार द्वारा 28 करोड़ वर्किंग कैपिटल के रूप में प्रदान करना सकारात्मक पहल है, पर यह स्पष्ट है कि यह राशि समुचित नहीं है. मंत्री का यह आग्रह कि केंद्र चयनित एमपीसीएस को वित्तीय मदद दे, न केवल वाजिब है बल्कि समय की मांग भी है. भंडारण क्षमता की 57% कमी और पैक्स की अंशदान देने में अक्षमता, झारखंड की कृषि व्यवस्था की बुनियादी समस्याओं को उजागर करती है. यदि किसान अपनी उपज का भंडारण ही न कर सकें तो मूल्यवर्धन और मुनाफे की बात बेमानी हो जाती है. ऐसे में मंत्री द्वारा गोदाम निर्माण में 100% केंद्रीय अनुदान की मांग उचित है. एससी–एसटी को सहकारी संस्थाओं में प्रतिनिधित्व देने और आरक्षण जैसी व्यवस्थाएं सामाजिक समावेश को बढ़ावा देंगी. सहकारिता, आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तीकरण का भी माध्यम है. केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा राज्यों की व्यावहारिक जरूरतों को समझते हुए नीतिगत बदलाव का भरोसा देना उम्मीद जगाता है. अब यह ज़रूरी है कि यह भरोसा ठोस योजनाओं और संसाधनों में तब्दील हो, ताकि झारखंड की सहकारिता व्यवस्था भी आत्मनिर्भरता और समृद्धि की राह पर अग्रसर हो सके.

नजरिया

राज्य में प्रशासनिक भ्रष्टाचार का विकराल चेहरा अब सामने

राज्य में शराब घोटाले में पहले से ही जेल में बंद निलंबित आईएएस विनय चौबे अब 2.75 एकड़ खासमहाल ज़मीन घोटाले में भी फंसते नजर आ रहे हैं. यह न केवल प्रशासनिक नैतिकता का ह्रास है, बल्कि न्याय व्यवस्था की अवहेलना भी है. वर्ष 2008 से 2010 के बीच हजारीबाग के उपायुक्त के रूप में कार्यरत रहते हुए विनय चौबे पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी ज़मीन को फर्जी दस्तावेजों से 23 निजी व्यक्तियों के नाम निबंधित करवा दिया. इससे पहले 1948 में सेवायत ट्रस्ट को दी गई यह ज़मीन 1978 में लीज समाप्त होने के बाद खाली पड़ी थी. झारखंड हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद इस ज़मीन को निजी स्वामित्व में स्थानांतरित करना एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है. अब जबकि एसीबी इस मामले में केस दर्ज करने की तैयारी में है और राज्य सरकार से अनुमति की प्रतीक्षा कर रही है, यह समय है जब भ्रष्टाचार के ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई की जाए. चौबे के खिलाफ लंबित अन्य जांचों की फाइलों को भी दोबारा खोलना यह संकेत है कि झारखंड की भ्रष्टाचार विरोधी प्रणाली धीरे-धीरे सजग हो रही है. यदि ऐसे मामलों में दोषियों को कठोर दंड नहीं मिला, तो यह संदेश जाएगा कि सत्ता और प्रशासन में बैठे लोग कानून से ऊपर हैं. झारखंड जैसे खनिज संपन्न, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से कमजोर राज्य के लिए यह निर्णायक अवसर है- व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की स्थापना का. उम्मीद है कि हेमंत सरकार भ्रष्टाचार पर अब कोई समझौता नहीं करेगी.

दहकती धरती बनी विश्व के लिए चुनौती

राजेन्द्र सिंह

भारत जलवायु परिवर्तन के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील देश बन गया है.

इस मामले में केंद और राज्य सरकारें भी संजीदा दिख रही हैं, जो एक शुभ संकेत है. अब जरूरत है आम जनमानस को व्यापक पौधरोपण अभियान से जुड़ने की, तभी देश में इसके सकरात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं.

जलवायु परिवर्तन से बढ़ता तापमान वैश्विक संकट है, जिसके प्रभाव पर्यावरण, समाज, और अर्थव्यवस्था पर गहरे और दीर्घकालिक हैं. इसके समाधान के लिए सरकारों, उद्योगों, वैज्ञानिकों, और व्यक्तियों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है. भारत, जो दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जलवायु परिवर्तन के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है. इसके तटीय एवं हिमालयी क्षेत्र, और कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था इसे जोखिम में डालते हैं. इस खतरे से निपटने के लिए भारत ने राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना, इंटरनेशनल सोलर अलायंस और स्मार्ट सिटी जैसी कई पहल शुरू की हैं.

पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित करने का लक्ष्य तय किया गया है. जिसमें भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का वादा किया है. विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 1850-1900 की तुलना में वैश्विक औसत तापमान में लगभग 1.1 डिग्री की वृद्धि हो चुकी है. जलवायु परिवर्तन मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण होता है, जो वातावरण में गर्मी को रोककर पृथ्वी के तापमान को बढ़ाते हैं. औद्योगिक क्रांति के बाद से, मानवीय गतिविधियों ने इन गैसों के उत्सर्जन को तेजी से बढ़ाया है. नतीजतन, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, और मौसम की चरम घटनाएं अधिक तीव्र और बार-बार हो रही हैं. भारत जैसे विकासशील देशों में, जहां कृषि और जल संसाधनों पर निर्भरता अधिक है, यह समस्या और भी गंभीर है.

बढ़ते तापमान के कारण गर्मी की लहरें अधिक तीव्र और बार-बार हो रही हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी गर्मी से संबंधित बीमारियां बढ़ रही हैं. हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों में पानी की उपलब्धता अनिश्चित हो रही है. उदाहरण के लिए, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां, जो भारत और दक्षिण एशिया की जीवनरेखा हैं, प्रभावित हो रही हैं.अनियमित मानसून और सूखे ने जल संकट को और गहरा दिया है, जिससे पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की कमी हो रही है. तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा से फसलों की पैदावार भी प्रभावित हो रही है. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार, गेहूं और चावल जैसी प्रमुख फसलों की उत्पादकता में कमी देखी जा रही है. तापमान वृद्धि के कारण चक्रवात, बाढ़, सूखा, और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ रही हैं. भारत में, केरल (2018, 2019) व उत्तराखंड (2021) की बाढ़ इसका उदाहरण हैं. प्राकृतिक आपदाओं से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हो रहा है. विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से विकासशील देशों को सालाना अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है.कृषि और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता की कमी से आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ रहा है.

इस खतरे को कम करने के लिए भारत सरकार सौर, पवन, और जलविद्युत जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दे रही. इसके साथ ऊर्जा-कुशल उपकरणों, इमारतों, और परिवहन प्रणालियों को प्राथमिकता दी जा रही है. परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना इस कवायद का हिस्सा है. वहीं भारत ने अपनी राष्ट्रीय वन नीति के तहत 33% भूमि को वन क्षेत्र बनाने का लक्ष्य रखा है. कार्बन उत्सर्जन में कमी करने के साथ उद्योगों में स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाकर भी चुनौती से निपटा जा सकता है. सरकारी प्रयासों के अलावा आम आदमी को भी भविष्य की चुनौती से लड़ने के लिए तैयार होना होगा.

भारतीय जनमानस को स्कूलों, समुदायों और मीडिया के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और समाधानों के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है. पानी और बिजली की बचत, पुनर्चक्रण, और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग जैसे छोटे-छोटे कदम इस अभियान का अहम हिस्सा हैं. स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान के माध्यम से इस वैश्विक चुनौती से निपटा जा सकता है. लोग अधिक से अधिक पौधरोपण करें, पौधों का दान भी चलन में लाना होगा. जिससे लोग पर्यावरण के प्रति जागरुक हो सकें. भारत जैसे देशों के लिए, जहां संसाधन सीमित हैं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नवाचार महत्वपूर्ण हैं. यदि हम अभी कार्रवाई नहीं करते, तो भविष्य की पीढ़ियों को इसका भारी मूल्य चुकाना पड़ सकता है.

पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री एवं योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अकेले उत्तर प्रदेश में 210 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं. यही प्रयास देश की अन्य राज्य सरकारे भी कर रही हैं इसके अतिरिक्त, भारतीय वन सर्वेक्षण (आईएसएफआर) 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, केवल उत्तर प्रदेश में 559.19 वर्ग किलोमीटर वन और वृक्ष आच्छादन में वृद्धि हुई है. फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट देहरादून की थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग के अनुसार, यूपी का ग्रीन कवर पिछले 8 सालों में 3.38 लाख एकड़ बढ़ा है और वन क्षेत्र के बाहर वृक्षावरण में 3.72 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है.

सरकारी प्रयासों से लगाए गए पौधों में 70-75 प्रतिशत जीवित हैं, जबकि निजी और स्वैच्छिक संगठनों द्वारा लगाए गए पौधों की जीवितता दर 65-70 प्रतिशत है. वन विभाग के अनुसार, 2021-22 में 77 प्रतिशत, 2022-23 में 84 प्रतिशत, 2023-24 में 90 प्रतिशत, और पिछले साल 96 प्रतिशत पौधे जीवित रहे. यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के वृहद पौधरोपण अभियानों और जनसहभागिता के कारण संभव हुई है. इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारे भी संजीदा दिख रही है जो एक शुभ संकेत है अब जरूरत है आम जन मानस को इस अभियान से जुड़ने की तभी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं. **(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं.)**

आज का इतिहास

1908: सर अरबिंदो को माणिकटोला बम कांड में गिरफ्तार किया गया.
1956: तमिल फिल्मकार मणि रत्नम का जन्म.
1988: बॉलीवुड के शोमैन राज कपूर का निधन.
1996: उक्रेन अंतिम परमाणु युद्धास्त्र रूस को सौंपने के साथ परमाणु मुक्त देश बना.
2000: पाकिस्तान की कोर्ट ने नवाज शरीफ़ की उम्रकैद को मृत्युदंड में बदलने संबंधी याचिका स्वीकार की.
2003: म्यांमार की आन सांग सू की की गिरफ़्तारी के बाद देश की सभी शिक्षण संस्थाएं बंद.
2006: अमेरिका ने दाऊद इब्राहीम तथा उसके संगठन पर प्रतिबंध लगा.
2012: मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति होस्नी मुबारक को 2011 में अरब क्रांति के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या का आदेश देने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई.
2014: तेलंगाना भारत का 29 राज्य बना.

मधुर व्यवहार से पराए भी अपने हो जाते हैं...

चिंतन

यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर ने अपने छात्रों को एसाइनमेंट दिया. विषय था मुंबई की धारावी में रहते 10 से 13 साल के लड़कों के बारे में अध्ययन करना और उनके घर की तथा सामाजिक परिस्थितियों की समीक्षा करके भविष्य में वे क्या बनेंगे, इसका अनुमान निकालना. करीब 1 साल लगा एसाइनमेंट पूरा होने में. निष्कर्ष निकला कि उन लड़कों में से 95% बच्चे गुनाह के रास्ते पर जाएंगे. केवल 5% बच्चे ही अच्छा जीवन जी पाएंगे.

एसाइनमेंट तो पूरा हो गया. 25 साल बाद एक दूसरे प्रोफ़ेसर की नज़र इस अध्ययन पर पड़ी,उसने यह कितना सही निकला यह जानने के लिए 3-3 छात्रों की 5 टीम बनाई और धारावी भेज दी. 200 में से कुछ का तो देहांत हो चुका था तो कुछ कहीं चले गए थे. फिर भी 180 लोगों से मिलना हुआ. छात्रों ने जब 180 लोगों की जिंदगी की जानकारी प्राप्त की तो हतप्रभ हो गए. पहले की गयी स्टडी के विपरीत ही परिणाम दिखे.उन में से केवल 4-5 ही मारामारी में जेल गए थे! और बाकी सभी सामान्य ज़िंदगी जी रहे थे. कुछ तो आर्थिक दृष्टि से बहुत अच्छी स्थिति में थे. अध्ययन कर रहे छात्रों व प्रोफ़ेसर अचरज हुआ कि जहां का माहौल गुनाह की और ले जाने वाला था, वहां लोग ईमानदारी की जिंदगी पसंद करें, ऐसा कैसे संभव हुआ? छात्र पुनः उन 180 लोगों से मिले और उनसे ही जानने की कोशिश की. तब हर एक ने कहा कि शायद हम भी ग़लत रास्ते पर चले जाते, परन्तु हमारी एक टीचर के कारण हम सही रास्ते पर चले. छात्रों ने उस टीचर से मिलना तय किया. वे स्कूल गए तो मालूम हुआ कि वे तो रिटायर हो चुकी हैं. फिर तलाश करते-करते वे उनके घर पहुंचे. उनसे सब बातें बताई और फिर पूछा कि आपने उन लड़कों पर ऐसा कौन सा चमत्कार किया कि वे एक सभ्य नागरिक बन गए? शिक्षिका ने कहा : चमत्कार? अरे! मुझे कोई चमत्कार नहीं आता.मैंने तो उनसे मेरी संतानों जैसा ही प्रेम किया. बस, इतना ही! मित्रों, प्रेम व स्नेह से पशु भी वश हो जाते हैं. मधुर संगीत से गौ भी अधिक दूध देती है. मधुर व्यवहार से पराये भी अपने हो जाते है. जो भी काम हम करें थोड़ा स्नेह-प्रेम और मधुरता की मात्रा उसमे मिला के करने लगें तो हमारी दुनिया जरूर सुंदर होगी. आपका दिन मंगलमय हो, ऐसी शुभभावना.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #DoctorsDay
2. #10YearsOfDigitalIndia
3. श्री अखिलेश यादव
4. #GlobeCiviLIPOListed
5. #MPPWD1LakhPlantation
6. #OrganDonation
7. SURIYA 50 BDAY MONTH BEGINS
8. Al Hilal
9. Peace Within
10. Sant Rampal Ji YtChannel

बहुरंग

नेटफ्लिक्स पर 'मौत' का आखिरी खेल शुरू

27 जून से रिलीज हो रही 'स्क्विड गेम 3'

दुनियाभर में तहलका मचाने वाली कोरियन सीरीज 'स्क्विड गेम' अब अपने तीसरे और अंतिम सीजन के साथ एक बार फिर वापसी कर रही है. पहले दो सीजन में जहां मौत के खेल की कहानी ने दर्शकों को हैरान कर दिया, वहीं अब इस सीजन में और भी ज्यादा रोमांच, धोखा और भावनात्मक टकराव देखने को मिलेगा.

कब और कहां देख सकेंगे: 'स्क्विड गेम 3' को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. ये मच अवेटेड सीजन 27 जून 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रहा है. मध्यरात्रि 12 बजे सीजन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो जाएगा. खास बात ये है कि भारत में ये शो दोपहर 12:30 बजे से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा और इसके सभी 6 एपिसोड एक साथ लॉन्च किए जाएंगे. नेटफ्लिक्स के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा गया है- गुड लुक्स देट केन किल'.

कहानी में क्या नया होगा: तीसरे सीजन की शुरुआत वहीं से होती है जहां दूसरा सीजन खत्म हुआ था. प्लेयर 456 यानी गी-हुन इस बार बदले की भावना से खेल में वापस आता है. उसका मकसद है - इस भयानक खेल को हमेशा के लिए खत्म करना. लेकिन इस बार गेम और भी खतरनाक हो चुका है. जहां पिछली बार गेम जीतने के बाद उसे उम्मीद थी कि वो बदलाव ला पाएगा, वहीं अब वह खुद सिस्टम का हिस्सा बनने की कगार पर है. फिनाले में गी-हुन को फ्रंट मैन द्वारा अपने सबसे करीबी दोस्त की मौत का गवाह बनना पड़ता है, जिससे वो टूट जाता है. लेकिन खेल खत्म नहीं होता, बल्कि और खतरनाक हो जाता है.

कौन-कौन हैं कास्ट में : ली जंग-जे फिर से गी-हुन की भूमिका में नजर आएंगे. ली ब्युंग-हुन इस बार भी फ्रंट मैन की भूमिका निभा रहे हैं. साथ ही नए किरदारों में कांग हा-न्यूल (डे-हो), पार्क ग्यू-यंग (नो-ईल), यांग डोंग-ग्यून (योंग-सिक) और जो यूरी (जुन-ही) जैसे सितारे भी शामिल हैं.

क्या इस बार सिस्टम हारेगा

ये सीजन सिर्फ एक सर्वाइवल गेम नहीं बल्कि इंसान की जिद और सिस्टम के खिलाफ उसके संघर्ष की दास्तान है. सवाल ये है कि क्या गी-हुन इस बार गेम को तोड़ पाएगा या फिर वह खुद इस हिंसक सिस्टम का हिस्सा बनकर खत्म हो जाएगा? गौरतलब है ये सीजन इस सीरीज का आखिरी सीजन है, यानी इसके आखिर में कोई ना कोई निष्कर्ष जरूर निकल जाएगा. अब क्या वो गी-हुन के पक्ष में होगा या फिर उसके विपरीत होगा, ये देखना काफी दिलचस्प होगा.

अफेयर की अफवाहों पर एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की 'दंगल गर्ल' फातिमा सना शेख इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं. अब तक कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकीं फातिमा जल्द ही 'आप जैसा कोई नहीं' और 'मेट्रो इन दिनों' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं. हालांकि, इन दिनों उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके अफेयर की खबरें सुर्खियों में हैं. फातिमा का नाम एक्टर विजय वर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है. हालांकि, इस पर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है. फिलहाल फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग फिल्म 'आप जैसा कोई' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं. हाल ही में मुंबई में हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान मीडिया ने जब उनसे उनके रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर सवाल किया तो उन्होंने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया. एक्ट्रेस ने साफ कहा, मैं सिंगल हूं. इसके बाद जब फातिमा से पूछा गया कि उनके मुताबिक एक सफल रिश्ते की परिभाषा क्या है, तो उन्होंने बड़ी खूबसूरती से जवाब दिया, ₹मेरे लिए एक परफेक्ट रिलेशनशिप वही होता है, जिसमें दोनों एक-दूसरे का सम्मान करें, एक-दूसरे को समझें और साथ मिलकर आगे बढ़ें.₹ उनके इस बयान ने रिश्तों को लेकर उनकी सोच को खूबसूरती से बयां किया. बाद में अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर खुलकर बात करते हुए फातिमा सना शेख ने मुस्कुराते हुए कहा, ₹आजकल अच्छे लड़के मिलना बड़ा मुश्किल हो गया है. वो तो अब सिर्फ फिल्मों में ही नजर आते हैं, असल ज़िंदगी में तो जैसे खो ही गए हैं.फातिमा और विजय वर्मा जल्द ही फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में एक साथ नजर आने वाले हैं. फिल्म का पोस्टर रिलीज हो चुका है और दर्शकों में इसे लेकर खासा उत्साह है. इस रोमांटिक ड्रामा में नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. सुख आरोग्य प्रभावित होगा. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. किसी नजदीकी शुभचिंतक की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. शुभांक-5-6-7

वृष : नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा. मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा. आत्मचिंतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. पुरुषार्थ का सहारा लें. यात्रा का योग बनेगा. विद्यार्थियों को लाभ. शुभांक-5-7-8

मिथुन : दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. शिक्षा में परेशानी आ सकती है. स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें. व्यापार में वृद्धि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. स्वविवेक से कार्य कर. शुभांक-4-6-7

कर्क : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. कामकाज की अधिकता रहेगी. शुभांक-4-6-7

सिंह : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा. आमोद-प्रमोद का दिन होगा. व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-6-7-9

कन्या : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. उन्नति के याग हैं. शुभांक-4-5-7

तुला : नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी. कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ. विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें. राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें. जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें. नये आगंतुकों से लाभ होगा. जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें. शुभांक-7-8-9

वृश्चिक : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें. रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. शुभांक-4-6-8

धनु : कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी. नियोजित धन से लाभ होने लगेगा. घर वाले मदद करेंगे. शुभांक-5-7-9

मकर : बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ : सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम. व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. धार्मिक यात्रा का योग हैं. शुभांक-5-6-7

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं. 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-4-6-8

'कन्नप्पा' फेम एक्टर विष्णु मांचू का खुलासा

शिवलिंग वाले दृश्य समेत कई संवेदनशील सीन में हुए बदलाव

साउथ स्टार विष्णु मांचू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कन्नप्पा' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. 27 जून को रिलीज होने वाली विष्णु मांचू की फिल्म 'कन्नप्पा' में कुछ सींस में बदलाव किए गए हैं. इसका खुलासा खुद विष्णु मांचू ने एक इंटरव्यू के दौरान किया है.

सेंसर बोर्ड के कट्स : 123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, विष्णु मांचू ने बताया कि सेंसर बोर्ड ने हिंदी रिलीज के लिए कुछ सीन में बदलाव की मांग की. खासतौर पर, शिवलिंग पर पैर रखने और मूर्ति पर मुंह से पानी डालने जैसे दृश्यों को संवेदनशील माना गया. लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, फिल्म की टीम ने इन दृश्यों को हटाने या मामूली संपादन करने का फैसला किया. इसका उद्देश्य कहानी की प्रामाणिकता को बनाए रखते हुए दर्शकों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाना है.

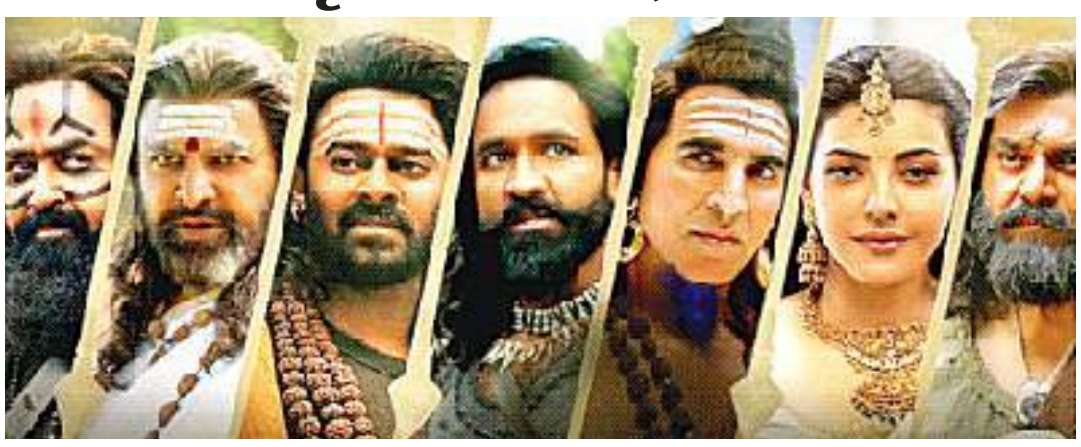

बदली गई फिल्म की रिलीज : पहले फिल्म 'कन्नप्पा' 25 अप्रैल 2025 को तेलुगु और तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के डब संस्करणों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन वीएफएक्स वृद्धि और पोस्ट-प्रोडक्शन के मुद्दों के कारण इसमें देरी हुई. अब यह फिल्म 27 जून 2025 को कई भाषाओं में रिलीज होगी.

फिल्म का निर्माण और निर्देशन : फिल्म का निर्देशक मुकेश कुमार सिंह और निर्माण मोहन बाबू ने किया है. इस फिल्म का संगीत स्टीफन देवसी और मणि शर्मा ने तैयार किया है. यह एक पौराणिक ड्रामा फिल्म है. यह फिल्म न केवल दक्षिण भारत बल्कि उत्तर भारत में भी दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार है. विष्णु की इस फिल्म की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

फिल्म कन्नप्पा : विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी फिल्म 'कन्नप्पा' 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है, जो अपनी स्टार कास्ट और पौराणिक कथानक के कारण चर्चा में है. इस अखिल भारतीय फिल्म में प्रभास, मोहनलाल, अक्षय कुमार, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल, सरथकुमार, प्रीति मुकुंधन और मधुबाला जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं. निर्देशक मुकेश कुमार सिंह ने भक्त कन्नप्पा की भगवान शिव के प्रति अटूट भक्ति को दर्शाने का प्रयास किया है.

शिवलिंग की तरह दिखता है आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी'

आयरलैंड में एक खास पत्थर है जिसे लोग कई बार शिवलिंग समझने लगते हैं। सोशल मीडिया पर भी खूब इसके चर्चे थे, लेकिन वास्तव में यह खास आकार का शिवलिंग नहीं, बल्कि आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी' है। इसे बोलने वाला पत्थर भी कहा जाता है। यह लिआ फेइल पत्थर आयरलैंड के काउंटी मीथ में तारा पहाड़ी पर स्थित है। वास्तव में यह वहां के राजाओं के लिए राज्याभिषेक पत्थर के रूप में पहचाना जाता है। इसकी ऊंचाई तीन फीट तीन इंच है। इस पत्थर को लेकर मान्यताएं है कि जब आयरलैंड के राजा ने इस पर पैर रखा था, तो खुशी से यह पत्थर दहाड़ने लगा था।

बेहद खूबसूरत है नीदरलैंड का 36 मीटर ऊंचा पिरामिड, अनूठी है ज्यामिति आकृति

नीदरलैंड का ये पिरामिड अपनी अनोखी संरचना के लिए जाना जाता है। इसकी ज्यामिती आकृति बेहद खूबसूरत है। इस पिरामिड को साल 1804 में तैयार किया गया था। इस पिरामिड को फ्रेंच जनरल ने तैयार कराया था। यह फ्रेंच जनरल नेपोलियन बोनापार्ट की सेना का हिस्सा रहा है। यह पिरामिड मिस्त्र में गीजा के पिरामिड से प्रभावित है। इस पिरामिड की ऊंचाई 36 मीटर है, जो कि अब नीदरलैंड की राष्ट्रीय धरोहर बन गया है।

स्टेट हाईवे को कैसे मिलता है नेशनल हाईवे का दर्जा?

आप अक्सर राज्य की सड़कें या नेशनल हाईवे से होकर गुजरे होंगे, लेकिन क्या आपको ये पता है कि कुछ सड़कों को नेशनल हाईवे क्यों कहा जाता है? ये आम सड़कें कब और कैसे नेशनल हाईवे में बदल दी जाती हैं? आपको बता दें, राज्य की सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्गों में बदलने में एक औपचारिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है। सड़कों को नेशनल हाईवे में बदलने के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों के बीच सहमति होना जरूरी होता है। इसके अलावा कुछ नियम, सिद्धांत और मानक भी तय किए जाते हैं। जब ये मानदंड राज्य की सड़कों से मेल नहीं खाते हैं तो इन्हें एनएच की मान्यता नहीं दी जाती है।

भारत में कितनी तरह की होती हैं सड़क?

देश की अर्थव्यवस्था में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी सामानों का आयात-निर्यात करने के लिए के लिए सड़क मार्ग ही काम आता है। सड़क सामानों को कहीं भी पहुंचाने के सबसे आसान जरिया होता है। यही कारण है कि सड़कों को देश के विकास की रीढ़ माना जाता है। जानकारी के लिए बता दें, देश में सड़कें 3 कैटेगरी में बांटे हुए हैं- राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाईवे), राजकीय राजमार्ग (स्टेट हाईवे), जिला और ग्रामीण सड़कें।

स्टेट हाईवे, राज्य की राजधानी को उसके जिला मुख्यालयों, प्रमुख शहरों और अन्य राजमार्गों से जोड़ती है। इनके देखभाल की जिम्मेदारी राज्य सरकार के हाथों में होती है। कुछ मानकों को पूरा करने के बाद स्टेट हाईवे और अन्य सड़कों को भी नेशनल हाईवे का दर्जा दिया जाता है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई 2023 में बताया था कि किसी सड़क को नए राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित करने के लिए उन्हें कुछ मानदंडों को पूरा करना जरूरी होता है। मानदंड कुछ इस प्रकार हैं-

- नेशनल हाईवे की श्रेणी में वही आएंगे, जो सड़कें देश की लम्बाई/चौड़ाई से होकर गुजरती हों।
- वैसी सड़क जो नजदीकी देशों, प्रमुख बंदरगाहों, गैर-प्रमुख बंदरगाहों, बड़े औद्योगिक या पर्यटन केंद्रों और राष्ट्रीय राजधानियों को राज्य की राजधानी से जोड़ती हों।
- पहाड़ी और पृथक क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामरिक आवश्यकता हो।
- वैसी सड़कें जो यात्रा की दूरी को कम करती हों और पर्याप्त आर्थिक विकास हासिल करने में भी सक्षम हों।
- सड़कें जो पिछड़े क्षेत्र और पहाड़ी क्षेत्र के बड़े भूभाग से मिलती हों।
- वैसी सड़कें जो 100 किमी की राष्ट्रीय राजमार्ग ग्रिड की उपलब्धि में योगदान देती हों।
- पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल रखने वाली सड़कें।

यह है भारत का सबसे पुराने हाईवे, जानिए इसके बारे में 3 खास बातें

भारत का सबसे पुराना हाईवे जीटी रोड या ग्रैंड ट्रंक रोड है। यह हाईवे सिर्फ भारत में ही, बल्कि दूसरे देशों तक भी जाता है। चलिए हम आपको इसके बारे में कुछ खास बातें बताते हैं। हमारे देश में 599 नेशनल हाईवे पर अगर आपसे कोई यह सवाल पूछे कि भारत का सबसे पुराना हाईवे कौन सा है, तो क्या आप इसका जवाब दे पाएंगी? अगर आप इसका जवाब जानना चाहती हैं, तो इस लेख को अंत तक जरूर पढ़ें क्योंकि हम आपको बताने जा रहे हैं भारत के सबसे पुराने हाईवे ग्रैंड ट्रंक रोड के बारे में कुछ खास बातें।

कब बना यह हाईवे?

भारत का सबसे पुराना हाईवे ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के दौरान हुआ था। इसे सोलहवीं शताब्दी में शेरशाह सूरी ने पक्का कराया था। इस पर जगह-जगह दूरी मापने के लिए पेड़ भी लगाए गए थे। एक कोस में 3.22 किलोमीटर की दूरी होती थी। सिर्फ यही नहीं, यात्रियों के रुकने के लिए कमरे, उस समय इस रोड पर पशुओं को बांधने की जगह और पानी के लिए एक कुआं भी बना होता था।

कहां तक जाता है यह हाईवे?

यह हाईवे सिर्फ देश में ही नहीं खत्म होता, बल्कि दूसरे देशों तक भी जाता है। आपको बता दें कि यह हाईवे बांग्लादेश से शुरू होकर यह बर्दवान, आसनसोल, सासाराम, प्रयागराज, अलीगढ़, दिल्ली, अमृतसर और फिर पाकिस्तान के लाहौर और रावलपिंडी से होते हुए अफगानिस्तान तक जाता है।

इस हाईवे के थे कई नाम

भारत में NH-1, NH-2, NH-5 और NH-91 भी इसी हाईवे का हिस्सा है। इस हाईवे का नाम भी कई बार बदला जा चुका है। यह सड़क उत्तर भारत में है, इसलिए सबसे पहले इसको उत्तरापथ कहा जाता था। बाद में सड़क-ए-आजम, बादशाही सड़क, द लॉन्ग रोड रखा गया। ग्रैंड ट्रंक रोड पुराना होने के साथ-साथ बहुत लंबा भी है। भारत में ऐसे कई अन्य हाईवे हैं जो देश के सबसे लंबे नेशनल हाईवे लिस्ट में शामिल हैं। एनएच 27 देश का दूसरा सबसे बड़ा हाईवे है। यह हाईवे लगभग 7 राज्यों और लगभग 27 शहरों से होकर गुजरता है। वहीं देश के तीसरा सबसे बड़ा नेशनल हाईवे का खिताब एनएच-48 के पास है। इस हाईवे की कुल लम्बाई लगभग 2,807 किलोमीटर है। यह भारत की राजधानी दिल्ली से शुरू होकर दक्षिण भारत के चेन्नई में जाकर समाप्त होती है। इसके अलावा एनएच 52 देश का चौथा सबसे लंबा हाईवे एनएच-52 है। यह करीब 2,317 किलोमीटर लंबा है।

सनातन धर्म की अनमोल देन "गुरु शिष्य परम्परा"

श्रीमती बबीता गांगुली

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं अत्यंत प्राचीन और समृद्ध हैं। उनमें से एक अनमोल परंपरा है – 'गुरु – शिष्य परंपरा'। वर्तमान में अधिकांश लोगों का जीवन भागदौड़ तथा समस्याओं से ग्रसित है। जीवन में मानसिक शांति एवं आनंद प्राप्त करने के लिए कौन सी साधना, कैसे करें, इसका यथार्थ ज्ञान गुरु ही करवाते हैं। यह परंपरा केवल ज्ञान के हस्तांतरण का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, आत्मा के उत्थान और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का आधार भी रही है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ स्थान दिया गया है।

संत कबीर कहते है –

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥"

गुरु का महत्व: 'गुरु' शब्द का अर्थ होता है 'अंधकार (अज्ञान) को दूर कर प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाने वाला'। गुरु वह होता है जो शिष्य के जीवन को दिशा देता है, उसके भीतर स्थित आत्मा को जागृत करता है और उसे आत्मबोध की ओर ले जाता है

"गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥"

यह श्लोक गुरु के महत्व और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान के प्रति आभार व्यक्त करता है, जो हमें अज्ञान के अंधकार से निकालकर सत्य का प्रकाश दिखाते हैं। यह गुरु को सर्वोच्च स्थान देता है, जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान ही शक्ति और महिमा रखते हैं।

ईश्वर और गुरु एक ही हैं : गुरु अर्थात ईश्वर का साकार रूप और ईश्वर अर्थात गुरु का निराकार रूप। किसी बैंक की अनेक शाखाएँ होती हैं। उनमें से किसी भी स्थानीय शाखा में खाता खोलकर पैसे जमा किए जा सकते हैं। ऐसा करना सरल भी होता है। यह आवश्यक नहीं कि मुख्य कार्यालय में जाकर ही पैसे जमा किए जाएं। वहाँ जाने का कष्ट करने की आवश्यकता नहीं होती। उसी प्रकार भक्ति, सेवा, त्याग आदि यदि अदृश्य ईश्वर के लिए करने की अपेक्षा, उसके सगुण स्वरूप अर्थात गुरु के संदर्भ में किए जाएं, तो वह सरल होता है। स्थानीय शाखा में जमा किया गया धन जैसे मुख्यालय में ही जमा होता है, वैसे ही गुरु की सेवा की जाए, तो वह सेवा ईश्वर तक ही पहुँचती है।

शिष्य का स्वरूप- 'शिष्य' वह होता है जिसमें सीखने की तड़प हो, श्रद्धा रखता हो और अपने जीवन में गुरु के उपदेशों को आत्मसात करने की उत्कंठा रखता हो। शिष्यता केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि अहंकार का त्याग कर समर्पण के भाव से गुरु के चरणों में लीन होना है। आध्यात्मिक उन्नति हेतु जो गुरु द्वारा बताई साधना करता है, उसे 'शिष्य' कहते हैं। आज्ञाकारिता, शिष्य के समस्त गुणों में सर्वश्रेष्ठ है। शिष्य के श्रेणी में आने हेतु मुमुक्षुत्व का गुण होना भी अनिवार्य है। वास्तव में जबतक शिष्य यह बात ठान न ले, तब तक वह जीवन्मुक्त नहीं हो सकता। जिसकी प्रज्ञा जागृत हुई, वही वास्तविक शिष्य है।

गुरुकुल परंपरा- प्राचीन भारत में शिक्षा का प्रमुख माध्यम गुरुकुल व्यवस्था थी, जहाँ शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। यहाँ शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती थी, बल्कि धर्म, नीति, व्यवहार, अस्त्र-शस्त्र, संगीत, योग और आत्म ज्ञान की भी शिक्षा दी जाती थी। उदाहरणस्वरूप, श्रीराम ने ऋषि वशिष्ठ एवं विश्वामित्र से शिक्षा प्राप्त की; श्री कृष्ण ने ऋषि सन्दीपनि से शिक्षा प्राप्त की। गुरु-शिष्य परंपरा का आध्यात्मिक पक्ष गुरु केवल शास्त्रों का ही ज्ञाता नहीं होता, वह शिष्य की आत्मा का चिकित्सक भी होता है। जब शिष्य अपने संदेहों, भ्रमों और अहंकारों से मुक्त होकर गुरु के सान्निध्य में आता है, तब उसे आत्मसाक्षात्कार का मार्ग प्राप्त होता है।

गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए श्री शंकराचार्य ने कहा है : "ज्ञानदान करनेवाले सद्गुरुओं की उपमा इस त्रिभुवन में कहीं भी नहीं मिलती। यदि उन्हें पारस की उपमा दी जाए, तो भी वह अधूरी ही रहेगी; क्योंकि पारस लोहे को स्वर्ण तो बना सकता है, परंतु उसे अपना 'पारसत्व' नहीं दे सकता।" 'कल्पवृक्ष की उपमा दी जाए तो भी कम है, क्योंकि कल्पना करने से इच्छा महिमा मिलता है। परंतु बिना कल्पना किए ही जो इच्छा पूर्ण कर दे, वह कामधेनु स्वरूप श्रीगुरु ही हैं।" — श्री गुरुचरित्र वास्तव में "गुरु को उपमा देने योग्य कोई भी वस्तु इस जगत में नहीं है। वर्तमान में गुरु-शिष्य परंपरा आज की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में यह परंपरा धुंधली पड़ती जा रही है। शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध केवल शैक्षणिक सीमाओं में सिमटता जा रहा है। सिर्फ आध्यात्मिक संस्थाओं, संगीत, योग और पारंपरिक कलाओं में यह परंपरा आज भी कुछ मात्रा में जीवित है।

निष्कर्ष- गुरु और शिष्य की परंपरा भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है। यह केवल ज्ञान का संबंध नहीं है, बल्कि आत्मा से आत्मा का मिलन है। समाज में यदि गुरु-शिष्य की यह परंपरा पुनः सशक्त हो, तो शिक्षा केवल रोजगार का साधन न होकर जीवन को पूर्ण और सार्थक बनाने का माध्यम बन सकती है।

सन्दर्भ : सनातन संस्था निर्मित ग्रंथ 'गुरुकृपायोग' एवं शिष्य

संकलक : सनातन संस्था
संपर्क - 9830227666

दक्षिण अमेरिका के मूल निवासी हैं विचित्र जानवर कैपीबारा

कैपीबारा एक जिज्ञासु जानवर है। हालाँकि वे आपकी आम सड़क या रसोई की अलमारी में रहने वाले जानवर की तरह नहीं दिखते, लेकिन दक्षिण अमेरिका के ये मूल निवासी दुनिया के सबसे बड़े कृतक हैं। भले ही वे विचित्र दिखते हों, कैपीबारा जल्दी ही इंटरनेट के छद्म सितारे बन गए हैं - मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण कि वे बड़े गिनी पिग की तरह दिखते हैं। कैवी परिवार (कैविडे) से संबंधित, उनके सबसे करीबी रिश्तेदार वास्तव में गिनी पिग और रॉक कैवी हैं।

कैपीबारा को हमेशा जल निकायों के पास पाया जा सकता है, क्योंकि उनकी अर्ध-जलीय जीवनशैली होती है। अमेज़ॅन नदी के किनारे, ये गंदे पानी कैपीबारा के लिए कई खतरे पैदा करते हैं, लेकिन पानी के किनारे जीवन अभी भी शिविर लगाने के लिए एकदम सही जगह है - जिससे उन्हें जल्दी से पीछे हटने और एनाकोंडा, जंगली बिल्लियों और यहां तक कि चील जैसे शिकारियों से बचने का मौका मिलता है। जालदार पैर उन्हें पानी में चलने में मदद करते हैं, और उनके चेहरे की विशेषताएं उनके बड़े सिर के ऊपर की ओर स्थित होती हैं, जिससे उन्हें तैरते समय देखने और सांस लेने में मदद मिलती है।

वे पानी में भी सो सकते हैं

कैपीबारा एक बार में 5 मिनट तक गोता लगा सकते हैं और पानी के अंदर रह सकते हैं – अक्सर पानी में सो जाते हैं और अपनी नाक किनारे पर रखते हैं। नदियों, मैंग्रोव और दलदलों के किनारे डुबकी लेने से उन्हें ठंडा रहने में मदद मिलती है।

ज़मीन पर भी बेहद फुर्तीले होते हैं

हालांकि कैपीबारा को पानी के किनारे घर जैसा महसूस होता है, लेकिन वे निश्चित रूप से जमीन पर अपना रास्ता जानते हैं, और 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति तक पहुंचने में सक्षम हैं – जो घोड़े के बराबर है!

उनके दांत लगातार बढ़ते रहते हैं

कठोर जलीय पौधों और घासों को खाने से होने वाले लगातार घिसाव की भरपाई के लिए उनके मोती जैसे सफ़ेद दांत बढ़ते रहते हैं! खरगोशों की तरह, उनके ऊँचे मुकुट वाले, संकरे किनारे वाले दाँत उनके भोजन को काटने के लिए पूरी तरह से अनुकूल होते हैं। अक्सर प्रकृति के ओटोमन या चलती कुर्सियों के रूप में संदर्भित, ये दोस्ताना जीव कभी भी किसी अन्य जानवर से सवारी साझा करने के अनुरोध को अस्वीकार नहीं करते हैं। पक्षियों की कई प्रजातियों, बंदर, खरगोश और यहां तक कि अन्य कैपीबारा को एक बहुत ही विनम्र कैपीबारा की पीठ पर बैठे, बैठे या लेटे हुए देखा गया है।

वे अत्यधिक सामाजिक प्राणी हैं

मिलनसार कैपीबारा लगभग 10-20 के बड़े झुंडों के बीच रहना पसंद करता है, और अक्सर अन्य जानवरों के साथ घुलमिल कर देखा जाता है। 8 ये उदाहरण अक्सर सहजीवी संबंध के प्रदर्शन होते हैं, जिसके तहत एक जानवर, जैसे कि एक पक्षी, कीड़ों के एक मुफ्त स्मोर्गसबोर्ड का आनंद ले सकता है, जबकि कैपीबारा आराम से बैठकर अपने मुफ्त संवारने के सत्र का आनंद लेता है। उनका अविश्वसनीय रूप से सामाजिक स्वभाव उन्हें शिकारियों से बचाने और संभोग की संभावनाओं को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

कैपीबारा शाकाहारी होते हैं

ये शाकाहारी जलीय पौधे, घास, छाल, कंद और गन्ना खाते हैं। और यद्यपि ये जन्म के एक ही सप्ताह में अपनी हरी सब्जियाँ खाने में सक्षम होते हैं, वे अपने जीवन के पहले 16 सप्ताह तक दूध पीते हैं – समूह में किसी भी माँ से बिना किसी भेदभाव के दूध पीते हैं।

वयस्क मनुष्य के बराबर होता है वजन

लगभग 50 किलोग्राम के औसत वजन के साथ, ये बैरल के आकार के स्तनधारी निश्चित रूप से कोई फील्ड चूहे नहीं हैं – इनका वजन 35 से 70 किलोग्राम के बीच होता है। हालाँकि मादा कैपीबारा अपने नर समकक्षों की तुलना में थोड़ी भारी होती हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक इन 13 टीमों का ऐलान

सात पायदानों के लिए 22 टीमों के बीच होगी जंग

एजेंसी। नयी दिल्ली

आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक 13 टीमों का ऐलान हो चुका है. भारत और श्रीलंका में अगले साल फरवरी-मार्च में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें खेलने वाली हैं. इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका समेत कुल 13 टीमें फाइनल हो चुकी हैं, जबकि सात और टीमों का ऐलान इस साल के अक्टूबर के आखिर तक होगा. हाल ही में कनाडा की टीम ने अमेरिकी रीजन से क्वालीफाई किया है. वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमें 11 जुलाई तक फाइनल हो जाएंगी. ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के फॉर्मेट में खेले जाएगा, जिसमें पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा. इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच का आयोजन होगा.मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका ने 2026 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए पहले दो स्थानों पर कब्जा कर लिया था. उसके बाद अगले 10 स्थानों का निर्धारण 2024 संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर ICC मेंस T20I टीम रैंकिंग के आधार पर हुआ. वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाई, जबकि यूएसए ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था. वहीं, टी20 वर्ल्ड कप 2025 में सुपर 8 से चूकने के बावजूद पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ अपनी T20I रैंकिंग की बदौलत अगले संस्करण में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया.

अब तक क्वालीफाई करने वाली टीमें

भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, यूएसए और वेस्टइंडीज

सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी: इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी. एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात पायदानों के लिए जंग होनी है. एशिया और ईस्ट एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें क्वॉलीफाई करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी. एशिया-ईस्ट एशिया पेसेफिक रीजन से जापान, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, कतर, समोआ और यूएई की टीमें क्वालीफायर्स खेलेंगी और इनमें से तीन टीमें सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी.वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स में इटली, जर्सी, ग्वेर्नसे, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम खेलेगी. इनमें से दो टीमें टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी. इसके अलावा अफ्रीका क्वालीफायर्स की बात करें तो बोत्सवाना, केन्या, मलावी, नामीबिया, नाइजीरिया, तंजानिया, युगांडा और जिम्बाब्वे की टीम क्वालीफायर्स खेलती नजर आएगी. इनमें से भी दो टीमों को ग्लोबल टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा.

घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे यशस्वी जायसवाल

एजेंसी। मुंबई

भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आगामी 2025-26 घरेलू सत्र में मुंबई की ओर से ही खेलते नजर आएंगे. मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने उनके गोवा जाने के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को वापस लेने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है.एमसीए अध्यक्ष अजिक्य नाइक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, यशस्वी हमेशा से मुंबई क्रिकेट की एक गौरवशाली उपज रहे हैं. हमने उनके एनओसी वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है और वह आगामी घरेलू सत्र में मुंबई के लिए उपलब्ध रहेंगे.इस साल अप्रैल में जायसवाल ने गोवा के लिए खेलने के इरादे से एनओसी मांगी थी, जिसे एमसीए ने चौंकाने वाला कदम बताया था. हालांकि, एक महीने बाद उन्होंने पुनः एमसीए को पत्र लिखकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ गोवा स्थानांतरित होने का विचार कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने वह योजना बदल दी है और वे मुंबई के लिए ही खेलना चाहते हैं.23 वर्षीय जायसवाल ने अंडर-19 स्तर से ही मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है. उन्होंने 2019 में मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक 10 प्रथम श्रेणी मैचों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं. इसमें उनके चार शतक, दो अर्द्धशतक और उत्तर प्रदेश के खिलाफ 181 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है.

इंग्लैंड के खिलाफ वापसी के लिए भारत के सामने स्पिनरों के चयन की दुविधा

पहली जीत की तलाश में उतरेगा भारत

एजेंसी। बर्मिंघम

भारत को चयन के मामले में पारंपरिक सोच से अलग हटकर इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर ऐसे गेंदबाजों को चुनना होगा जो पूरे 20 विकेट ले सकें .हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लैंड ने जब 371 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया तब भारतीय टीम प्रबंधन ने खुद स्वीकार किया था कि कुलदीप यादव की कमी टीम को खली .सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा कि भारत टीम संयोजन तलाशने की कोशिश में है जिससे बल्लेबाजी की गहराई पर असर नहीं पड़े और ऐसे गेंदबाज भी हों जो 20 विकेट ले सकें .डोइशे ने कहा , रणनीति की बात करें तो हम हर गेंदबाज को व्यक्तिगत तौर पर देख रहे हैं कि वे विकेट ले सकते हैं या नहनीं . हम संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं और सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन लेकर उतरना चाहेंगे. उन्होंने कहा , टीम को पूरे 20 विकेट की जरूरत है . इंग्लैंड टीम भी इसी प्रयास में होगी और हमें उसका भी ध्यान रखना है . हम इस पर लगातार बात कर रहे हैं और हल निकालने की कोशिश में हैं .बर्मिंघम में मौसम गर्म है और पिच पर ऊपर घास है लेकिन नीचे से यह सूखी है .इसी मैदान पर तीन साल पहले इंग्लैंड ने 378 रन का लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला ड्रॉ कराई थी . पिछले कुछ साल में काउंटी क्रिकेट में इस मैदान पर काफी रन बने हैं . इस मैदान पर स्पिनरों की भूमिका अहम होगी और भारत को तय करना है कि वे रविंद्र जडेजा की मदद करने वाले वॉशिंगटन सुंदर को उतारेगा या विकेट लेने में माहिर कुलदीप को जगह मिलेगी . यह तो तय है कि भारत दो स्पिनरों के साथ उतरेगा .पहले टेस्ट में शार्दुल ठाकुर तेज गेंदबाज हरफनमौला थे लेकिन संभव है कि बल्लेबाजी हरफनमौला नीतिश कुमार रेड्डी को दूसरे टेस्ट में जगह मिले .ठाकुर ने पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया लेकिन एक टेस्ट के बाद बाहर करना भी ज्यादती होगी .जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता पर भी संदेह है . अगर वह दूसरा टेस्ट नहीं खेलते हैं तो तेज गेंदबाजी का जिम्मा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे . बुमराह के नहीं खेलने पर इस तिकड़ी को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी.हेडिंग्ले में पांचवें दिन टर्निंग पिच पर कोई कमाल नहीं कर सके जडेजा अपनी उपयोगिता साबित करने को बेताब होंगे . पहले टेस्ट में भारत की कैचिंग काफी खराब रही और यशस्वी जायसवाल को स्लिप से हटाना पड़ गया .पहले टेस्ट की दोनों पारियों में भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने कोई योगदान नहीं दिया जिसमें सुधार करना होगा . पहले मैच में शतक लगाने वाले केएल राहुल, जायसवाल, ऋषभ पंत और कप्तान शुभमन गिल इस लय को कायम रखना चाहेंगे .साइ सुदर्शन और करूण नायर को खराब शुरूआत के बावजूद फिर मौका मिल सकता है. दूसरी ओर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने परिवार में इमरजेंसी के कारण मैच से नाम वापिस ले लिया है लेकिन क्रिस वोक्स की अगुवाई में गेंदबाजी आक्रमण आत्मविश्वास से भरा है .

टीमें

इंग्लैंड : जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर .

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा .

बुमराह पर फैसला आज कुलदीप की वापसी

भारत के गेंदबाजी विभाग में कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है . तेज गेंदबाजी में बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं . जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी लगातार दूसरे मैच में देखने को मिल सकती है .बुमराह की अगुआई वाले भारतीय तेज गेंदबाजों ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन किया था . बुमराह ने खुद पहली पारी में 5 विकेट झटके थे, लेकिन दूसरी पारी में खाली हाथ रहे . 5 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने दोनों पारियों में मिलाकर 212 रन खर्च कर दिए थे, जबकि सिराज 2 विकेट ही ले सके .

एजबेस्टन टेस्ट से पहले वोक्स ने कहा-

गेंदबाजों के लिए हो सकता है एक और कठिन सप्ताह

एजेंसी। बर्मिंघम

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले माना है कि यह सप्ताह गेंदबाजों के लिए एक और चुनौतीपूर्ण हो सकता है. वोक्स अब इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई में सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं, और इस भूमिका का वह पूरा आनंद ले रहे हैं.वोक्स ने सोमवार को एक बयान में कहा, मैंने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ खेला है, इसलिए अब हालात कुछ अलग हैं. यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है. मैं युवा खिलाड़ियों को अनुभव बांट रहा हूं और उनसे भी सीख रहा हूं. हर बार जब आप मैदान पर उतरते हैं तो कुछ नया सीखते हैं और यही यात्रा चलती रहती है.36 वर्षीय वोक्स ने यह भी कहा कि वह एंडरसन की तरह 41 साल की उम्र तक क्रिकेट नहीं खेलेंगे लेकिन उम्र को लेकर जितनी बातें होती हैं, वह उन्हें ज्यादा अहमियत नहीं देते.उन्होंने कहा,मुझे नहीं लगता कि मैं 41 की उम्र में इंग्लैंड के लिए खेल रहा होऊंगा. लेकिन जब तक मैं टीम के लिए योगदान दे रहा हूं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तब तक खेलता रहूंगा. अगर कभी ऐसा समय आता है जब कोई कंधे पर हाथ रखकर विदाई की बात करे, तो वह भी ठीक है. लेकिन फिलहाल मैं खेल का पूरा लुत्फ उठा रहा हूं, उन्होंने कहा.हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की ओर से पांच शतक लगे और कुल मिलाकर दोनों टीमों ने मिलकर 1,673 रन बनाए. वोक्स ने स्वीकार किया कि पिच बल्लेबाजों के अनुकूल थी जिससे गेंदबाजों को काफी मेहनत करनी पड़ी.उन्होंने कहा,हम जानते हैं कि भारतीय बल्लेबाज कितने मजबूत हैं. हेडिंग्ले में पिच बहुत फ्लैट थी, जिससे गेंदबाजी करना मुश्किल हो गया था, लेकिन हम 20 विकेट लेने में सफल रहे. बल्लेबाजों के हावी होने के बाद भी हमने मैच में वापसी की, जो एक अहम काबिलियत है. एजबेस्टन में भी हालात कुछ ऐसे ही हो सकते हैं, मौसम अच्छा है, तो गेंदबाजों के लिए यह एक और मुश्किल सप्ताह हो सकता है.इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में 371 रनों का पीछा कर जीत दर्ज की, जो टेस्ट इतिहास में उनकी दूसरी सबसे बड़ी सफल रन चेज थी. वोक्स ने कहा कि टीम को अपने खेलने के तरीके पर भरोसा है और वे इसे आगे भी जारी रखेंगे.उन्होंने कहा,आप जब अच्छा खेलकर जीतते हैं तो आत्मविश्वास बढ़ता है. हम जानते हैं कि हमें और बेहतर होना है. पिछले सप्ताह जो चीजें हमने ठीक नहीं कीं, उन्हें इस बार सुधारने की कोशिश करेंगे.उन्होंने कहा,हम अपनी क्रिकेट शैली को लेकर संतुष्ट हैं, यही ब्रांड पिछले कुछ वर्षों में हमें सफलता दिलाता आया है. हम उसी पर कायम रहेंगे, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है और हम उस पर काम करेंगे.

भारत-बांग्लादेश सीरीज पर सस्पेंस बरकरार

बीसीसीआई को सरकार की मंजूरी का इंतजार

- अगस्त में नहीं तो बाद में होगी सीरीज

एजेंसी। मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम को अगस्त के महीने में बांग्लादेश का दौरा करना है. जहां भारत और बांग्लादेशके बीच 3-3 मैचों की वनडे और टी20 सीरीज खेली जानी है. लेकिन अब तक इस बारे में कोई पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष ने इस दौरे को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. दरअसल, यह वनडे और टी20 सीरीज 17 अगस्त से खेली जानी है. लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए इस दौरे का तय समय पर होना मुश्किल लग रहा है.बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बांग्लादेश के अपकमिंग दौरे पर अपनी सरकार के फैसले का इंतजार कर रहा है. बोर्ड ने शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में अपनी 19वीं बैठक की. बैठक के बाद बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने मीडिया से कहा,रबीसीसीआई के साथ हमारी पॉजिटिव चर्चा हो रही है.

वनडे मैचों की तारीखें

पहला वनडे : 17 अगस्त, सुबह 10 बजे (शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम, ढाका)
दूसरा वनडे : 20 अगस्त, सुबह 10 बजे (शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम, ढाका)
तीसरा वनडे : 23 अगस्त, सुबह 10 बजे (मतीउर रहमान स्टेडियम, चटगांव)

टी20 मैचों की तारीखें

पहला टी20 : 26 अगस्त, शाम 6 बजे (मतीउर रहमान स्टेडियम, चटगांव)
दूसरा टी20 : 29 अगस्त, शाम 6 बजे (शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम, ढाका)
तीसरा टी20 : 31 अगस्त, शाम 6 बजे (शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम, ढाका)

काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

तिलक वर्मा से उम्मीदें कायम, चहल रहे विकेट विहीन

एजेंसी। साउथैम्प्टन

काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन जारी है. हैम्पशायर की ओर से खेल रहे युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा एक बार फिर संकटमोचक की भूमिका में नजर आ रहे हैं. सोमवार को वूस्टरशर के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन तिलक वर्मा 10 रन (32 गेंदों में) बनाकर नाबाद लौटे.हैम्पशायर की टीम एक समय 54 रन पर तीन विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब तिलक क्रीज़ पर आए और कप्तान बेन ब्राउन (7 रन) के साथ पारी को संभाला. दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने 68 रन बनाए थे. गौरतलब है कि तिलक ने अपने काउंटी डेब्यू मैच में शतक जड़ा था और हैम्पशायर को एक बार फिर उनके धैर्यपूर्ण बल्लेबाज़ी की दरकार है, क्योंकि वूस्टरशायर ने पहली पारी में 679 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया है. दूसरी ओर, ईशान किशन ने नॉटिंघमशायर के लिए अपने डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया था और अब वह समरसेट के खिलाफ मुकाबले में बल्लेबाज़ी के लिए उतरने का इंतजार कर रहे हैं. गेंदबाज़ी की बात करें तो युजवेंद्र चहल को नॉर्थैम्पटनशायर की ओर से खेलते हुए केंट के खिलाफ निराशा हाथ लगी. चहल ने 42 ओवर में 129 रन दिए लेकिन एक भी विकेट नहीं ले सके. केंट ने पहली पारी में 566 रन बनाए, जबकि नॉर्थैम्पटनशायर ने जवाब में 140 रन पर एक विकेट गंवाया है. इस बीच, खलील अहमद की एसेक्स के लिए शुरुआत फीकी रही.

हॉकी — यूरोप दौरे के लिए 20 सदस्यीय भारत-ए टीम का एलान

संजय के हाथ में होगी भारत ए टीम की कमान

एजेंसी। नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने आठ से 20 जुलाई तक आठ मैचों के यूरोप दौरे के लिये 20 सदस्यीय भारत ए पुरूष टीम का एलान कर दिया है. हॉकी इंडिया ने कहा कि यह दौरा उदीयमान और अनुभवी खिलाड़ियों को उपयोगी अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने के लिये आयोजित किया गया है. भारत ए टीम फ्रांस, आयरलैंड और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलना है.हॉकी इंडिया ने कहा, 'इन मैचों से भारतीय हॉकी की प्रतिभाओं के पूल की गहराई और तैयारी का पता चलेगा. वे सीनियर टीम के लिये भी पूल का हिस्सा बन सकेंगे.' भारत ए टीम की कमान संजय के हाथ में होगी जबकि एम रबिचंद्र सिंह उपकप्तान होंगे. गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको स्टैंडबाय होंगे.भारतीय राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच शिवेंद्र सिंह ए टीम के कोच होंगे जो आठ जुलाई को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी. शिवेंद्र ने कहा, 'यह दौरा हमारे खिलाड़ियों के लिये अहम प्लेटफॉर्म होगा जिसमें उन्हें यूरोपीय हॉकी के ढांचे, स्वरूप और प्रवाह के बारे में पता चलेगा.'

भारत-ए टीम

- **गोलकीपर :** पवन, मोहित एच शशिकुमार .
- **डिफेंडर :** प्रताप लाकड़ा, वरूण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद, संजय (कप्तान) .
- **मिडफील्डर :** पूवन्ना चंदुरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, एम रविचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह, राजिंदर सिंह .
- **फॉरवर्ड :** अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लाठे, सेल्वम कार्ति, उत्तम सिंह .
- **स्टैंडबाय :** अंकित मलिक, सुनील जोजो, सुदीप चिरमाको .

नीरज चोपड़ा क्लासिक 5 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित होगा

किशोर जेना बाहर, यशवीर सिंह को मिला मौका

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय भाला फेंक एथलीट किशोर जेना टखने की चोट के चलते नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 से बाहर हो गए हैं. उनकी जगह अब यशवीर सिंह को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है. आयोजकों ने सोमवार को उक्त जानकारी दी.किशोर जेना ने पिछले साल हांगझो एशियन गेम्स में नीरज चोपड़ा के पीछे दूसरा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 87.54 मीटर भाला फेंका था. वे शुरूआती पांच भारतीय प्रतिभागियों में शामिल थे, जिनमें सचिन यादव, रोहित यादव और साहिल सिलवाल भी शामिल हैं. जेना की गैरमौजूदगी में अब यशवीर सिंह को टीम में जगह दी गई है. यशवीर इस समय पुरुषों की भाला फेंक रैंकिंग में 41वें स्थान पर हैं और उन्होंने 2025 एशियन चैंपियनशिप (गुमी, कोरिया) में 82.57 मीटर की थ्रो कर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था.नीरज चोपड़ा क्लासिक को भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के रूप में प्रचारित किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता का आयोजन नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से किया जा रहा है. यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन होगा.

ब्रीफ न्यूज

बच्ची के गले में लिपटे सांप, पिता ने मार डाला

गया। फतेहपुर थाना क्षेत्र के जम्हेता गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक दस वर्षीय बच्ची के गले में दो ज़हरीले करैत सांप लिपटे हुए पाए गए. यह घटना रविवार रात की है, जब राजू कुमार केसरी अपने परिवार के साथ सोए हुए थे. सोमवार सुबह उनकी पत्नी ने देखा कि उनकी बेटी सलोनी कुमारी के गले में दो सांप लिपटे हैं. यह देख उन्होंने शोर मचाया, जिससे घर में अफरातफरी मच गई. राजू ने अपनी बेटी की जान बचाने के लिए अदम्य साहस दिखाया. उन्होंने दोनों सांपों के मुंह को हाथ से दबाकर मार डाला.

गंडक नदी में नहाते समय युवक डूबा, तलाश जारी

बेतिया। बगहा के पटखौली ओपी थाना क्षेत्र के में एक दुखद घटना घटी, जहां युवक सतीश कुमार गंडक नदी में नहाते समय डूब गया. सतीश, प्रदुम्न राम का पुत्र था और वह अपने तीन दोस्तों के साथ रविवार को नदी में नहाने गया था. नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीम को बुलाया गया, जो गंडक नदी में युवक की तलाश में जुटी हुई है.

ज्योति सिंह ने विस चुनाव लड़ने का किया ऐलान

पटना। भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है. वे काराकाट क्षेत्र की किसी एक विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगी. उन्होंने साफ किया कि यदि किसी बड़ी पार्टी से टिकट नहीं मिलता है तो वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगी. ज्योति सिंह पिछले एक साल से काराकाट में लगातार सामाजिक और स्थानीय कार्यक्रमों में सक्रिय रही हैं. उनकी यह सक्रियता पहले से ही चुनावी तैयारी का संकेत दे रही थी, जिसे अब उन्होंने औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है.

नीतीश सरकार की नई पहल से कैदियों की रिहाई का रास्ता होगा साफ

आर्थिक तंगी में फंसे गरीब कैदियों को मिलेगी मदद

शुभम संदेश। पटना

नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य की जेलों में बंद ऐसे गरीब कैदियों की मदद के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण जुर्माना या जमानत राशि जमा नहीं कर पा रहे हैं. अब सरकार इन कैदियों की रिहाई के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी, जिससे उनके लंबे समय तक जेल में रहने की समस्या को कम किया जा सके. इस योजना के तहत नई गाइडलाइन जारी की गई है, जिसके अनुपालन के लिए गृह विभाग ने सभी जिलों के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को निर्देश दिए हैं.

गाइडलाइन के मुताबिक, यदि किसी विचाराधीन कैदी को न्यायालय से जमानत मिलने के बाद भी सात दिनों के भीतर रिहा नहीं किया जाता है, तो जेल प्रशासन संबंधित मामले की सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को देगा. इसके बाद सचिव इस बात की जांच करेंगे कि क्या कैदी को आर्थिक सहायता की जरूरत है या नहीं. इस जांच प्रक्रिया में प्रोबेशन अधिकारी, समाजसेवी और नागरिक समाज के सदस्यों की मदद ली जा सकती है. जांच पूरी करने की अवधि अधिकतम 10 दिन निर्धारित की गई है. जांच के बाद, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ऐसे मामलों को दो से तीन सप्ताह के भीतर जिला स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे. यह समिति विचाराधीन कैदियों के लिए अधिकतम 40,000 रुपये तक और दोषी करार पाए गए कैदियों के लिए अधिकतम 25,000 रुपये तक की सहायता राशि स्वीकृत कर सकती है. अगर किसी कैदी की जमानत या जुर्माने की राशि इन निर्धारित सीमाओं से अधिक है, तो वह मामला राज्य स्तरीय निगरानी समिति को भेजा जाएगा. सरकार ने इस योजना को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए स्पष्ट किया है कि यह सहायता उन मामलों पर लागू नहीं होगी जिनमें कैदी भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग, एनडीपीएस एक्ट, या किसी असामाजिक गतिविधि में संलिप्त हों. यह कदम गरीब कैदियों के हक में एक राहत भरा उपाय माना जा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक कमजोरियों के कारण अनावश्यक जेल में बंदी की स्थिति खत्म होगी.

इस पहल से न केवल गरीब कैदियों को न्याय मिलने में सुविधा होगी, बल्कि न्यायालयों और जेल प्रशासन पर भी बोझ कम होगा. साथ ही, इससे सामाजिक न्याय की दिशा में भी एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण किसी को न्याय से वंचित नहीं रखा जाएगा. राज्य सरकार की यह योजना मानवाधिकारों की रक्षा करतेह ुए न्याय प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाएगी. सरकार का मानना है कि इस आर्थिक सहायता योजना से जेलों में बंद गरीब कैदियों की समस्या में कमी आएगी और उनके परिवारों को भी राहत मिलेगी. यह एक ऐसा कदम है जो सामाजिक न्याय और इंसानियत के सिद्धांतों को मजबूती प्रदान करेगा. इस नई गाइडलाइन के जरिए राज्य सरकार न्याय की पहुँच को और व्यापक तथा समावेशी बनाने की दिशा में अग्रसर है.

मोबाइल पासपोर्ट सेवा कैंप का सफल शुभारंभ

लखीसराय। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना द्वारा समाहरणालय कार्यालय परिसर, लखीसराय में 1 से 3 जुलाई तक तीन दिवसीय पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है. इस सेवा का शुभारंभ मंगलवार को स्वधा रिजवी, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, पटना एवं मिथिलेश मिश्र, जिला पदाधिकारी, लखीसराय ने आवेदकों की मौजूदगी में किया. लखीसराय जिले में डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र की अनुपस्थिति और आवेदकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए यह सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे आवेदकों को अपने निकटतम स्थान पर पासपोर्ट संबंधी सेवाएं आसानी से मिल सकें. भारत सरकार ने 12 मई से चिप युक्त पासपोर्ट जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें आवेदकों की सभी जानकारी डिजिटल रूप में संग्रहित रहती है. अप्रैल 2024 से अब तक कुल नौ मोबाइल कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें सिवान, गोपालगंज, पूर्णिया एवं बगहा के पुलिस जिले शामिल हैं. लखीसराय में यह दसवां कैंप है, जो क्षेत्रीय स्तर पर पासपोर्ट सेवा को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. इस पहल से स्थानीय नागरिकों को पासपोर्ट बनवाने में सहूलियत मिलेगी और वे बिना दूर जाने आसानी से आवेदन कर सकेंगे.

सड़क हादसे में डीटीओ सब इंस्पेक्टर की मौत दो कर्मचारी हुए घायल

दरभंगा। शोभन क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में जिला परिवहन कार्यालय के सब इंस्पेक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए. यह हादसा उस समय हुआ जब वे ड्यूटी पर क्षेत्र में निरीक्षण के लिए निकले थे. अचानक एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी गाड़ी को जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. पुलिस के अनुसार, सब इंस्पेक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल कर्मचारियों को स्थानीय लोगों की मदद से दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया. हादसे की सूचना मिलते ही बहेड़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस फुटेज और टोल प्लाजा की मदद से अज्ञात वाहन की पहचान करने में जुटी है.

न्यूज अपडेट

बिहार में छह नए एयरपोर्ट निर्माण का रास्ता साफ

पटना। बिहार में छह नए एयरपोर्ट बनाने का मार्ग साफ हो गया है. राज्य सरकार और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच इस संबंध में सोमवार को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ. बिहार निवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा की उपस्थिति में यह समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. इस योजना के तहत बिहार के बीरपुर, वाल्मीकिनगर, सहरसा, मधुबनी और मुंगेर में नए हवाईअड्डे विकसित किए जाएंगे. साथ ही, एएआई के अंतर्गत आने वाले मुजफ्फरपुर एयरपोर्ट का पुनर्निर्माण भी किया जाएगा. यह सभी एयरपोर्ट केंद्र सरकार की 'उड़ान' योजना के तहत बनाए जा रहे हैं, जिसके लिए नागर विमानन मंत्रालय ने प्रत्येक एयरपोर्ट के लिए 25 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट ने इन परियोजनाओं के पहले चरण के लिए 150 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि भी स्वीकृत की है. चुनावी वर्ष को ध्यान में रखते हुए इन परियोजनाओं का शिलान्यास जल्द ही शुरू होने की संभावना है. इस पहल से बिहार के कई जिलों को बेहतर हवाई संपर्क मिलेगा और राज्य के स्थानीय आर्थिक विकास को भी मजबूती मिलेगी.

राघोपुर दियारा में सिंगापुर मॉडल लागू होगा

पटना। पटना के समीप राघोपुर दियारा, जो नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का विधानसभा क्षेत्र है, विकास की नई परिभाषा तैयार करने जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर इस क्षेत्र को सिंगापुर मॉडल के अनुसार विकसित करने की प्रक्रिया तेज़ हो गई है. योजना के तहत राघोपुर और आसपास के क्षेत्रों को इंडस्ट्रियल एरिया, लॉजिस्टिक हब, आईटी पार्क और आधुनिक टाउनशिप में बदला जाएगा. इससे क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक और पर्यटकीय गतिविधियों को मजबूत बढ़ावा मिलेगा. मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद एक उच्चस्तरीय समिति ने राघोपुर इलाके का भौतिक सर्वेक्षण किया. इस टीम में पथ निर्माण विभाग के विशेष सचिव शीर्षत कपिल अशोक, जल संसाधन विभाग के यशपाल मीणा, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अजीव वत्स राज, और नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर सचिव राजीव कुमार श्रीवास्तव शामिल थे. अधिकारियों ने गंगा के उत्तरी तट से लेकर चकसिकंदर तक क्षेत्र का दौरा कर विकास की संभावनाओं का गहन मूल्यांकन किया. इस पहल से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी.

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

पटना। पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है. इस सिलसिले में हवाई अड्डा थाना में मामला दर्ज किया गया है. ई-मेल में लिखा है कि एयरपोर्ट पर बम रखा गया है और वह जल्द फटने वाला है. एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है. हवाईअड्डे के अधिकारियों ने पूरे परिसर में व्यापक छानबीन की है. जांच के दौरान कोई संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है. बीती देररात हवाई अड्डा थाना में केस दर्ज किया गया है. फिलहाल पुलिस ई-मेल भेजने वाले का पता करने में जुटी है. इसमें तकनीकी और साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है. उधर, इस समय पटना एयरपोर्ट में चप्पे-चप्पे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान तैनात हैं. एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले लोगों पर भी निगाह रखी जा रही है. एसपी (सिटी) दीक्षा ने बताया कि केस दर्ज कर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के साइबर सेल को जांच करने के लिए कहा गया है.

सड़क हादसे में मर्चेंट नेवी के जवान की हुई मौत

आरा। जिले के बबुरा थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव के पास आरा-छपरा फोरलेन पर सड़क हादसे में मर्चेंट नेवी के जवान प्रमोद कुमार सिंह की मौत हो गई. 37 वर्षीय प्रमोद बाइक से अपने ससुराल नारायणपुर गांव (कोईलवर थाना क्षेत्र) से लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने उन्हें कुचल दिया. मौके पर ही उनकी मौत हो गई. हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया. मृतक की पहचान इंग्लिशपुर गांव निवासी बलेश्वर सिंह के पुत्र के रूप में हुई है. प्रमोद हाल ही में गल्फ देश कतर में पोस्टेड थे. उनके परिवार में मां मीना देवी, पत्नी अंकिता सिंह और दो बेटे शिनु व प्रिंसी हैं. वे तीन भाइयों और दो बहनों में तीसरे स्थान पर थे. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने इंग्लिशपुर गांव के पास शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और डिवाइडर निर्माण व मुआवजे की मांग की. इस दौरान लोगों ने आगजनी भी की. करीब साढ़े तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा.

लोजपा | बिहार विस चुनाव से पहले चिराग पासवान की पार्टी को लगा झटका

कई नेताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

शुभम संदेश। पटना

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी चरम पर है. सभी प्रमुख दल अपने-अपने स्तर पर चुनावी तैयारियों में जुटे हैं. जहां एनडीए गठबंधन अपने विकास कार्यों का बखान कर वोटरों को लुभाने की कोशिश कर रहा है, वहीं इंडी गठबंधन राज्य में कानून-व्यवस्था और बढ़ती अराजकता को मुख्य मुद्दा बनाकर मौजूदा सरकार पर हमला बोल रहा है. इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य में एक बार फिर दल-बदल की राजनीति तेज हो गई है. नेता लगातार अपने पुराने दलों से नाता तोड़कर नए खेमों में शामिल हो रहे हैं. हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 26 वर्षों से साथ निभा रहे एक करीबी सहयोगी ने उन्हें अलविदा कहकर जनसुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर का दामन थाम लिया. अब इसी क्रम में एक और बड़ा राजनीतिक झटका सामने आया है, और इस बार यह झटका केंद्रीय मंत्री व लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को लगा है. पटना स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक भव्य मिलन समारोह में लोजपा (रामविलास) के पूर्व महासचिव और दो बार के विधायक डॉ. अच्युतानंद, महासचिव नवल किशोर सिंह और अमरेंद्र कुमार चौधरी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई. इस मौके पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें पूर्व विधायक भावना झा, अजय चौधरी, स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, सत्येंद्र कुमार सिंह, रौशन कुमार सिंह और रवि गोल्डन शामिल थे.

इस घटनाक्रम से जहां कांग्रेस को चुनाव से पहले एक नई ऊर्जा मिली है, वहीं चिराग पासवान को यह एक बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है. विधानसभा चुनाव के नजदीक आते-आते बिहार में नेताओं के पाला बदलने का सिलसिला और तेज हो गया है.

कारोबार

एसबीआई करेगी 40 लाख घरों को सौर ऊर्जा से रोशन

नयी दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्त्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है. बैंक का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2026-27 तक देश के 40 लाख घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया जाए. इस योजना के अंतर्गत एसबीआई घरों की छतों पर सोलर पैनल और अन्य आवश्यक उपकरण स्थापित करेगा, जिससे बिना पारंपरिक बिजली के भी घरों में रौशनी की जा सकेगी. एसबीआई ने यह पहल अपनी 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर घोषित की है. बैंक का कहना है कि यह सोलर रूफटॉप कार्यक्रम भारत में नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा. यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता के साथ-साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ठोस कदम है.

रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई रुकने से वाहन उद्योग प्रभावित

विकल्प तलाशने में जुटे भारत व जापान

एजेंसी। नयी दिल्ली

चीन द्वारा भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई रोकने से देश की ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री पर संकट गहराता जा रहा है. अप्रैल 2025 से चीन ने इन महत्वपूर्ण मैग्नेट्स की आपूर्ति बंद कर दी है, जिससे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और हाई-टेक उपकरणों के निर्माण पर प्रतिकूल असर पड़ा है. रेयर अर्थ मैग्नेट्स की वैश्विक आपूर्ति में चीन की हिस्सेदारी करीब 90% है, जिससे इस क्षेत्र में उसका एकाधिकार है. इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने वैकल्पिक रास्तों की तलाश शुरू कर दी है. इसमें घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है. इसी कड़ी में भारत और जापान के बीच सहयोग की संभावनाएं तेज़ हुई हैं. जापान की एक दर्जन से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि इन दिनों भारत में हैं. ये कंपनियां बैटरी निर्माण और क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन से जुड़ी हैं. प्रमुख कंपनियों में पैनासोनिक, मित्सुबिशी केमिकल्स और सुमिमोटो मेटल्स एंड माइनिंग शामिल हैं. ये सभी जापान की इंडस्ट्री बॉडी "बैटरी एसोसिएशन ऑफ सप्लाई चेन" का हिस्सा हैं.

भारतीय कंपनियां अमारा राजा और रिलायंस, जापानी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही हैं. इस बातचीत का केंद्र लीथियम-आयन बैटरियों की आपूर्ति श्रृंखला है, जिसका उपयोग ईवी और एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स में किया जाता है. भारत और जापान की ये कंपनियां मिलकर चीन के वर्चस्व को चुनौती देने की योजना बना रही हैं. हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि जापानी कंपनियों के साथ साझेदारी के बावजूद भारत को तुरंत बड़ा लाभ नहीं मिलेगा. इसकी प्रमुख वजह यह है कि रेयर अर्थ की माइनिंग, रिफाइनिंग और प्रोसेसिंग पर अभी भी चीन का नियंत्रण है. वर्तमान में भारत की ईवी कंपनियां तीन-चौथाई से अधिक बैटरियां चीन से आयात करती हैं, जबकि शेष बैटरियां जापान और दक्षिण कोरिया से मंगाई जाती हैं.

भारतीय कंपनियां बैटरी निर्माण के क्षेत्र में तेजी से काम कर रही हैं, लेकिन लागत एक बड़ी चुनौती है. विशेषज्ञों के अनुसार, चीन की तुलना में भारत में बनी बैटरियां 20-30% तक महंगी हो सकती हैं. इसका कारण यह है कि चीन की कंपनियों को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जिससे उनकी उत्पादन लागत कम रहती है. जापान की कंपनियां भारत को बैटरी मटीरियल्स और टेक्नोलॉजी में सहायता कर सकती हैं, खासकर हाइब्रिड टेक्नोलॉजी में, जिसमें उनका काफी अनुभव है. हालांकि, यह सहयोग तभी सार्थक होगा जब भारत रेयर अर्थ एलिमेंट्स के स्रोत और रिफाइनिंग क्षमताओं को विकसित करने में आत्मनिर्भर बने. अंततः, चीन की आपूर्ति बंदी ने भारत को अपनी तकनीकी निर्भरता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है. जापान के साथ संभावित साझेदारी भारत को दीर्घकालिक समाधान की दिशा में ले जा सकती है, लेकिन इसके लिए ठोस रणनीति, निवेश और समय की जरूरत होगी.

एफएसआईबी अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल बढ़ा

नयी दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों में निदेशकों की नियुक्ति करने वाली संस्था फाइनेंशियल सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ब्यूरो (एफएसआईबी) के अध्यक्ष और अंशकालिक सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है. यह सेवा विस्तार 1 जुलाई, 2025 से प्रभावी होगा और 30 जून, 2026 तक या उसके बाद तक लागू रहेगा. एफएसआईबी के वर्तमान अध्यक्ष भानु प्रताप शर्मा हैं, जो पूर्व में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सचिव रह चुके हैं. उन्हें 2018 में बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था. उन्होंने बीबीबी के पहले अध्यक्ष विनोद राय का कार्यकाल पूरा होने पर पदभार संभाला था. मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने एफएसआईबी के सभी अंशकालिक सदस्यों के कार्यकाल को भी एक वर्ष के लिए बढ़ाने की मंजूरी दी है. इसमें पूर्व ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन और एमडी अनिमेष चौहान, आरबीआई के पूर्व कार्यकारी निदेशक दीपक सिंघल, और आईएनजी वैश्य बैंक के पूर्व एमडी शैलेन्द्र भंडारी शामिल हैं. बीमा क्षेत्र में भी नियुक्तियों के लिए एफएसआईबी के अंशकालिक सदस्यों को सेवा विस्तार मिला है. इनमें एलआईसी की पूर्व प्रबंध निदेशक उषा सांगवान, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और एमडी ए.वी. गिरिजा कुमार, तथा इरडा के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य (वितरण) सुजय बनर्जी शामिल हैं. गौरतलब है कि एफएसआईबी का कार्यकाल पिछले वर्ष भी एक साल के लिए बढ़ाया गया था.

पहली छमाही में भारतीय अरबपतियों की दौलत बढ़ी

नयी दिल्ली। 2025 की पहली छमाही में बाजार में भारी अस्थिरता के बावजूद कई भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली. विदेशी और खुदरा निवेशक इस दौरान काफी हद तक किनारे पर रहे, जबकि म्यूचुअल फंड ने जियो-पॉलिटिकल तनाव और ऊंचे मूल्य वाले इक्विटी बाजारों के बीच अपनी कैश होल्डिंग्स को बरकरार रखा. इस बीच, एक ऐसे अरबपति ने अपने नेटवर्थ में 78% की अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज कर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ दिया. यह अरबपति सत्यनारायण नुवाल हैं, जो सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया के को-फाउंडर और प्रेसीडेंट हैं. नागपुर स्थित यह कंपनी एक्सप्लोसिव, डेटोनेटर, ड्रोन, और गोला-बारूद बनाने में अग्रणी है. ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, नुवाल की कुल संपत्ति अब 7.90 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है. सोलर इंडस्ट्रीज ने 2023 में 54% और 2024 में 45% की वृद्धि के बाद 2025 में अपने शेयरों में 81% की वृद्धि दर्ज की है. यह उल्लेखनीय उपलब्धि इस बात का संकेत है कि कठिन आर्थिक और वैश्विक राजनीतिक हालात के बावजूद भी भारतीय उद्योगपतियों के लिए अवसर मौजूद हैं, खासकर ऐसे सेक्टर्स में जो राष्ट्रीय सुरक्षा और अत्याधुनिक तकनीक से जुड़े हैं. सत्यनारायण नुवाल की सफलता ने भारतीय अरबपतियों की दौलत की रेस में नया अध्याय जोड़ दिया है.

तीव्र रैली के बाद शेयर बाजार में वैल्यूएशन का खतरा

नयी दिल्ली। पिछले तीन महीनों में भारतीय शेयर बाजार, खासकर सेंसेक्स, में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है. सेंसेक्स करीब 12,000 अंकों की छलांग के साथ 72 लाख करोड़ रुपये की रैली कर चुका है, जिससे बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 461 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. इस तेजी का मुख्य कारण बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी है. डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स ने 3.5 लाख करोड़ रुपये और विदेशी निवेशकों ने लगातार खरीदारी की है. जेएम फाइनेंशियल के वेंकटेश बालासुब्रमण्यम का मानना है कि यह रैली मुख्यतः लिक्विडिटी से प्रेरित है. मई 2025 तक म्यूचुअल फंड्स के पास 2.17 लाख करोड़ रुपये का कैश था, और हर महीने सिप से 26,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है. हालांकि, इस उछाल ने वैल्यूएशन और फंडामेंटल्स के बीच अंतर बढ़ा दिया है. एनालिस्ट्स का कहना है कि लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप सभी अपने औसत वैल्यूएशन से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं, जिससे भविष्य के रिटर्न पर संदेह बना हुआ है. कोटक एएमसी के नीलेश शाह के अनुसार, अगले कुछ वर्षों में रिटर्न की संभावनाएं सीमित हो सकती हैं और यह पूरी तरह से अर्निंग्स ग्रोथ पर निर्भर करेगा, जो 8-12% के बीच रह सकता है

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में आया जबरदस्त उछाल

नयी दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है. एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के अनुसार, मई 2025 में 57.6 रहा सूचकांक जून में बढ़कर 58.4 हो गया, जो पिछले 14 महीनों का उच्चतम स्तर है. यह आंकड़ा 54.1 के दीर्घकालिक औसत से काफी अधिक है, जो व्यापार स्थितियों में मजबूती का संकेत देता है. इस वृद्धि का प्रमुख कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में तेज इजाफा है. जून में निर्यात मांग 2005 में सर्वे शुरू होने के बाद तीसरी सबसे तेज गति से बढ़ी. अधिकांश कंपनियों ने अमेरिका को प्रमुख मांग स्रोत बताया. वैश्विक रुचि में इस मजबूती ने कुल बिक्री और उत्पादन वृद्धि को बल दिया. उत्पादन की दर अप्रैल 2024 के बाद सबसे तेज रही.

भारत-यूएस | भारत-अमेरिका के बीच संभावित अंतरिम व्यापार समझौता

संवेदनशील मुद्दों पर भारत का सख्त रुख

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अपने अंतिम चरण में है. सूत्रों के अनुसार, यह समझौता इसी सप्ताह अंतिम रूप ले सकता है, जो दोनों देशों के बीच एक व्यापक व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है. इस वार्ता में कई जटिल मुद्दे शामिल हैं, जिन पर भारत का रुख बेहद स्पष्ट और सख्त है. व्यापार वार्ताओं में सबसे संवेदनशील मुद्दों में से कुछ हैं—कृषि क्षेत्र में अमेरिकी उत्पादों को बाजार में पहुंच, जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फसलों की अनुमति और डेयरी उत्पादों का आयात. भारत ने इन मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने से साफ इनकार कर दिया है, खासकर भारतीय किसानों के हितों को देखते हुए. भारत के कृषि ढांचे में छोटे और सीमांत किसान बड़ी संख्या में हैं, और जीएम फसलें या अमेरिका से आने वाले सस्ते डेयरी उत्पाद उनके लिए खतरा बन सकते हैं. फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच 9 जुलाई से पहले समझौते को अंतिम रूप देने का प्रयास किया जा रहा है. दरअसल, अमेरिका ने भारत से आने वाले कुछ उत्पादों पर 26% का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जिसे 9 जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है. यह टैरिफ अमेरिका द्वारा अन्य देशों पर लगाए गए व्यापार शुल्कों का हिस्सा है. भारत इस समयसीमा से पहले एक समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है ताकि इन टैरिफों से बचा जा सके. भारत के व्यापार वार्ताकारों ने वॉशिंगटन में 27 जून को समाप्त होने वाली अपनी यात्रा को आगे बढ़ा दिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि बातचीत अभी भी निर्णायक दौर में है. एक सूत्र ने बताया कि यह बातचीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुकी है और समझौता कई चरणों में हो सकता है. पहले चरण में जिन मुद्दों पर सहमति बन सकती है, उन पर अभी काम चल रहा है, जबकि अन्य जटिल पहलुओं को बाद में हल किया जा सकता है.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने घरेलू निर्यातकों और औद्योगिक संगठनों को सूचित किया है कि यह समझौता चरणबद्ध तरीके से होगा और फिलहाल पहले चरण को अंतिम रूप देने की कोशिश जारी है. यह भी संकेत दिया गया है कि आगे चलकर अन्य मुद्दों पर भी चर्चा और समझौते की संभावना है. अमेरिका की ओर से जीएम फसलें और पशु चारा भारत को निर्यात करने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि यह उसके लिए एक अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है. अमेरिका 10% से कम टैरिफ पर समझौता नहीं करना चाहता, जबकि भारत अपनी कृषि अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए इन शर्तों को मानने को तैयार नहीं है.

लिंक एक्सप्रेसवे : जमीन की खरीद-फरोख्त पर रोक

नयी दिल्ली। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे के आसपास जमीन की खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई है. उत्तर प्रदेश औद्योगिक गलियारा विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं और कहा है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. यह लिंक एक्सप्रेसवे लगभग 74.3 किलोमीटर लंबा होगा और गंगा एक्सप्रेसवे को यमुना एक्सप्रेसवे से भी जोड़ेगा. गंगा एक्सप्रेसवे को करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, जो मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा. प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे बुलंदशहर जिले के स्याना क्षेत्र से शुरू होकर नोएडा के सेक्टर 21 स्थित फिल्म सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा. यूपीडा के निर्देशों के बाद नोएडा प्रशासन ने सर्वे तेज कर दिया है और नोएडा तथा बुलंदशहर जिलों में प्रभावित भूखंडों की पहचान की जा रही है. इस लिंक एक्सप्रेसवे की कुल चौड़ाई 120 मीटर होगी. यमुना सिटी के विकसित सेक्टरों को काटने से बचाने के लिए इसका मार्ग बदला गया है. अब यह एक्सप्रेसवे 56 गांवों से होकर गुजरेगा, जिनमें 8 गांव नोएडा जिले के और 48 गांव बुलंदशहर जिले के हैं. ये गांव मुख्य रूप से जेवर, खुर्जा, स्याना और शिकारपुर तहसीलों में आते हैं.

न्यूज अपडेट

बाघिन 'रानी' ने एक साथ पांच शावकों को दिया जन्म, देश में बना नया रिकॉर्ड

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बाघिन 'रानी' ने एक साथ पांच शावकों को जन्म देकर देश में एक नया रिकॉर्ड बनाया है. यह पहली बार है जब किसी बाघिन ने भारत में एक साथ पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है. पार्क प्रशासन ने मंगलवार को शावकों के पार्क के सीनियर पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि बाघिन 'रानी' ने 27 अप्रैल को दो मादा और तीन नर शावकों को जन्म दिया था. दो माह के संरक्षण और देखभाल के बाद अब इन्हें मां रानी के साथ कराल (ओपन एनक्लोजर) में छोड़ा गया है, जहां वे मानसून के मौसम का आनंद ले रहे हैं.

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने चेक पोस्ट पर कर दिया है बड़ा हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के निकट उत्तर पश्चिमी बलूचिस्तान के नोशकी जिले में एक चेक पोस्ट पर हुए आतंकवादी हमले के दौरान लेवी जवान तमाशबीन बने रहे. इनमें से पांच को अपने कर्तव्यों का पालन न करने के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, यह हमला पिछले सप्ताह हुआ था. आतंकवादियों ने किशिंगी चेक पोस्ट पर कब्जा करने के लिए स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया. पोस्ट पर कब्जा करने के बाद उन्होंने जवानों के हथियार और उपकरण छीन लिए. मौके से भागने से पहले लेवी के वाहनों में आग लगा दी. अधिकारियों ने कहा है कि चेक पोस्ट पर तैनात लेवी जवान आतंकवादियों के हमले के दौरान प्रतिरोध करने में विफल रहे.

पलाऊ के टैंकर जहाज में लगी आग, भारतीय नौसेना ने काबू पाया

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में पलाऊ देश के टैंकर जहाज में लगी आग को बुझा कर चालक दल के 14 भारतीय सदस्यों की जान बचाई है. इस जहाज के इंजन कक्ष में यूएई के फुजैराह से लगभग 80 समुद्री मील पूर्व में परिचालन करते समय भीषण आग लग गई थी. आग पर काबू पाने के बाद निरंतर सहायता के लिए भारतीय युद्धपोत आईएनएस तबर पर अग्निशमन उपकरणों के साथ छह सदस्यीय अग्निशमन और क्षति नियंत्रण दल को तैनात किया गया है. प्रशांत महासागर में एक द्वीप राष्ट्र पलाऊ ध्वजांकित टैंकर एमटी यी चेंग 6 उत्तरी अरब सागर से होते हुए अपने देश को वापस जा रहा था.

उपराज्यपाल ने की अमरनाथ यात्रा की अंतिम तैयारियों की समीक्षा

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करके अमरनाथ यात्रा की अंतिम तैयारियों की समीक्षा की. यातायात और सुरक्षा प्रबंधन और सुचारू, सुरक्षित और परेशानी मुक्त पवित्र तीर्थयात्रा के लिए किए गए सभी इंतजामों की व्यापक समीक्षा की. उपराज्यपाल ने अधिकारियों को यातायात सलाह का व्यापक प्रचार करने का निर्देश दिया, ताकि आम आदमी को असुविधा न हो. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, एसएसपी, ट्रैफिक पुलिस और अन्य विभागों को निर्धारित काफिले में तीर्थयात्रियों की आवाजाही और यातायात योजना के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में काम करना चाहिए. बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा, डीजीपी नलिन प्रभात, विशेष महानिदेशक (समन्वय) पीएचक्यू एसजेएम गिलानी, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव और एसएएसबी के सीईओ डॉ. मंदीप के. भंडारी और एसएएसबी, पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

मोंटेलिरियो थोलोस : शैल मोतियों का सबसे बड़ा संग्रह स्पेन में मिला

मैड्रिड । दक्षिण-पश्चिमी स्पेन के वैलेंसिना डे ला कॉन्सेप्सियन शहर के नीचे स्थित मोंटेलिरियो थोलोस मकबरे की हालिया पुरातात्विक खोज ने इतिहास प्रेमियों को चौंका दिया है. यह मकबरा 2875 ईसा पूर्व से 2635 ईसा पूर्व के बीच ताम्र युग का है और इसे एक भव्य सामूहिक दफन स्थल माना जा रहा है. इस मकबरे से वैज्ञानिकों को शैल मोतियों का अब तक का सबसे बड़ा संग्रह मिला है, जिसमें 2,70,000 से अधिक छोटे-छोटे मोती शामिल हैं. ये मोती मुख्य रूप से अटलांटिक तट से मिले स्कैलप शैल से बनाए गए थे. हर एक मोती को बारीकी से आकार देकर, ड्रिल करके और पॉलिश किया गया, फिर इन्हें ट्यूनिक्स, स्कर्ट और घूंघट जैसे वस्त्रों पर सिल दिया गया. प्रत्येक मोती एक तिहाई इंच से भी कम चौड़ा था, और यह संग्रह महिलाओं के प्रभाव और उनकी सामाजिक स्थिति को दर्शाता है. इससे यह संकेत मिलता है कि ताम्र युग की महिलाओं को समाज में विशेष स्थान प्राप्त था. हाल ही में साइंस एडवांस में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, ये वस्त्र औपचारिक समारोहों के लिए बनाए गए थे, न कि रोज़ाना पहनने के लिए. उनका कुल वज़न 200 पाउंड (लगभग 90 किलोग्राम) से अधिक था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे प्रतीकात्मक महत्व रखते थे, न कि व्यावहारिक उपयोग के लिए बनाए गए थे. इन परिधानों को तैयार करने में कम से कम 10 कुशल कारीगरों ने एक वर्ष तक मेहनत की होगी. यह खोज प्राचीन समाज में महिलाओं की भूमिका और सांस्कृतिक धरोहर की समृद्धि को उजागर करती है.

उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच चुका है

रूस ने इस क्षेत्र में भारी सैन्य जमावड़ा किया, बढ़ेगा संघर्ष

एजेंसी। नयी दिल्ली

उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच चुका है. रूस ने इस क्षेत्र में भारी सैन्य जमावड़ा कर लिया है और अनुमान है कि 50,000 से अधिक रूसी विशेष बलों के जवान सुमी सीमा पर डटे हुए हैं. यह वही क्षेत्र है जहां से यूक्रेन ने अगस्त 2024 में रूस के कुर्स्क क्षेत्र पर हमला बोला था और आज भी उसका एक बड़ा हिस्सा यूक्रेन के नियंत्रण में है. अब रूस इस इलाके में निर्णायक जवाबी कार्रवाई के तहत बड़ी लड़ाई की तैयारी कर रहा है. यूक्रेनी जनरल स्टाफ का दावा है कि उन्होंने रूसी आक्रमण को सीमाओं पर रोक दिया है. यूक्रेन का कहना है कि रूसी सेना को जूनाकिवका, यबलुनिवका, नोवोमिकोलेवका, ओलेक्सिएवका और किंडरातिवका की सीमाओं पर ही रोक लिया गया है. यूक्रेनी सेना इन इलाकों में मजबूती से डटी हुई है और पलटवार के लिए तैयार है.

हालांकि रूस ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि यूक्रेनी सेना उन्हें ज्यादा देर तक नहीं रोक सकती और जल्द ही पूरे सुमी क्षेत्र पर उनका नियंत्रण होगा. यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल ओलेक्ज़ांडर सिरस्की ने कहा है कि रूस की रणनीति यूक्रेनी सैनिकों को थकाने की है, ताकि वह मनोबल और संसाधनों की कमी से हार मान लें. इसी को ध्यान में रखते हुए रूस ने सुमी में अपनी सबसे बेहतरीन सैन्य टुकड़ियों को तैनात किया है. इसमें 104वीं एयरबोर्न डिवीजन, 40वीं नौसैनिक ब्रिगेड, 83वीं एयरबोर्न ब्रिगेड और 155वीं मरीन ब्रिगेड शामिल हैं. यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ी है. गुर (यूक्रेनी खुफिया एजेंसी) की विशेष कमांडो यूनिट्स को सुमी के मोर्चे पर उतार दिया गया है. गुर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव के मुताबिक इन यूनिट्स ने रूस की अग्रिम पंक्तियों को रोकने में अहम भूमिका निभाई है. हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि सुमी में लड़ाई बेहद कठिन और जटिल है.

लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव का मानना है कि रूस का मुख्य उद्देश्य यूक्रेनी सीमा के अंदर एक बफर जोन बनाना है, ताकि भविष्य में यूक्रेनी हमलों को रोका जा सके. लेकिन इसके लिए रूस को जबरदस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है. कुछ इलाकों में रूस ने मामूली बढ़त जरूर बनाई है, लेकिन वे रणनीतिक दृष्टिकोण से उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं. पिछले साल जब यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क में बढ़त बनाई थी, तब उम्मीद की जा रही थी कि सुमी क्षेत्र में मजबूत रक्षा तैयारियां की जाएंगी. लेकिन वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, कुर्स्क से पीछे हटने के बाद सुमी में पुराने और कमजोर किलेबंदी ही मौजूद थीं. ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरे के बीच सैनिकों को खुद ही सुरक्षात्मक गड्ढे और आश्रय बनाना पड़ रहा है. एक यूक्रेनी इन्फैंट्री कमांडर ने आरोप लगाया कि कई इलाके बारूदी सुरंगों से सुरक्षित नहीं थे और यह तैयारी टैंक युद्ध के लिए की गई थी, जबकि असली जंग अब ड्रोन के जरिए लड़ी जा रही है.

रूस ने हाल ही में अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला भी किया जिसमें 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागी गईं. यूक्रेनी वायुसेना ने इनमें से 249 ड्रोन और 226 मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया, लेकिन इस हमले में 10 नागरिकों की जान चली गई. इसके अलावा, एक एफ-16 यूक्रेनी फाइटर पायलट भी मारा गया. अब रूस फाइटर जेट्स से सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइलों का उपयोग कर रहा है ताकि यूक्रेन के समुद्री ड्रोन को नष्ट किया जा सके.

गुर प्रमुख बुदानोव ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि इतनी महंगी मिसाइलों को छोटे, तेज़ रफ्तार ड्रोन बोट्स पर इस्तेमाल करना ₹मूर्खतापूर्ण₹ है. यूक्रेनी सेना लगातार और टुकड़ियां भेज रही है, लेकिन यह अभियान उसकी सेनाओं के लिए भारी पड़ रहा है. सुमी में संघर्ष की तीव्रता और बढ़ने की आशंका है. यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों ने अपनी सबसे बेहतरीन ताकत मैदान में झोंक दी है और सुमी अब केवल एक सीमाई इलाका नहीं, बल्कि एक निर्णायक युद्धभूमि बन चुका है

पैगंबर के कार्टून पर हुआ विवाद: हिंसक विरोध प्रदर्शन

इस्तांबुल। तुर्की के इस्तांबुल में हाल ही में भड़के हिंसक प्रदर्शन ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि पैगंबर मोहम्मद के कार्टूनों को लेकर मुस्लिम समुदाय की भावनाएं इतनी तीव्र क्यों होती हैं. लेमन नामक तुर्की की एक व्यंग्य पत्रिका ने एक कार्टून प्रकाशित किया, जिसमें कथित तौर पर पैगंबर और पैगंबर मूसा को मिसाइल हमले के बीच एक-दूसरे को अभिवादन करते हुए दिखाया गया था. इसके बाद सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गए, जो बाद में हिंसक हो उठे. पुलिस को रबर की गोलियां चलानी पड़ीं, आंसू गैस के गोले दागे गए और लाठीचार्ज किया गया. भीड़ ने पत्रिका के दफ्तर पर पत्थर फेंके और सरकार ने पत्रिका के कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया. तुर्की के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कार्टून को ₹बेशर्मी₹ बताया, जबकि न्याय मंत्री यिलमाज़ तुनक ने कहा कि ₹कोई भी स्वतंत्रता, किसी धर्म के पवित्र मूल्यों को अपमानित करने का अधिकार नहीं देती.₹ वहीं, पत्रिका ने सफाई दी कि कार्टून में दिखाया गया व्यक्ति पैगंबर नहीं था, बल्कि इजरायली हमलों में मारे गए एक मुस्लिम युवक का काल्पनिक नाम ₹मोहम्मद₹ था. लेकिन यह सफाई भी भीड़ के गुस्से को शांत नहीं कर सकी.

हर साल खाया जा रहा है 360 करोड़ का गुटखा

नयी दिल्ली। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद राजकुमार रोत ने डूंगरपुर जिले में गुटखे की भारी खपत को लेकर गंभीर चिंता जताई है. उन्होंने अपनी फेसबुक पोस्ट में खुलासा किया कि जिले में प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ रुपये और सालाना करीब 360 करोड़ रुपये का गुटखा खाया जा रहा है. सांसद ने इस पर कटाक्ष करते हुए लिखा, "इसके दाने-दाने में कैंसर का दम है", और लोगों से इस जानलेवा आदत को छोड़ने की अपील की. सांसद ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के दौरान उन्हें गुटखे की खपत की चौंकाने वाली तस्वीर देखने को मिली. एक गांव की दुकान पर गुटखे के पाउच देखकर जब उन्होंने दुकानदार से बिक्री की जानकारी ली, तो पता चला कि वह रोजाना औसतन 1200 रुपये का गुटखा बेचता है. सांसद के अनुसार, जिले की 353 ग्राम पंचायतों में करीब 8500 छोटी-बड़ी दुकानें हैं. यदि हर दुकान प्रतिदिन 1200 रुपये का गुटखा बेच रही है, तो पूरे जिले में यह आंकड़ा प्रतिदिन 1 करोड़ और सालाना 360 करोड़ रुपये तक पहुंचता है.

अंगोला में राष्ट्रपति ने वित्तीय सुधारों की उठाई मांग

लुआंडा। अंगोला के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष जोआओ लोरेन्सो ने सोमवार को वैश्विक वित्तीय प्रणाली में तत्काल सुधारों की मांग करते हुए अफ्रीका में बुनियादी ढांचे के लिए मजबूत निवेश समर्थन पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि कर्ज के भारी बोझ के कारण महाद्वीप का विकास थम गया है. स्पेन के सेविले शहर में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त सम्मेलन (एफएफडी4) में लोरेन्सो ने कहा, ₹संप्रभु कर्ज स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों से भी अधिक संसाधन निगल रहा है. इससे अफ्रीकी देशों की विकास क्षमता और सतत विकास लक्ष्यों व एजेंडा 2063 की प्राप्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है. राष्ट्रपति लोरेन्सो ने कहा कि अफ्रीका को विकास के लिए ठोस आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकता है.

केमिकल फैक्टरी विस्फोट: सीएम रेवंत रेड्डी ने किया घटनास्थल का दौरा

एजेंसियां । सांगारेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पाशामिलाराम औद्योगिक क्षेत्र स्थित सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में उस जगह का दौरा किया, जहां विस्फोट हुआ था. उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने हादसे के बाद कंपनी प्रबंधन के वहां मौजूद न होने पर नाराजगी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई. दौरे के दौरान मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, मंत्री डी. श्रीधर बाबू, पी. श्रीनिवास रेड्डी, जी. विवेक और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों और कंपनी के प्रतिनिधियों से बात की. उन्होंने फैक्टरी निदेशक और बॉयलर इंस्पेक्टर से पूछा कि क्या नियमित निरीक्षण किए गए थे और क्या कोई समस्या की पहचान की थी. उन्होंने पूछा कि क्या उद्योग में पहले भी कोई दुर्घटना हुई है. उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें अटकलें लगाने वाले उत्तर नहीं चाहिए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना की गहन जांच करने और पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया. उन्होंने सुझाव दिया कि दुर्घटना पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाए. उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद ही व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए. मुख्यमंत्री ने उद्योग की अनुमति और सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने सिगाची उद्योग से जुड़ी सभी जानकारियां एकत्र करने के निर्देश दिए. उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए. उन्होंने अधिकारियों को ऐसी दुर्घटनाओं के दौरान मानवीय व्यवहार करने की सलाह दी. मुख्यमंत्री ने कंपनी के प्रतिनिधि से कहा कि वे मुआवजे के बारे में उन्हें बताएं. उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्घटना की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन को लेनी चाहिए.

मुख्यमंत्री ने उद्योग में काम करने वाले लोगों के कौशल के बारे में भी जानकारी ली. राज्य उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि यह दुखद है कि 24 घंटे बीत जाने के बाद भी प्रबंधन घटनास्थल पर नहीं आया है. उन्होंने कहा कि सरकार घटना को गंभीरता से ले रही है. श्रम और स्वास्थ्य मंत्री लगातार दुर्घटना की निगरानी कर रहे हैं.

आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना में शामिल हुआ आखिरी विदेशी जंगी जहाज

आत्मनिर्भर भारत की ओर यह बड़ा कदम

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय नौसेना ने 1 जुलाई को एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज किया, जब रूस के कलिनिनग्राद स्थित यांतर शिपयार्ड में बने आईएनएस तमाल पर भारतीय ध्वज फहराया गया. यह दिन इसलिए भी खास रहा क्योंकि आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला आखिरी विदेशी वॉरशिप बन गया है. इसके बाद नौसेना में केवल स्वदेशी युद्धपोत ही शामिल किए जाएंगे, जो 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. भारतीय समयानुसार दोपहर लगभग 2 बजे इस वॉरशिप को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया. इस मौके पर वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह भी उपस्थित रहे.

आईएनएस तमाल दुनिया का एक अत्याधुनिक मल्टी-रोल स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है, जिसे ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल से लैस किया गया है. इसका निर्माण रूस में किया गया है, लेकिन इसमें प्रयुक्त इंजन यूक्रेन में निर्मित हैं, जो रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले ही डिलीवर कर दिए गए थे.

तमाल का नाम एक प्रकार की तलवार से लिया गया है और इसकी मारक क्षमता भी तलवार जैसी धारदार मानी जा रही है. यह वॉरशिप मुख्य रूप से गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के समुद्री इलाकों की निगरानी और सुरक्षा करेगा. इसे भारतीय नौसेना की वेस्टर्न नेवल कमांड, जिसे 'स्वॉर्ड आर्म' भी कहा जाता है, में शामिल किया गया है. अब इस कमांड के पास तलवार और तेग क्लास के कुल 8 स्टेल्थ फ्रिगेट्स होंगे. आईएनएस तमाल 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की गति से समुद्र में गश्त कर सकता है और एक बार में 3,000 किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है. इसके पास न केवल सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलें हैं, बल्कि इसे एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए भी विशेष रूप से डिजाइन किया गया है. इसमें एंटी-सबमरीन रॉकेट्स, टॉरपीडो और एक हेलीकॉप्टर की तैनाती की सुविधा भी है. इसका कुल वजन लगभग 3,900 टन है.

मंत्री पर एनएचएआई अधिकारी से मारपीट का लगा है आरोप

एजेसियां । शिमला

राजधानी शिमला के भट्टाकुफर में सोमवार सुबह पांच मंजिला भवन गिरने की घटना के बाद नया बवाल खड़ा हो गया है. घटनास्थल पर निरीक्षण करने पहुंचे हिमाचल सरकार के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह पर एनएचएआई के एक अधिकारी से मारपीट करने का आरोप लगा है. शिमला की ढली थाना पुलिस ने मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. वहीं, इस घटना को लेकर विपक्ष हमलावर हो गया है. एनएचएआई में कार्यरत अधिकारी अचल जिंदल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एसडीएम ग्रामीण द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लेने के बाद करीब 11:30 बजे घटनास्थल पर पहुंचे थे. इस दौरान मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने पहले उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और फिर उनके समर्थकों के साथ मिलकर मारपीट की. जिंदल द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक हमले में उन्हें चोटें आईं. इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आईजीएमसी ले जाया गया. वहां उनका मेडिकल परीक्षण हुआ और एमएलसी भी करवाई गई. पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है. वहीं, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने घटना की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया और मुख्यमंत्री से मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की. कहा कि यह घटना प्रशासनिक अनुशासन और जनसेवा के खिलाफ एक खतरनाक उदाहरण है. एनएचएआई इंजीनियर एसोसिएशन ने भी इस घटना को अस्वीकार्य बताया और दोषियों के खिलाफ त्वरित व सख्त कार्रवाई की मांग की है.

'शुभम संदेश'

के

स्थापना दिवस

पर

हार्दिक

शुभकामनाएं

उमाशंकर वर्मा

ओपी प्रभारी, बरकाकाना, रामगढ़

स्वायत्ताधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक सुरजीत सिंह द्वारा फ्लैट नंबर 48, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रेजीमेंटल गेट नंबर 1 के सामने, पोस्ट कोकर, पीएस सदर, रांची - 834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : सुरजीत सिंह. स्थानीय संपादक : संजय सिंह*** फोन नंबर 0651-2961734. (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.**)